

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 44 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 10 अक्टूबर 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

बीमार मां से मिलने के लिए 6 घंटे की पैरोल पर राजी हुआ जगतार सिंह हवारा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जगतार सिंह हवारा ने अपनी बीमार मां से मिलने के लिए पैरोल पर जाने की सहमति जता दी है। सूत्रों के अनुसार, हवारा को करीब छह घंटे की पैरोल मिल सकती है। वह दिल्ली की मंडोली जेल में बंद है और प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा से जुड़ा रहा है। इससे पहले हवारा की गंभीर रूप से बीमार मां से मुलाकात के लिए पुलिस सुरक्षा के साथ कस्टडी पैरोल मंजूर की गई थी, लेकिन उसने सुरक्षा घेरे में मां से मिलने जाने से इनकार कर दिया था। जबकि जेल अधिकारियों का तर्क था कि उसे हाई-रिस्क कैदी मानते हुए मुलाकात के दौरान सशस्त्र पुलिसकर्मियों की तैनाती जरूरी है।

गुजरात में शराबबंदी के दावों के बीच वायरल वीडियो ने खड़े किए सवाल

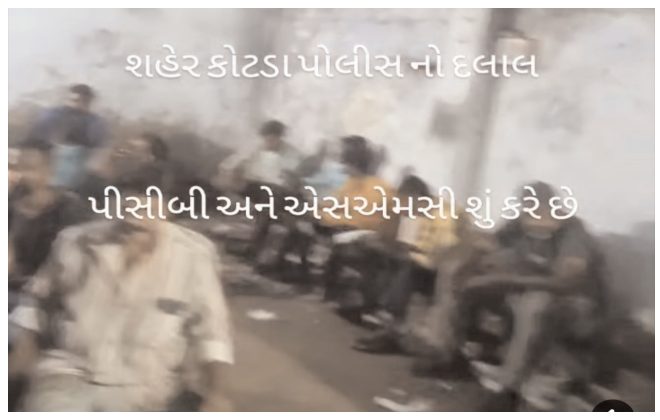
कोटडा पुलिस स्टेशन वहीवटदार भरत प्रजापति खुलेआम शराब का अड्डा चला रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात में शराब बैन के दावों के बीच, अहमदाबाद शहर से एक बहुत ही चौंकाने वाली और विस्फोटक घटना सामने आई है, जिसने खाकी वर्दी को शर्मसार कर दिया है और पूरे पुलिस सिस्टम की पोल खोल दी है। अहमदाबाद के सेंसिटिव शहर कोटडा पुलिस स्टेशन वहीवटदार भरत प्रजापति का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिससे पूरे पुलिस डिपार्टमेंट में हलचल मच गई है। पुलिस स्टेशन वहीवटदार भरत प्रजापति खुद शराब का अड्डा चला रहे हैं और MEMCO इलाके में देसी-विदेशी शराब के अड्डे पर मौजूद रहकर अड्डे को मैनेज कर रहे हैं– यह बात वीडियो में साफ कैद हो गई है। एक पत्रकार के इस खुलासे वाले स्ट्रिंग ऑपरेशन ने गुजरात पुलिस के भ्रष्ट वहीवटदार की पोल खोल दी है!

वहीवटदार के दम पर चलते हैं क्रिमिनल्स के राज

गुजरात में शराब बैन सिर्फ आम जनता के लिए है, जबकि पूरा धंधा पुलिस वहीवटदार और नशे में धुत खाकी बाबुओं के लिए खुला है। इससे ज़्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है कि शहर के कोटडा पुलिस स्टेशन की हद में चल रहे इस शराब के अड्डे पर खुद एक पुलिस ऑफिसर मौजूद हो, जो इसे सुरक्षा दे रहा हो और धंधा चला रहा हो? इस स्ट्रिंग ऑपरेशन ने साबित कर दिया है कि पुलिस स्टेशन चलाने के लिए PI से भी ज़्यादा पावरफुल वहीवटदार हैं, जो इंस्टॉलमेंट और कट-ऑफ का खेल खेलकर करोड़ों कमाते हैं। क्या अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर और PCB में इन करप्ट अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने की ताकत है?



अब इस मामले में सबसे बड़े सवाल खड़े हो गए हैं

क्या अहमदाबाद शहर के पुलिस कमिश्नर और उनकी बदनाम, तोड़फोड़ करने वाली प्रिवेंशन ऑफ़ क्राइम ब्रांच में इन करप्ट चेहरों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की ताकत बची है? क्या गुजरात की स्टेट मॉनिटरिंग सेल अब इस खुलेआम घोटाले पर आंखें मूंद लेगी या कोई एक्शन लेगी? क्या राज्य के पुलिस सिस्टम में इतनी हिम्मत है कि वह खाकी वर्दी की लाज रखते हुए शहर के कोटडा थाने के PI उनके मुख्य दलाल मुकेश चौधरी, भरत प्रजापति और हितेश देसाई जैसे खाकी वर्दी वाले बूटलेगरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे? अगर इतने खुले सबूत सामने आने के बाद भी वहीवटदार और शामिल अधिकारियों को सिर्फ सस्पेंशन या डिपार्टमेंटल जांच के नाम पर दबाया जाता है, तो कानून-व्यवस्था से जनता का भरोसा पूरी तरह उठ जाएगा। गुजरात की जनता अब इस भ्रष्ट सिस्टम से सवाल पूछ रही है कि क्या खाकी और बूटलेगरों की यह पार्टनरशिप ऐसे ही चलती रहेगी? देखना यह है कि सिस्टम को हिला देने वाले इस मामले में अब सिस्टम क्या कदम उठाता है!

कथित शराब अड्डे पर पुलिसकर्मी की मौजूदगी का दावा, वरिष्ठ अधिकारियों की कार्रवाई पर नजर



दादा ने सबसे पहले देखा, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव; मौत के कारणों की जांच जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र के बारी गांव में 18 वर्षीय युवक का शव घर के बरामदे में फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान हरिजन मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 15 निवासी राजेंद्र अहिरवार के रूप में हुई है। वह मातादीन अहिरवार का बेटा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, राजेंद्र का शव घर के बरामदे में पंखे के बॉक्स से रस्सी के सहारे लटका मिला। सबसे पहले उसके दादा गडुआ अहिरवार ने उसे देखा। बताया गया कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद बाथरूम की तरफ से ऊपर चढ़कर देखने पर राजेंद्र फंदे पर लटका दिखाई दिया। घटना के बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए महाराजपुर भेज दिया। डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित किया। फिलहाल, राजेंद्र की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।



शादी का झांसा देकर नाबालिग को ग्वालियर ले गया, दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम में नाबालिग से दुष्कर्म के करीब डेढ़ साल पुराने मामले में विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) ने आरोपी रोहित भरदेले को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने मामले में पेश साक्ष्यों और पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा और अर्थदंड से दंडित किया। मामले के अनुसार, आरोपी रोहित भरदेले नाबालिग पीड़िता को शादी का झांसा देकर ग्वालियर ले गया था। वहां वह उसे अपनी मौसी सगुन के घर ले गया, जहां पीड़िता को कुछ दिनों तक रखा गया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।झ पीड़िता के परिजनों ने उसके लापता होने पर नर्मदापुरम के थाने में गुमशुदगी और अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पीड़िता की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने उसे ग्वालियर से बरामद कर लिया। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी रोहित भरदेले के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद प्रकरण न्यायालय में पहुंचा, जहां मामले की सुनवाई हुई।



ऊना अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला और नवजात की मौत, छह घंटे तक धरने पर बैठे परिजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ऊना। हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में शुक्रवार सुबह प्रसव के दौरान 33 वर्षीय महिला और उसके नवजात शिशु की मौत के बाद हंगामा हो गया। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ रोष जताते हुए जिम्मेदार डॉक्टर की गिरफ्तारी की मांग की। परिजन करीब छह घंटे तक धरने पर बैठे रहे। स्थिति तनावपूर्ण होने पर अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को बुलाया। परिजनों की मांग पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है, जबकि अस्पताल प्रबंधन ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को भेज दी है। मृतका की पहचान अरनियाला निवासी रीना देवी, पत्नी राजीव कुमार, के रूप में हुई है। महिला और नवजात की मौत की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की।



मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष का मार्च, राष्ट्रपति मुर्मू से मांगा मिलने का समय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज करते हुए विपक्षी गठबंधन इंडिया के सांसदों ने शुक्रवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में बैठक की। बैठक के बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और ममता बनर्जी सहित विपक्षी सांसद राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च करते हुए निकले। विपक्षी नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ियों को लेकर अपनी चिंता जताएंगे। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग वाला पत्र भी सौंपेंगे। राष्ट्रपति ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं को रात आठ बजे मुलाकात का समय दिया है।

बैठक में पढ़ा नेहरू का भाषण

राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च से पहले संसद के केंद्रीय कक्ष में विपक्षी सांसदों की बैठक हुई।



इस दौरान राहुल गांधी ने 14 अगस्त 1947 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिए गए भाषण को पढ़ा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहली बार ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने संकेत दिया कि उनकी मांगों को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन के सिलसिले में सात दिनों के भीतर कुल 27 प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। इनमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 3(5) का इस्तेमाल 22 प्राथमिकी में किया गया। यह धारा साझा मंशा के तहत किए गए अपराध में सामूहिक जिम्मेदारी से संबंधित है। धारा 223(क) का उल्लेख 18 प्राथमिकी में किया गया है, जो सरकारी अधिकारी के आदेश की अवहेलना से संबंधित है। वहीं, धारा 221 और 132 का इस्तेमाल 17-17 प्राथमिकी में किया गया। धारा 221 सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालने और धारा 132 सरकारी कर्मचारी पर हमला करने या आपराधिक बल के इस्तेमाल से संबंधित है। ग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष आगे के कदमों की जानकारी देगा और आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने दिल्ली में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति होने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में आंदोलन और जुलूस होते रहते हैं तथा सरकार को इन्हें लोकतांत्रिक तरीके से संभालना चाहिए। उन्होंने सरकार पर तानाशाही तरीके से काम करने का आरोप भी लगाया।

21 से 23 अक्टूबर तक खुल सकता है इश्यू, 10.3 लाख करोड़ रुपए तक वैल्यूएशन का लक्ष्य; तारीखों और कीमतों पर अभी अंतिम मुहर नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम और डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड देश का अब तक का सबसे बड़ा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी आईपीओ के लिए प्रति शेयर 1,065 से 1,119 रुपए का मूल्य दायरा तय कर सकती है। इस इश्यू के जरिए करीब 30,200 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य बताया जा रहा है। हालांकि, कंपनी की ओर से अभी तक इन प्रस्तावित तारीखों, मूल्य दायरे और मूल्यांकन की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स करीब 10.3 लाख करोड़ रुपए के बाजार मूल्यांकन का लक्ष्य लेकर चल रही है। यदि ऊपरी मूल्य दायरे पर आईपीओ आता है और इसके जरिए 30,200 करोड़ रुपए जुटाए जाते हैं, तो यह अक्टूबर 2024 में हुंडई मोटर इंडिया के 27,800 करोड़ रुपए के आईपीओ का रिकॉर्ड पार कर सकता है। ऐसा होने पर जियो का इश्यू भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, एंकर निवेशकों के लिए इश्यू 19 अक्टूबर को खुल सकता है। आम निवेशकों के लिए सार्वजनिक सदस्यता 21 अक्टूबर से शुरू होकर 23 अक्टूबर तक चलने की संभावना है। शेयरों की बाजार में लिस्टिंग 28 अक्टूबर को हो सकती है। हालांकि, ये तारीखें अभी संभावित हैं और अंतिम कार्यक्रम में बदलाव संभव है। जियो ने जून में 27 करोड़ नए शेयर जारी करने के लिए प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल किया था। ये शेयर कंपनी की निर्गम के बाद की कुल इक्विटी का लगभग 2.93 प्रतिशत बताए गए हैं। पहले कंपनी करीब 11 लाख करोड़ रुपए के मूल्यांकन की उम्मीद कर रही थी। शुरुआती चर्चाओं में इसका मूल्यांकन 130 अरब से 170 अरब डॉलर तक आंका गया था। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने जून में जियो का मूल्यांकन 115 अरब से 118 अरब डॉलर के बीच बताया था, जबकि दोलत कैपिटल ने इसे 110 अरब डॉलर आंका था। हाल में शेयर बाजार में आई बिकवाली के बीच कई कंपनियों ने अपने आईपीओ के मूल्यांकन पर दोबारा विचार किया है।



हरदा दौरे पर जिला अस्पताल का निरीक्षण, वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से मिले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को हरदा पहुंचे। दौरे के दौरान उन्होंने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद सार्थक सेवा वृद्धजन आश्रम पहुंचकर बुजुर्गों से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम जानी। वहीं, समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मचारी का मानदेय 10 माह से अधिक समय तक लंबित रहने और शिकायत के निराकरण में लापरवाही सामने आने पर मुख्यमंत्री ने आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक प्रमोद माथुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मचारी के मानदेय भुगतान में लंबे समय से हो रही देरी का मामला सामने आया। बताया गया कि रसोई का काम करने वाली महिला कर्मचारी का मानदेय 10 माह से अधिक समय से लंबित था। मुख्यमंत्री ने संबंधित शिकायत के लंबित रहने का कारण पूछा। जिला संयोजक प्रमोद माथुर संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक देरी और शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हरदा पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री जिला अस्पताल गए और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को मिल रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। दौरे के दौरान सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों को चश्मे और टीबी मरीजों को किट वितरित करने का कार्यक्रम भी निर्धारित था। मुख्यमंत्री 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत सार्थक सेवा वृद्धजन आश्रम पहुंचे।



पटना में रेलवे ट्रैक पर युवक-युवती के शव मिले, चार दिन से लापता थी छात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूर

पटना। बिहार की राजधानी पटना के कुम्हरार इलाके में रेलवे ट्रैक पर युवक और युवती के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान शैली रानी के रूप में हुई है, जो टीपीएस कॉलेज में स्नातक की छात्रा थी। वह 5 अक्टूबर को घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। उसके लापता होने के बाद परिजनों ने कंकड़बाग थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं, मृत युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलने पर राजेंद्रनगर टर्मिनल की राजकीय रेल पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शैली के पिता संजीव कुमार प्रजापति महावीर आरोग्य संस्थान में कर्मचारी हैं। उनका आरोप है कि उनकी बेटी की हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बेटी चार दिन से लापता थी, लेकिन पुलिस उसका पता नहीं लगा सकी। तीन बच्चों में शैली सबसे बड़ी थी। बेटी की मौत से परिवार में शोक का माहौल है मृतका के चचेरे भाई मनोज कुमार के अनुसार, शैली फॉर्म भरने के लिए घर से निकली थी और इसके बाद लापता हो गई। परिजनों ने उसके दोस्तों और परिचितों से भी जानकारी जुटाने की कोशिश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। मनोज ने बताया कि शैली के लापता होने के बाद दुबई से एक व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि शैली ने 10 हजार रुपए का कर्ज लिया है और रकम नहीं चुकाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मनोज के मुताबिक, उन्होंने फोन करने वाले से कहा था कि शैली के घर लौटने पर हिसाब स्पष्ट कर लिया जाए। घटना के बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक स्तर पर मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



खंडवा की छह तहसीलों में प्रशासन की कार्रवाई, कलेक्टर बोले- जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर होगी आगे की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में स्वामित्व योजना के तहत काम में लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन ने 16 पटवारियों को निलंबित कर दिया है। वहीं, 42 अन्य पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। यह कार्रवाई अधिकार अभिलेख तैयार करने और उनके पंजीयन के अभियान में शासन के निर्देशों का पालन नहीं करने तथा काम में उदासीनता बरतने के मामले में की गई है। संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने निलंबन के आदेश जारी किए हैं। प्रशासन की कार्रवाई खंडवा जिले की छह तहसीलों में की गई है। निलंबित पटवारियों में खंडवा तहसील के चार, पंधाना के तीन, मूंदी के दो, पुनासा के चार, खालवा के दो और हरसूद का एक पटवारी शामिल है। खंडवा तहसील से रविंद्र सेल्दे, अमित गंगराडे, नेपाल गिरवाल और राजेश मंडलोई को निलंबित किया गया है। पंधाना तहसील के संजीव पटेल, भरत सोनटक्के और सुनील पाराशर पर कार्रवाई हुई है। मूंदी तहसील से पलक गौतम और मयूर घोसले को निलंबित किया गया है। इसी तरह पुनासा तहसील के अशोक अत्रे, अनोपसिंह ठाकुर, अतुलसिंह कुशवाह और मुकेश कलम, खालवा के सुनील पाटील और अनिल कास्डे तथा हरसूद के कमलचन्द बावनिया को निलंबित किया गया है। प्रशासन ने अभियान में लापरवाही और शासन के निर्देशों के पालन में कमी को लेकर 42 अन्य पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। उनसे कामकाज के संबंध में जवाब मांगा गया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि संबंधित पटवारियों के जवाब मिलने के बाद उनका परीक्षण किया जाएगा। यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाते हैं, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि स्वामित्व योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को उनकी आबादी भूमि पर संपत्ति के अधिकार से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराना है। इसके तहत पटवारियों को मैदानी जानकारी जुटाने, राजस्व अभिलेखों के आधार पर प्रक्रिया पूरी करने और पात्र परिवारों तक समय पर दस्तावेज पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है।



युवा स्टूडेंट्स की आवाज़ दबाने की कोशिश नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कोर्ट ने उस याचिका को साफ तौर पर खारिज कर दिया है जिसमें दिल्ली पुलिस को स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स से सख्ती से निपटने की पूरी छूट देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि युवा स्टूडेंट्स के भविष्य और करियर को किसी भी हालत में नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इस फैसले से आंदोलन कर रहे युवाओं और स्टूडेंट ऑर्गनाइज़ेशन्स को बड़ी राहत मिली है। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान ज़रूरी बातें कहीं और कहा कि स्टूडेंट्स के परिवारों, उनकी सोशल स्टेटस और उनके लंबे समय के भविष्य को बिल्कुल भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर युवा स्टूडेंट्स लंबी और उलझी हुई कानूनी कार्रवाई या कोर्ट की लड़ाइयों में उलझते हैं, तो उनका पूरा भविष्य सवालों के घेरे में आ जाएगा। साथ ही, कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि पहले दी गई सुरक्षा या कानूनी राहतें गंभीर अपराधों के आरोपियों पर बिना सोचे-समझे या बिना सोचे-समझे लागू नहीं होती हैं। यानी कानून अपना काम करेगा, लेकिन पुलिस को बेगुनाह या विरोध कर रहे स्टूडेंट्स पर मनमाने जुल्म करने की इजाज़त नहीं दी जा सकती। यह जजमेंट इस बात पर ज़ोर देता है कि जहाँ एक तरफ पब्लिक ऑर्डर और लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखना ज़रूरी है, इंसाफ़ के बेसिक प्रिंसिपल कि 'सिर्फ़ पुलिस के इल्ज़ामों से कोई जुर्म साबित नहीं होता' के बीच सही बैलेंस बनाए रखना भी बहुत ज़रूरी है।

धांगध्रा में रामदेव मंदिर की 15 बीघा ज़मीन गैर-कानूनी कब्ज़े से छुड़ाकर असली मालिक को सौंपी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार की तरफ से राज्य में ज़मीनों पर गैर-कानूनी कब्ज़े और अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे कड़े कैंपेन के तहत एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। सुरेंद्रनगर ज़िले के ध्रांगध्रा में मशहूर रामदेव मंदिर के महंत श्री महावीर दासजी (गुरु स्वर्गीय रामचंद्रदासजी महाराज) की लगभग 15 बीघा कीमती ज़मीन को लंबे समय से गैर-कानूनी कब्ज़े और अतिक्रमण से कामयाबी से छुड़ा लिया गया है सरकार के जन-हित और सही 'तेरा तुझको अर्पण' कैंपेन के तहत, इस ज़मीन पर से गैर-कानूनी कब्ज़ा हटा दिया गया है और गांधीनगर में एक खास प्रोग्राम में असली मालिक और मंदिर के महंत को ऑफिशियली कानूनी कागज़ात सौंप दिए गए हैं। गैर-कानूनी दबावों के खिलाफ सरकार की कड़ी नज़र मिली जानकारी के मुताबिक, ध्रांगध्रा के इस रामदेव मंदिर की 15 बीघा ज़मीन पर कुछ एंटी-सोशल और लैंड माफिया लोगों ने गैर-कानूनी तरीके से दबाव बनाया हुआ था। धार्मिक और आस्था के केंद्र इस ज़मीन को छुड़ाने के लिए लंबे समय से गुहार लगाई जा रही थी। गैर-कानूनी दबावों के खिलाफ बिना ढिलाई दिखाए सख्त कार्रवाई करने की पॉलिसी के तहत इस मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की।



एक प्राइवेट कंपनी की असहनीय बदबू से परेशान पांच गांवों के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। पंथक में बेकाबू प्रदूषण और प्रशासन की बेपरवाही के खिलाफ स्थानीय लोगों का गुस्सा अब चरम पर पहुंच गया है। मेहसाणा-बहुचराजी मुख्य हाईवे पर आसपास की प्राइवेट कंपनियों से निकलने वाली जहरीली और असहनीय बदबू से नाराज पांच गांवों के ग्रामीणों ने गुस्से में हाईवे जाम कर दिया। प्रदूषण के राक्षस से परेशान लोगों के इस कदम से प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया।मिली जानकारी के अनुसार, मेहसाणा पंथक में एक प्राइवेट कंपनी से लगातार निकल रही तेज और जानलेवा बदबू के कारण स्थानीय नागरिकों का जीवन मुश्किल हो गया है। इस गंभीर समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित मारेडा, समेट्रा, खारा, गोकुलगढ़ और लक्ष्मीपुरा समेत आसपास के पांच गांवों के ग्रामीण हुए हैं। बार-बार बताने के बाद भी इस प्रदूषण फैलाने वाली कंपनी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और आखिरकार गांववालों का सब्र जवाब दे गया। गुस्साए गांववाले अपने ट्रैक्टर और गाड़ियां लेकर सीधे मेहसाणा-बहुचराजी हाईवे पर पहुंच गए और सड़क के बीच में ट्रैक्टरों का बैरिकेड लगाकर हाईवे को पूरी तरह से जाम कर दिया। गांववालों का आरोप है कि इस प्राइवेट कंपनी की वजह से पूरे इलाके की हवा जहरीली हो गई है। दिन-रात फैल रही बदबू की वजह से छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सांस लेने में बहुत दिक्कत हो रही है, साथ ही आंख और गले में जलन जैसी गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम भी बढ़ रही हैं। इससे पहले गांववालों ने इसी मुद्दे पर विरोध में गांव के स्कूल भी बंद कर दिए थे, लेकिन जिम्मेदार GPCB (गुजरात प दूषण कंट्रोल बोर्ड) और प्रशासन टस से मस नहीं हुआ। हाईवे पर अचानक जाम लगने से गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और ट्रैफिक सिस्टम पूरी तरह से ठप हो गया। हालात की गंभीरता को समझते हुए पुलिस का काफ़िला तुरंत मौके पर पहुंचा और ट्रैफ़िक को दूसरे दूसरे रास्तों से डायवर्ट कर दिया, ताकि गाड़ी चलाने वालों को कोई दिक्कत न हो। गांववालों के ज़बरदस्त प्रदर्शन और भारी गुस्से को देखते हुए, आखिरकार प्रशासन ने एक्शन लिया।



रेवेन्यू कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर और वकील लड़ रहे हैं, जिससे पूरे राज्य में काम पूरी तरह से ठप हो गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। गुजरात के लोग इस समय सरकार की असंवेदनशील नीतियों और एडमिनिस्ट्रेटिव नाकाबिलियत की वजह से डबल स्ट्राइक का सामना कर रहे हैं! एक तरफ, राज्य भर के रेवेन्यू कर्मचारी अपनी 14 लंबे समय से पेंडिंग मांगों को पूरा करने के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं, तो दूसरी तरफ, वकील भी रेंट बिल को लेकर कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इस डबल स्ट्राइक की वजह से सूरत, बोटाद और अहमदाबाद समेत पूरे गुजरात में सरकारी ऑफिस, ममलतदार ऑफिस और कोर्ट में काम पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे आम याचिकाकर्ताओं और नागरिकों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि रेवेन्यू डिपार्टमेंट के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का आज दूसरा दिन है, लेकिन सरकार टस से मस नहीं हुई है। आज सुबह से ही सूरत और बोटाद समेत पूरे राज्य में सरकारी ऑफिस के बाहर अपने काम के लिए आए एप्लीकेंट्स की लंबी लाइनें देखी गईं। कर्मचारियों की मुख्य मांगों में प्रमोशन, ट्रांसफर और 14 दूसरे पेंडिंग मुद्दे शामिल हैं, जिन्हें सरकार ने समय पर पूरा नहीं किया, और आखिरकार कर्मचारियों ने काम से दूर रहने का कड़ा फैसला लिया है। बोटाड जिले की ही बात करें तो, बोटाद तालुका सेवा सदन परिसर में भारी सन्नाटा पसरा रहा क्योंकि वहां के सभी 150 से ज़्यादा रेवेन्यू कर्मचारी एक साथ हड़ताल पर चले गए।

छोटा उदेपुर के लोगों के साथ खुली लूट

बेलगाम रेत खनन से पानी का संकट पैदा होगा, BJP सरकार के भ्रष्ट नेता लोगों को बर्बाद करने बैठे हैं!

छोटा उदेपुर में अवैध रेत खनन से गहराया जल संकट का खतरा

छोटा उदेपुर में अवैध रेत खनन से जल संकट की आहट



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

छोटा उदेपुर। गुजरात में विकास और खुशहाली का खोखला ढोल पीटकर सत्ता की कुर्सियों पर बैठे BJP नेताओं की असलियत अब लोगों के सामने पूरी तरह से सामने आ गई है। राज्य में प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध लूट और भ्रष्टाचार के पाप से आम लोगों की ज़िंदगी कैसे नरक जैसी होती जा रही है, इसका सबसे बड़ा और खतरनाक उदाहरण छोटा उदेपुर पंथक से सामने आ रहा है। छोटा उदेपुर की नदियों और धरती का सीना चीरकर किए जा रहे बेलगाम और गैर-कानूनी रेत खनन से आने वाले समय में पूरे इलाके में भयानक पानी का संकट और प्राकृतिक आपदाओं का डर है। अंधाधुंध प्रकृति का दोहन करने वाले रेत माफियाओं को सत्ता में बैठे बड़े नेताओं का सीधा आशीर्वाद प्राप्त है, फिर भी सत्ताधारी पार्टी के नेता लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए सिर्फ खोखले आश्वासन और झूठे नारे लगा रहे हैं। छोटा उदेपुर में बिना कंट्रोल के रेत माइनिंग तबाही मचा रही है छोटा उदेपुर इलाके की नदियों में दिन-रात हाई-टेक JCB मशीनों और ओवरलोडेड डंपरों की मदद से रेत की लूट हो रही है। नदियों का तल गहरा हो गया है, ग्राउंडवाटर लेवल खतरनाक रूप से गिर गया है और हरा-भरा माहौल एक बिस्तर में बदल गया है। पर्यावरणविद और स्थानीय जागरूक नागरिक बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि अगर यह बिना कंट्रोल और गैर-कानूनी रेत माइनिंग तुरंत नहीं रोकी गई, तो छोटा उदेपुर की आने वाली पीढ़ियों को पीने के पानी के लिए वंजारा की तरह संघर्ष करना पड़ेगा। इन माफियाओं को रोकने के लिए सिस्टम पूरी तरह चुप है जो अपने निजी फायदे के लिए और प्रकृति की कीमत पर अपनी तिजोरियां भर रहे हैं। 'नल से पानी' के खोखले दावे और BJP सरकार की बेपरवाही एक तरफ इस भ्रष्ट सरकार की बिना सोचे-समझे माइनिंग के कारण प्राकृतिक पानी के सोर्स पूरी तरह सूख रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली से गांधीनगर तक 'नल से पानी' जैसी योजनाओं का बड़ा-बड़ा ढिंढोरा पीटकर हुक्मरान लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। सरकार ढोल पीटती है कि हर गांव और कस्बे में नलों से साफ पानी पहुंचाया जा रहा है, लेकिन असलियत यह है कि अगर ज़मीन में पानी ही नहीं रहेगा, तो नल में पानी कहां से आएगा? छोटा उदेपुर के लोग अब इस BJP सरकार से बहुत नाराज़ हो गए हैं जो लोगों के बुनियादी अधिकारों और जान की कीमत पर अपने ही लोगों के खजाने खाली कर रही है। छोटा उदेपुर के लोग डर और चिंता के साये में जी रहे हैं कि आने वाले दिनों में उनका क्या होगा। यह सही समय है कि हम अपनी आवाज़ उठाएं और इस भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ़ आवाज़ उठाएं। अगर हमने आज विकास के नाम पर हो रही इस लूट के खिलाफ़ आवाज़ नहीं उठाई, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ़ नहीं करेंगी!

सरकार की भूमिका पर उठे सवाल

अवैध रेत खनन से बढ़ी जल संकट की चिंता

छोटा उदेपुर में अवैध रेत खनन को लेकर पर्यावरण और जल संरक्षण पर सवाल उठ रहे हैं। नदियों से लगातार रेत निकालने के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने और भूजल स्तर पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाले समय में क्षेत्र में जल संकट की समस्या गंभीर हो सकती है। अवैध खनन पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के बीच सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है

विकास के दावे सिर्फ़ कागज़ों पर, सेजपुरा गांव में एक महीने से चालीस स्ट्रीट लाइटें बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात सरकार राज्य के गांवों का कायाकल्प करने के लिए स्मार्ट विलेज और नंदनवन विलेज जैसी योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये की ग्रांट दे रही है। बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं कि गांवों में भी शहरों जैसी मॉडर्न सुविधाएं मिलेंगी और डिजिटल युग का फ़ायदा ज़मीनी स्तर तक पहुंचेगा। लेकिन, डभोई तालुका के सेजपुरा गांव में इन सभी दावों की असलियत पूरी तरह खोखली साबित हो रही है। सेजपुरा गांव में एक महीने से ज़्यादा समय से लगभग चालीस स्ट्रीट लाइटें पूरी तरह बंद हैं, जिससे पूरा गांव अंधेरे में डूबा हुआ है। गांव की मुख्य सड़कों, चौराहों और अंदरूनी आंगनों में रात के समय छाए अंधेरे ने स्थानीय निवासियों, कर्मचारियों और पैदल चलने वालों की मुश्किलें बहुत बढ़ा दी हैं। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि गांव वालों के लिए रात में एक फलिया से दूसरी फलिया में जाना मुश्किल हो गया है। परिवार की महिलाओं, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को रात में बाहर निकलने पर हर समय एक्सीडेंट या गिरने का डर बना रहता है। गांवों में लाइटहाउस जैसी यह बेसिक सुविधा न होने से गांववालों में प्रशासन और लोकल पंचायत के प्रति काफी गुस्सा है। अंधेरे के इस राज ने न सिर्फ आने-जाने पर असर डाला है, बल्कि गांववालों की सेहत और सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। रात में सड़कों पर अंधेरा होने से सांप या दूसरे जहरीले कीड़े के काटने का खतरा ज्यादा रहता है। इसके अलावा, असामाजिक तत्वों की हरकतों और चोरी के बढ़ते खतरे की वजह से गांववाले डर के साये में जी रहे हैं। ऐसी बेबस हालत पैदा हो गई है कि गांववालों को चोरी या किसी अनहोनी से बचने के लिए सोते हुए भी जागना पड़ रहा है। स्थानीय जागरूक नागरिकों और नेताओं ने इस गंभीर समस्या के बारे में ग्राम पंचायत से लेकर तालुका लेवल तक कई बार लिखकर और बोलकर अपनी बात रखी है। लेकिन, जिम्मेदार प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है और अधिकारी सिर्फ भरोसा देकर संतुष्ट हो रहे हैं।



हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पंशेरिया ने गांधीनगर सिविल का दौरा किया: डेंगू से पीड़ित जवानों की सेहत के बारे में पूछा और इलाज का रिव्यू किया

छोटा उदयपुर। पूरे राज्य की दूसरी खबरों के साथ-साथ, गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल से एक बहुत ही ज़रूरी और सेंसिटिव रिपोर्ट सामने आई है। केवडिया में स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर आयोजित परेड प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से गुजरात आए सिक्योरिटी फोर्स के जवान अचानक बीमार पड़ गए हैं। ओडिशा, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से आए BSF, CRPF और ITBP के करीब 87 जवानों को बुखार और दूसरी शारीरिक परेशानी की शिकायत के बाद तुरंत इलाज के लिए गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए, गुजरात राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पंशेरिया ने तुरंत गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल का दौरा किया। मिनिस्टर ने हॉस्पिटल में भर्ती सभी जवानों की सेहत के बारे में पूछकर उनका हौसला बढ़ाया। डॉक्टरों के अच्छे इलाज और सही देखभाल की वजह से जवानों की सेहत में तेज़ी से सुधार हुआ है, जिसके चलते पिछले 10 दिनों में भर्ती हुए कुल 87 जवानों में से 50 पूरी तरह ठीक हो गए हैं और उन्हें हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई है। जबकि बाकी 37 जवानों का अभी सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है और सभी की हालत स्थिर है जब जवान ठीक हो रहे थे, इसी दौरान गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल में इलाज करा रहे सिक्योरिटी फोर्स के एक जवान की अचानक दुखद मौत की खबर से पूरे सिस्टम में दुख की लहर दौड़ गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा दुख जताते हुए हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे एक बहादुर जवान को खोना हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है और राज्य सरकार दुखी परिवार के दुख में पूरी तरह से शामिल है। शुरुआती जानकारी देते हुए मिनिस्टर ने कहा कि शुरू में सभी जवानों की हालत नॉर्मल थी, लेकिन एक जवान ने अचानक सीने में असहनीय दर्द की शिकायत की। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत श्वष्टत समेत कार्डियक जांच की और जवान को ढ्ढष्ट में शिफ्ट कर दिया, लेकिन पूरी कोशिश के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों की शुरुआती जांच के मुताबिक, बुखार और तकलीफ के बावजूद जवान अपनी रोज़ाना की भारी एक्सरसाइज या वर्कआउट जारी रखे हुए था. हेल्थ डिपार्टमेंट की एक स्पेशल टीम 24/7 लगातार मॉनिटरिंग करके सैनिकों की हेल्थ की पूरी सुरक्षा पक्की कर रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में सुरक्षाकर्मियों के रहने की जगहों पर भी खास ध्यान रखा जा रहा है। जहां सैनिक रह रहे हैं, वहां मच्छरों के प्रकोप को कंट्रोल करने के लिए दिन में दो बार फॉगिंग और

दयाराम स्कूल के पास लाखों की लागत से बना म्युनिसिपल गार्डन अब खस्ताहाल हो चुका है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। म्युनिसिपैलिटी ने शहरवासियों और खासकर मासूम बच्चों के मनोरंजन के लिए लाखों रुपये की लागत से दयाराम स्कूल के पास एक आकर्षक गार्डन तैयार किया था। लोगों के पसीने और टैक्स के पैसे से बना यह गार्डन शुरुआती दिनों में लोगों के आकर्षण का केंद्र बना था। लेकिन, म्युनिसिपल प्रशासन की बड़ी लापरवाही और रेगुलर देखभाल के अभाव में यह गार्डन आज बहुत ही दयनीय, ??खस्ताहाल और बर्बाद हालत में बदल गया है। विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाली म्युनिसिपैलिटी की पोल इस गार्डन की खस्ता हालत खोल रही है। गार्डन के अंदर की असल हालत बेहद चिंताजनक है। बच्चों के मनोरंजन और खेलकूद के लिए लगाए गए झूले, स्लाइड और दूसरे एक्सरसाइज के सामान देखरेख के अभाव में टूटकर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो चुके हैं। ये सामान इतने खतरनाक हो गए हैं कि अगर कोई बच्चा इन पर खेलने चला जाए तो गंभीर हादसा होने का पूरा डर बना रहता है। पूरे गार्डन एरिया में लंबे समय से सफाई न होने की वजह से, हर तरफ कूड़े के ढेर, गंदगी का साम्राज्य और बड़ी-बड़ी कांटेदार झाड़ियां उग आई हैं। इस लापरवाही की वजह से, स्थानीय निवासियों को पक्का शक है कि गार्डन अब खेल का मैदान बनकर असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा है। झाड़ियों और गंदगी की वजह से सांप, बिच्छू और दूसरे ज़हरीले कीड़ों का आतंक भी बहुत बढ़ गया है, जिससे आसपास के निवासियों और बच्चों के लिए इस एरिया में घूमना या जाना जानलेवा साबित हो सकता है।



छोटा उदेपुर में रेत ट्रैक्टर का बेपरवाह खेलछोटा उदेपुर में रेत ट्रैक्टर का बेपरवाह खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पविजेतपुर। छोटा उदेपुर जिले के पविजेतपुर तालुका में प्रतापनगर स्टैंड के पास एक बहुत ही चौंकाने वाली और हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जिसने अच्छे-अच्छों की सांसें रोक दी हैं। रेत से भरा एक बेपरवाह और बेकाबू ट्रैक्टर पूरी स्पीड से दौड़ा और सड़क किनारे एक बड़े पेड़ से टकरा गया। हादसा इतना भयानक और अजीब था कि ट्रैक्टर का अगला हिस्सा सीधे पेड़ पर चढ़ गया और आधी गाड़ी हवा में लटकी हुई दिखी। यह अनोखा और खतरनाक नजारा देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और सभी के चेहरों पर बस एक ही चर्चा थी कि यह कोई असली हादसा है या किसी हॉलीवुड फिल्म का स्टंट सीन।

रेत माफिया का आतंक और बेपरवाह ट्रांसपोर्टेशन

इस घटना से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है और सबसे बड़ा सवाल यह उठ खड़ा हुआ है कि छोटा उदेपुर जिले में रेत माफिया और रेत से बेपरवाही से दौड़ रहे ओवरलोडेड ट्रैक्टरों का आतंक आखिर कब रुकेगा? ट्रैक्टर ड्राइवर ट्रैफिक के सारे नियम पूरी तरह भूल चुके हैं



और इंसानी जान की परवाह किए बिना पूरी स्पीड में गाड़ियां चला रहे हैं। प्रतापनगर की इस घटना ने साफ कर दिया है कि सड़कों पर आम लोगों की सुरक्षा दांव पर लगी है।

माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की लापरवाही और शक भरी चुप्पी

इस पूरे मामले में माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के काम करने के तरीके पर बहुत गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्या ये डिपार्टमेंट सिर्फ कागजों पर कानून लागू कर रहे हैं या गैर-कानूनी रेत ट्रांसपोर्टेशन पर आंखें मूंदे हुए हैं? क्या सड़क पर दौड़ रहे इन ओवरलोडेड और खतरनाक वाहनों को रोकने के लिए कोई चेकिंग नहीं की जा रही है? एडमिनिस्ट्रेशन की इसी नींद और लापरवाही भरी पॉलिसी की वजह से आज ड्राइवर सड़क पर बेगुनाह लोगों की जान जोखिम में डालकर लापरवाही कर रहे हैं। अब सबसे बड़ा और अहम सवाल यह है कि क्या माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले की निष्पक्ष और गहरी जांच करेगा या यह घटना भी हमेशा की तरह कागजी फाइलों में ही दबकर रह जाएगी? इसे ही सच में दीये तले अंधेरा कहते हैं, जहाँ प्रशासन की नाक के नीचे नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं और अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं। अगर इस मामले में तुरंत सख्त एक्शन नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

जनता की ज़ोरदार मांग: तुरंत कानूनी कार्रवाई ज़रूरी

जनता और स्थानीय नागरिकों की बस यही साफ़ मांग है कि इस प्रतापनगर हादसे की पूरी जाँच हो, हादसे के असली कारण सामने आएं और अगर किसी ने नियमों का उल्लंघन या लापरवाही साबित की है, तो सभी जिम्मेदार लोगों पर कानून का कड़ा शिकंजा कसा जाए। अगर जल्द से जल्द सख्त एक्शन नहीं लिया गया, तो जनता गुस्से में प्रदर्शन करने को मजबूर होगी।

दाहोद म्युनिसिपैलिटी में पानी की गड़बड़ियों पर कांग्रेस हमलावर: चेयरमैन पर मनमानी के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। गुजरात भर में म्युनिसिपैलिटी और लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट इंस्टीट्यूशन में पब्लिक फैसिलिटी को ठीक किया जा रहा है, वहीं दाहोद शहर में पीने के पानी की अनियमित और खराब हालत को लेकर लोकल पॉलिटिक्स काफी गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी अब सत्ताधारी म्युनिसिपैलिटी के खिलाफ हमलावर हो गई है, जो दाहोद म्युनिसिपैलिटी के ज़रिए लोगों को रेगुलर और सही प्रेशर से पीने का पानी देने में नाकाम रही है। म्युनिसिपैलिटी के अधिकारियों और खासकर चेयरमैन पर मनमानी करने और लोगों की समस्याओं को नज़रअंदाज़ करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, दाहोद शहर में पीने के पानी का डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम पिछले कुछ सालों से पूरी तरह से खराब हो गया है। शहरी इलाकों में पानी कब आएगा और कब जाएगा, इसका कोई तय समय नहीं है। बिना प्रेशर के पानी और अनियमित सप्लाई के कारण आम जनता, महिलाओं और मजदूर वर्ग को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। त्योहारों या आम दिनों में भी लोगों को पानी जैसी बुनियादी ज़रूरतों के लिए जूझना पड़ता है, लेकिन नगर पालिका सिस्टम के पेट का पानी नहीं हिलता।



'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, अगर कोई नाजायज है तो राहुल गांधी इस्तीफा दें': केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सूरत में लालघूम,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर में एक प्रोग्राम के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अपने अग्रेसिव और अग्रेसिव अंदाज में विपक्ष पर हमला करते दिखे। चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे कांग्रेस और विपक्षी नेताओं पर हमला बोलते हुए गिरिराज सिंह ने साफ शब्दों में कहा, 'ज्ञानेश कुमार किसी भी हालत में इस्तीफा नहीं देंगे, अगर कोई नाजायज है तो राहुल गांधी इस्तीफा दें!' उनके इस बयान से राजनीति में भारी हलचल मच गई है। देश में चुनावी प्रक्रिया और इलेक्शन कमीशन की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्षी नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां अपनी हार और राजनीतिक नाकामी छिपाने के लिए लगातार संवैधानिक संस्थाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को खारिज करते हुए उन्होंने चुटकी ली कि विपक्ष का काम सिर्फ रूलिंग पार्टी या सिस्टम को बदनाम करना रह गया है सूरत में इंडस्ट्रीज़ और वर्कर्स के मुद्दों पर बोलते हुए गिरिराज सिंह ने वर्कर्स की वीकली छुट्टी और काम के घंटों के मुद्दे पर अहम बयान दिया। उन्होंने साफ कहा, 'मालिक और वर्कर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।'

अहमदाबाद में प्राइवेट जासूसों की डिमांड में रिकॉर्ड तोड़ उछाल, कोई अपनी पत्नियों पर तो कोई अपनी बेटियों पर रख रहा नज़र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के कल्चरल शहर अहमदाबाद में, जो अपनी गरबा घेली और रंगीन रातों के लिए जाना जाता है, जैसे-जैसे नवरात्रि का बड़ा त्योहार पास आ रहा है, एक हैरान करने वाला और विवादित ट्रेंड सामने आया है। शहर में प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों और डिटेक्टिव सर्विसेज़ की डिमांड में अचानक और भारी उछाल देखा जा रहा है। त्योहार के माहौल में, जहाँ एक तरफ युवा गरबा की धुन पर नाचने के लिए बेताब हैं, वहीं दूसरी तरफ परिवार वालों की बढ़ती चिंताओं ने सीक्रेट नज़र रखने वाले जासूसों की डिमांड बढ़ा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, नवरात्रि के नौ दिनों में देर रात तक चलने वाले गरबा और मस्ती भरी एक्टिविटीज़ के माहौल ने कई परिवारों में अविश्वास का माहौल बना दिया है। अहमदाबाद के हाई-प्रोफाइल और मिडिल-क्लास इलाकों से भी प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों से कॉन्टैक्ट करने वालों की लाइनें लगनी शुरू हो गई हैं। कुछ शादीशुदा मर्द अपनी पत्नियों की एक्टिविटीज़ पर नज़र रखने के लिए प्राइवेट डिटेक्टिव हायर कर रहे हैं। नवरात्रि के बहाने उनकी पत्नियाँ कहाँ जाती हैं, किससे मिलती हैं और देर रात कहाँ समय बिताती हैं, इसकी मिनट-दर-मिनट जानकारी लेने के लिए एडवांस पेमेंट देकर उनकी जासूसी की जा रही है। माता-पिता भी अपनी जवान बेटियों को लेकर परेशान हैं। सिर्फ़ पत्नियाँ ही नहीं, बल्कि परेशान माता-पिता भी अपनी कॉलेज जाने वाली या जवान बेटियों के लिए प्राइवेट डिटेक्टिव की मदद ले रहे हैं। आज के मॉडर्न ज़माने में सोशल मीडिया के ज़रिए बढ़ती दोस्ती और उनकी बेटियों की सिक्योरिटी और चिंता की वजह से कि वे किस कंपनी में रहती हैं, किसके साथ घूमती हैं और नवरात्रि के गरबा ग्राउंड में अपना समय कहाँ बिताती हैं, माता-पिता प्राइवेट डिटेक्टिव की मदद से सीक्रेट नज़र रख रहे हैं। एजेंसियों को उनकी बेटियों से छिपकर उनकी हर हरकत पर नज़र रखने के लिए भारी फ़ीस दी जा रही है।

अहमदाबाद में प्राइवेट जासूसों की डिमांड में रिकॉर्ड तोड़ उछाल, कोई अपनी पत्नियों पर तो कोई अपनी बेटियों पर रख रहा नज़र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के कल्चरल शहर अहमदाबाद में, जो अपनी गरबा घेली और रंगीन रातों के लिए जाना जाता है, जैसे-जैसे नवरात्रि का बड़ा त्योहार पास आ रहा है, एक हैरान करने वाला और विवादित ट्रेंड सामने आया है। शहर में प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों और डिटेक्टिव सर्विसेज़ की डिमांड में अचानक और भारी उछाल देखा जा रहा है। त्योहार के माहौल में, जहाँ एक तरफ युवा गरबा की धुन पर नाचने के लिए बेताब हैं, वहीं दूसरी तरफ परिवार वालों की बढ़ती चिंताओं ने सीक्रेट नज़र रखने वाले जासूसों की डिमांड बढ़ा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, नवरात्रि के नौ दिनों में देर रात तक चलने वाले गरबा और मस्ती भरी एक्टिविटीज़ के माहौल ने कई परिवारों में अविश्वास का माहौल बना दिया है। अहमदाबाद के हाई-प्रोफाइल और मिडिल-क्लास इलाकों से भी प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों से कॉन्टैक्ट करने वालों की लाइनें लगनी शुरू हो गई हैं। कुछ शादीशुदा मर्द अपनी पत्नियों की एक्टिविटीज़ पर नज़र रखने के लिए प्राइवेट डिटेक्टिव हायर कर रहे हैं। नवरात्रि के बहाने उनकी पत्नियाँ कहाँ जाती हैं, किससे मिलती हैं और देर रात कहाँ समय बिताती हैं, इसकी मिनट-दर-मिनट जानकारी लेने के लिए एडवांस पेमेंट देकर उनकी जासूसी की जा रही है। माता-पिता भी अपनी जवान बेटियों को लेकर परेशान हैं। सिर्फ़ पत्नियाँ ही नहीं, बल्कि परेशान माता-पिता भी अपनी कॉलेज जाने वाली या जवान बेटियों के लिए प्राइवेट डिटेक्टिव की मदद ले रहे हैं। आज के मॉडर्न ज़माने में सोशल मीडिया के ज़रिए बढ़ती दोस्ती और उनकी बेटियों की सिक्योरिटी और चिंता की वजह से कि वे किस कंपनी में रहती हैं, किसके साथ घूमती हैं और नवरात्रि के गरबा ग्राउंड में अपना समय कहाँ बिताती हैं, माता-पिता प्राइवेट डिटेक्टिव की मदद से सीक्रेट नज़र रख रहे हैं। एजेंसियों को उनकी बेटियों से छिपकर उनकी हर हरकत पर नज़र रखने के लिए भारी फ़ीस दी जा रही है। अगर प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों की मानें तो आम दिनों के मुकाबले नवरात्रि के समय ऐसे मामलों में 40 से 50 परसेंट की भारी बढ़ोतरी होती है।





नई TP रोड में रुकावट डाल रही 50 झोपड़ियों पर बुलडोजर चला,

नगर निगम और स्थानीय लोगों के बीच झड़प!

अंबावाड़ी में AMC की बड़ी तोड़फोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में दबाव कम करने के लिए नगर निगम ने रेड आई ली है। प्रशासन ने शहर के पॉश अंबावाड़ी इलाके में नई TP रोड के काम में रुकावट डाल रहे अवैध स्ट्रक्चर और झोपड़ियों के खिलाफ बड़ी तोड़फोड़ की कार्रवाई की है। भूदरपुरा इलाके के पास पुलिस के काफिले से अचानक टकराए निगम के बुलडोजर ने करीब 50 कच्ची झोपड़ियों को जमींदोज कर दिया, जिससे हंगामा मच गया।

TP रोड को लागू करने के लिए प्रशासन की सख्त कार्रवाई

मिली जानकारी के मुताबिक, अंबावाड़ी इलाके में नए डेवलपमेंट प्लान और टाउन प्लानिंग रोड में सालों से रुकावट डाल रहे दबावों को हटाने के लिए AMC की एस्टेट और प्रेशर डिपार्टमेंट की टीम सुबह ही पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गई थी। भूदरपुरा के पास इन गैर-कानूनी झोपड़ियों की वजह से ट्रैफिक और सड़क बनाने का काम रुक गया था, जिसकी वजह से एडमिनिस्ट्रेशन ने यह सख्त कदम उठाया है। JCB और बुलडोजर से एक के बाद एक करीब पचास झोपड़ियों को गिरा दिया गया।

नगरपालिका और लोकल लोगों के बीच तीखी झड़प और विरोध

अचानक हुई इस तोड़-फोड़ की कार्रवाई से गरीब लोगों में बहुत गुस्सा और परेशानी थी। लोकल लोग और औरतें अपनी ज़मीन की बर्बादी से गुस्से में थे और उन्होंने नगरपालिका की इस कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। घर का सामान अचानक हटाए जाने और लोगों को अचानक हटाए जाने की वजह से लोकल लोगों और नगरपालिका कर्मचारियों/पुलिस के बीच तीखी बहस और हाथापाई हुई। लोगों का आरोप है कि बिना कोई दूसरा इंतज़ाम किए अचानक बुलडोजर चलाने से हज़ारों लोग कड़ाके की ठंड में



खुले में रहने को मजबूर हो गए हैं। डेवलपमेंट के नाम पर गरीबों पर सिस्टम की मार? एक तरफ शहर में स्मार्ट सड़कें और ट्रैफिक-फ्री सड़कें बनाने के लिए सख्त रवैया अपना रही है, वहीं दूसरी तरफ गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों पर अचानक बुलडोजर की बारिश से इंसानियत पर भी सवाल उठ रहे हैं। भारी पुलिस तैनाती के बीच किए गए इस तोड़-फोड़ के ऑपरेशन से कुछ देर के लिए अंबावाड़ी इलाके में काफी उत्तेजना और तनाव पैदा हो गया।

कुजाड़ के पास एक युवक को जबरन रिक्शे में बिठाकर पीटने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाइ

महान गर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में जहां असामाजिक तत्वों और अपराधियों द्वारा कानून हाथ में लेने की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं, वहीं पुलिस सिस्टम भी अब ऐसे तत्वों पर सख्ती कर रहा है। हाल ही में अहमदाबाद के ओधव इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाला और हैरान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक युवक को कुछ लोग बेरहमी से पीट रहे थे। इस मामले में ओधव ??पुलिस ने एक्टिव होकर वायरल वीडियो के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की है मिली जानकारी के मुताबिक, ओधव इलाके में कुजाड़ के पास कुछ असामाजिक तत्वों ने दुश्मनी या किसी और वजह से एक युवक को जबरन रिक्शे में बिठा लिया था। फिर, चलते रिक्शे में और सुनसान जगह पर युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस आपराधिक कृत्य को अंजाम देते समय अपराधियों को कानून या पुलिस का कोई डर नहीं था। किसी ने इस अमानवीय अत्याचार का वीडियो मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जिसके बाद यह जंगल में आग की तरह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, सीनियर पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। ओधव पुलिस स्टेशन की टीम ने तुरंत टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर जांच शुरू कर दी। वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान करने के बाद पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है और युवक की पिटाई करने वाले मुख्य लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। शहर में कानून हाथ में लेकर सरेआम बदमाशी करने वाले ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस की इस लाल आंख से अपराधियों में गुस्सा फैल गया है। ओधव पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

ध्वनि प्रदूषण एवं डीजे की तेज आवाज पर रोक लगाने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट मध्यप्रदेश की ओर से ध्वनि प्रदूषण तथा डीजे की अत्यधिक तेज आवाज पर नियंत्रण लगाने की मांग को लेकर आज कलेक्ट्रेट जबलपुर में डिप्टी कलेक्टर को पत्र सौंपा गया। इस दौरान ट्रस्ट की मध्यप्रदेश प्रदेश सचिव श्रीमती अनीता दुबे के नेतृत्व में उपस्थित सदस्यों ने तेज ध्वनि से आम नागरिकों के स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं जनजीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।ह पत्र के माध्यम से मांग की गई कि विशेष रूप से दुर्गा उत्सव के दौरान विभिन्न समितियों द्वारा डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित ध्वनि-सीमा और प्रशासनिक नियमों के अनुरूप किया जाए। अत्यधिक तेज आवाज से बच्चों, बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों तथा हृदय रोग से पीड़ित लोगों को परेशानी हो सकती है। तेज ध्वनि के कारण तनाव, नींद में बाधा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए उत्सवों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा बनाए रखते हुए ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ आम नागरिकों के स्वास्थ्य, शांति और अधिकारों की भी रक्षा हो सके।



BJP नेताओं के खजाने भरे, जनता गड्ढे वाली सड़कों और करप्शन की आग में जली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में डेवलपमेंट के बड़े-बड़े वादे करके सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने वाली भारतीय जनता पार्टी की असलियत अब जनता के सामने आ गई है। राजधानी गांधीनगर और उसके आस-पास के इलाकों में जिस 'डेवलपमेंट मॉडल' का दावा किया जा रहा है, उसकी असलियत बिल्कुल उलटी है। हाल ही में एक बड़े आदिवासी नेता ने गांधीनगर के इस कथित डेवलपमेंट मॉडल और करप्शन के मामलों की काली सच्चाई सामने लाई है और सरकार पर हमला बोला है। अपना गुस्सा जाहिर करते हुए इस आदिवासी नेता ने कहा कि चुनावों में लोगों को गुमराह करके और डेवलपमेंट के झूठे वादे करके सत्ता हासिल की गई। लेकिन सत्ता मिलने के बाद असली खेल शुरू हुआ। गांधीनगर और आस-पास के इलाकों में अगर कोई डेवलपमेंट हुआ है, तो वो सिर्फ BJP नेताओं का हुआ है! नेताओं की दौलत करोड़ों रुपये बढ़ी है, करोड़ों के लैंड डील हुए हैं और सरकारी खजाने की कीमत पर करप्शन चरम पर पहुंच गया है। आम लोग आज भी बेसिक सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं, जबकि BJP के नेता बड़ी-बड़ी लग्ज़री गाड़ियों में घूम रहे हैं। राजधानी और उसके आस-पास के इलाकों की असली हालत ऐसी है कि करोड़ों रुपये के विकास के नाम पर सिर्फ़ कागज़ों पर काम हुए हैं, जबकि ज़मीन पर सिर्फ़ भ्रष्टाचार के कचरे के ढेर दिखते हैं। इलाके की सड़कों पर विकास के दावे खोखले साबित हुए हैं और हर तरफ़ बड़े-बड़े हो गए हैं। गाड़ी चलाने वाले और पैदल चलने वाले इन में गिरकर अपनी हड्डियां तुड़वाने को मजबूर हैं।

ब्लैकमेलिंग के आरोप में आरोपी आदित्य अग्रवाल गिरफ्तार पति को फोटो भेजने की धमकी देकर ऐंठे थे 1 लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगढ़ / राजनांदगांव। थाना डोंगरगढ़ पुलिस ने एक महिला को दस्तावेज देने के बहाने कार में अगवा कर बेहोशी की हालत में दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल कर लगभग एक लाख रुपये वसूलने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने थाना डोंगरगढ़ में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 दिसंबर 2025 को आरोपी आदित्य अग्रवाल ने कुछ दस्तावेज छोड़ने के बहाने उसे ऑफिस के बाहर बुलाया और अपनी कार में बैठाकर ले गया। रास्ते में आरोपी ने उसे 'स्लाइस' पिलाई, जिससे उसे चक्कर आने लगे। इसके बाद आरोपी उसे डोंगरगढ़ मंदिर के पास एक मकान के कमरे में ले गया और उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरन शारीरिक संबंध बनाए। शाम को आरोपी ने उसे उसके घर के पास छोड़ दिया। 01 जनवरी 2026 को आरोपी फिर से पीड़िता के ऑफिस पहुंचा और घूमने चलने का दबाव बनाया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विवेचना के दौरान आरोपी आदित्य अग्रवाल, पिता मनीष अग्रवाल (निवासी - कुम्हार पारा, वार्ड नंबर 09, इतवारी बाजार, खैरागढ़, जिला केसीजी) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में अपराध

अहमदाबाद में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवालः पूर्वी इलाके में सरेआम लड़की पर तलवार से जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है और पुलिस के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। शहर के पूर्वी इलाके रामोल इलाके में सरेआम असामाजिक तत्वों की बदमाशी इस हद तक बढ़ गई है कि अब बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा खतरे में है। 1 अक्टूबर को रामोल इलाके में एक पब्लिक रोड पर हुई बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना का CCTV फुटेज सामने आया है, जिससे पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 1 अक्टूबर की रात रामोल इलाके में एक लड़की पब्लिक रोड पर खड़ी थी और उसके साथ एक युवक भी मौजूद था। इसी दौरान दो अनजान लोग एक्टिवा पर पूरी स्पीड से आए और बिना किसी डर के हाथों में खुली तलवारें लिए उस पर सीधा हमला कर दिया। इस अचानक और जानलेवा हमले में बेकाबू आदमियों की तलवार सड़क पर खड़ी लड़की के मुंह और चेहरे पर लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इस हमले में लड़की के साथ मौजूद युवक को भी निशाना बनाया गया। जब ऐसे उपद्रवी तत्वों के खुलेआम हाथों में तलवारें लेकर आतंक के दृश्य CCTV कैमरों में कैद हुए, जैसे पुलिस और कानून का कोई डर ही न हो, तो लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। खासकर आने वाले दिनों में, जब नवरात्रि का महापर्व आ रहा है, अगर गुजरात के सांस्कृतिक शहर माने जाने वाले अहमदाबाद में रात के समय सरेआम बेटियों पर ऐसे जानलेवा हथियारों से हमला किया जा रहा है, तो यह स्वाभाविक है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बहुत बड़े सवाल उठेंगे।एक तरफ पुलिस पेट्रोलिंग और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ पूर्वी इलाके में असामाजिक तत्व कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं। शहर में बढ़ते क्राइम रेट के बीच आम लोगों और माता-पिता को लगातार यह चिंता सता रही है कि अगर उनकी बेटियां घर से बाहर निकलेंगी, तो क्या उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी होगी? यह एक बड़ा सवाल बन गया है कि पुलिस सिस्टम ऐसे असामाजिक और आपराधिक तत्वों पर कब लगाम कसेगा जो खुलेआम तलवारें लहराते हैं और जानलेवा हमले करते हैं और उनमें कानून का डर कब पैदा करेगा।



साईबर क्राईम, डिजिटल अरेस्ट एवं साईबर सुरक्षा, ठगी गई राशि की वसूली के संबंध में प्रशिक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विजय कुमार होता के मार्गदर्शन में साईबर काईम पीड़ित सहायता एवं ठगी गई रकम की वापसी योजना-2026 के परिपेक्ष्य में साईबर सेल, राजनांदगांव के समन्वय से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यरत पैरालीगल वालिन्टियर्स हेतु साईबर काईम, डिजिटल अरेस्ट एवं साईबर सुरक्षा, ठगी गई राशि की वसूली विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में रिसोर्स पर्सन के रूप में साईबर सेल राजनांदगांव के सहायक उपनिरीक्षक श्री द्वारिका प्रसाद लाउत्रे उपस्थित रहे। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पैरालीगल वॉलिन्टियर्स के अतिरिक्त, लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम राजनांदगांव के कर्मचारी व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे। र्यक्रम के प्रारंभ में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा रिसोर्स पर्सन श्री द्वारिका प्रसाद लाउत्रे को स्मृति चिन्ह स्वरूप पौधा भेंट किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री लाउत्रे द्वारा पैरालीगल वालिन्टियर्स एवं उपस्थित अन्य कर्मचारियों को साईबर काईम व वर्तमान में साईबर ठगों द्वारा प्रयोग की जा रही तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि आजकल साईबर ठगों द्वारा नित नवीन तरीकों के माध्यम से लोगों को अपनी बातो में उलझाकर उनके खातों से मोटी रकम हथिया ली जाती है। तत्संबंध में यह भी जानकारी दी गई कि अपने मोबाईल फोन में किसी भी अनजाने व संदेहास्पद नंबर से आने वाले कॉल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिये तथा व्हाट्सऐप के माध्यम से आने वाले अनजान नंबर के विडियो अथवा ऑडियो कॉल पर भी कोई प्रतिकिया नहीं देनी चाहिये।



दिल्ली जल रही है, फिर भी सत्ता के नशे में चूर सरकार कह रही है - 'हमें कोई परवाह नहीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीफ इलेक्शन कमिश्नरज्ञानेश कुमार के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बड़े तूफान को रोकने के लिए पूरी राजधानी दिल्ली को एक बड़े कैंप और जेल में बदल दिया है। एक तरफ सोशल मीडिया पर सरकार के सपोर्टर दावा कर रहे हैं कि सरकार को लोगों के विरोध या प्रदर्शन की कोई परवाह नहीं है, वहीं दूसरी तरफ हकीकत यह है कि सरकार के पेट में इतना डर ?बैठ गया है किदल्ली को अंदर से पूरी तरह सील कर दिया गया है। अगर सरकार को सच में कोई परवाह नहीं थी, तो इतना डर क्यों? दिल्ली के बॉर्डर से लेकर सड़कों तक सिक्योरिटी फोर्स और पुलिस क्यों तैनात करनी पड़ी? दिल्ली में जंतर-मंतर पर होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सरकार ने जो अफरा-तफरी मचाई है, उसने डेमोक्रेसी के झंडे गाड़ दिए हैं। सरकार ने दिल्ली में लोगों की आवाज दबाने के लिए सभी डेमोक्रेटिक पाबंदियां लगा दी हैं। हालात ऐसे हैं कि दिल्ली आने वाली ट्रेनें कैंसिल कर दी गई हैं, मेट्रो स्टेशनों के दरवाज़े बंद कर दिए गए हैं और स्टेशनों को सील कर दिया गया है, और मेन सड़कों पर लोहे के बैरिकेड लगाकर रास्ते ब्लॉक कर दिए गए हैं। शहर के बॉर्डर पर कड़ी निगरानी और इंटेंसिव चेकिंग चल रही है। सिर्फ़ ट्रैफ़िक ही नहीं, बल्कि सिक्योरिटी के नाम पर दिल्ली के होटलों की भी बिना सोचे-समझे चेकिंग हो रही है और आस-पास के इलाकों में कड़ी पाबंदियां लगा दी गई हैं। जैसे यह काफ़ी नहीं है, डेमोक्रेसी के विरोध की आवाज़ को कुचलने के लिए, पूरे देश से विरोध करने आ रहे युवा नेताओं, एक्टिविस्ट और पॉलिटिकल लीडर्स को हिरासत में लिया जा रहा है। मुंबई, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान समेत कई राज्यों में हज़ारों वॉलंटियर्स और विपक्षी नेताओं को पुलिस ने पहले ही गिरफ़्तार कर लिया है या उन्हें नज़रबंद कर दिया है। हालांकि, अंधविश्वासी लोग दोहरा रहे हैं कि सरकार इन विरोधों से बेपरवाह है।



सिरोही में खेत में गांजे की अवैध खेती पकड़ी, 530 पौधे बरामद; दूसरे खेत से विस्फोटक जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए गांजे की अवैध खेती का खुलासा किया है, वहीं दूसरे खेत से विस्फोटक सामग्री भी जब्त की है। रोहिड़ा थाना क्षेत्र में मक्का और अरंडी की फसल के बीच गांजे के 530 हरे पौधे मिले, जिनका कुल वजन 31 किलो 190 ग्राम बताया गया है। दूसरी कार्रवाई में खेत से कोडेक वायर, डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव ट्यूब बरामद किए गए। दोनों मामलों में पुलिस ने एक-एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।



पुलिस अधीक्षक अजय सिंह राठौड़ के अनुसार, सूचना के आधार पर रोहिड़ा थाना क्षेत्र के एक खेत में जांच की गई। यहां मक्का और अरंडी की खेती के बीच गांजे के पौधे उगाए जा रहे थे। पुलिस ने मौके से गांजे के 530 हरे पौधे बरामद किए। इनका कुल वजन 31 किलो 190 ग्राम पाया गया। कार्रवाई के दौरान खेत मालिक को गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थों से संबंधित मामला दर्ज किया गया है। इसी अभियान के दौरान पुलिस को अरोड़ा थाना क्षेत्र के बिजली फली तकिया स्थित एक खेत से विस्फोटक सामग्री मिलने की जानकारी मिली। तलाशी के दौरान मौके से 9 मीटर कोडेक वायर, 85 डेटोनेटर और 77 एक्सप्लोसिव ट्यूब बरामद किए गए। पुलिस ने सामग्री जब्त कर विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में अर्जुन राम पुत्र भगाराम गमेती भील को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक सामग्री खेत में किस उद्देश्य से रखी गई थी और इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था। पुलिस दोनों मामलों में गिरफ्तार आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ कर रही है।

सरकारी अस्पताल में दवा लेने के लिए बेसमेंट के चक्कर, ओपीडी के पास रेस्टोरेंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। प्रदेश की राजधानी जयपुर स्थित राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज (आरयूएचएस) अस्पताल में दवा वितरण केंद्र की जगह को लेकर मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के ओपीडी के मुख्य ग्राउंड फ्लोर पर जहां नूडल्स, पिज्जा-बर्गर और अन्य खाद्य पदार्थों के लिए रेस्टोरेंट की सुविधा उपलब्ध है, वहीं दवा वितरण केंद्र (डीडीसी) बेसमेंट में बनाया गया है। ऐसे में डॉक्टर से परामर्श लेने और दवा लिखवाने के बाद मरीजों को दवा लेने के लिए नीचे उतरना पड़ता है। इस व्यवस्था से बुजुर्गों, गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को विशेष परेशानी हो रही है। अस्पताल में दवा वितरण केंद्र तक पहुंचने के लिए मरीजों को 20 से अधिक सीढ़ियां उतरनी पड़ती हैं। हालांकि, यहां दो लिफ्ट की सुविधा भी है, लेकिन धीमी गति के कारण मरीजों को लिफ्ट के लिए तीन से चार मिनट तक इंतजार करना पड़ता है। दर्द और कमजोरी से परेशान मरीजों के लिए बार-बार अलग-अलग मंजिलों पर जाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब अस्पताल में मरीजों की सबसे बड़ी जरूरत दवाइयां हैं, तो दवा वितरण केंद्र को ओपीडी के मुख्य तल पर रखने की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। 64 वर्षीय प्रमिला दवा लेने के लिए बेसमेंट पहुंचीं तो उन्होंने अपनी परेशानी साझा की। उन्होंने बताया कि पैरों में दर्द की शिकायत के चलते वह हड्डी रोग विशेषज्ञ को दिखाने अस्पताल आई थीं। डॉक्टर से दवा लिखवाने के बाद जब उन्होंने दवा वितरण केंद्र के बारे में पूछा, तो उन्हें पहली मंजिल पर जाने के लिए कहा गया। वहां पहुंचने पर गार्ड ने उन्हें दो मंजिल नीचे बेसमेंट में जाने की जानकारी दी। इस तरह उन्हें दवा लेने के लिए अलग-अलग मंजिलों के चक्कर लगाने पड़े। पैरों और घुटनों में दर्द से परेशान बुजुर्ग मरीज के लिए यह प्रक्रिया काफी तकलीफदेह रही अस्पताल में मरीजों को देखने वाले कुछ डॉक्टरों और कर्मचारियों का कहना है कि ग्राउंड फ्लोर पर दवा वितरण केंद्र होना बेहद जरूरी है। मरीज अस्पताल में सबसे पहले उपचार, जांच और दवाइयों की सुविधा चाहते हैं। ऐसे में दवा वितरण केंद्र को ओपीडी के नजदीक रखना चाहिए, ताकि मरीजों को अनावश्यक रूप से दूसरी मंजिलों या बेसमेंट में न जाना पड़े। डॉक्टरों और कर्मचारियों ने यह भी सवाल उठाया कि जब ग्राउंड फ्लोर पर कैंटीन और कैफेटेरिया जैसी सुविधाओं के लिए जगह उपलब्ध है, तो मरीजों की जरूरत से जुड़े दवा काउंटर को वहां क्यों नहीं बनाया गया।

दीपावली पर रोशनी से जगमगाएगा माउंट आबू, नक्की झील के चारों ओर लगेंगी नई लाइटें



महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नवरात्र, दशहरा और दीपावली पर्व से पहले पर्यटन नगरी माउंट आबू को सजाने-संवारने और पर्यटकों की सुविधाएं बेहतर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर के सौंदर्यकरण, रोशनी, सफाई व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। दीपावली के दौरान पर्यटकों की संभावित भीड़ को देखते हुए पार्किंग और वन-वे यातायात व्यवस्था विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया बैठक में तय किया गया कि दीपावली पर पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए पोलो ग्राउंड के दोनों ओर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही शहर में वन-वे रूट बनाया जाएगा, ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू रहे और पर्यटकों को जाम जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े। शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए पेट्रोल पंप से नक्की झील तक आकर्षक लाइटें लगाने की योजना बनाई गई है। इससे प्रमुख मार्ग रोशनी से जगमगाएंगे और त्योहारों के दौरान शहर का नजारा और आकर्षक बनेगा। नक्की झील के सौंदर्यकरण को लेकर बीके हरीश को फिर से ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इसके अलावा झील के चारों ओर उदयपुर की फतहसागर झील की तर्ज पर स्ट्रीट लाइटें लगाने का निर्णय लिया गया, जिससे झील क्षेत्र में बेहतर रोशनी और आकर्षक वातावरण विकसित हो सके। बैठक में शहर के विकास से जुड़े अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। पुराने दातड़ा सी वर्ल्ड को तोड़कर वहां नई योजना तैयार की जाएगी। वहीं, विवेकानंद मार्ग का नाम बदलकर विवेकानंद पार्क रखने का निर्णय लिया गया। इन बदलावों का उद्देश्य शहर के प्रमुख स्थलों को बेहतर स्वरूप देना और पर्यटन की दृष्टि से सुविधाओं का विकास करना है। ऽऽऽ सफाई व्यवस्था के लिए बढ़ाए जाएंगे संसाधन त्योहारी सीजन में पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ सफाई व्यवस्था पर भी अतिरिक्त ध्यान दिया जाएगा। नगरपालिका जरूरत पड़ने पर सफाई कार्य के लिए संसाधन ठेके पर भी ले सकेगी, ताकि शहर में स्वच्छता बनाए रखने में किसी तरह की कमी नहीं रहे।

पाली में बंद मकानों के ताले तोड़कर चोरी, मुंबई में बैठे मालिक ने CCTV में देखे चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र के धाकड़ी गांव में गुरुवार रात चोरों ने दो बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दोनों मकानों के ताले तोड़कर अंदर घुसे और सामान लेकर फरार हो गए। वारदात के दौरान मुंबई में बैठे एक मकान मालिक ने ऑनलाइन सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो उन्हें अपने मकान के बाहर संदिग्ध नजर आए। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को फोन कर सूचना दी, लेकिन ग्रामीणों के पहुंचने से पहले ही चोर भाग निकले। सूचना मिलने पर शिवपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, धाकड़ी गांव के जैन मोहल्ले में दो बंद मकानों में चोरी हुई। मुंबई में रह रहे महेंद्र तातेड़ ने ऑनलाइन सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी तो उन्हें अपने मकान के बाहर चोर नजर आए। उन्होंने तत्काल धाकड़ी निवासी कमलेश गोयल सहित अन्य ग्रामीणों को फोन कर घटना की जानकारी दी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक संदिग्ध फरार हो चुके थे। इसके बाद शिवपुरा थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। जिस जैन मोहल्ले में चोरी की वारदात हुई, वहां जैन समाज के भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। गुरुवार रात सीमेंट के कट्टों से भरा एक ट्रैक्टर मोहल्ले में पहुंचा और चोरी वाले मकान के सामने आकर रुका। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर के पहुंचने से चोर घबरा गए और मकान से बाहर निकलकर भागने लगे। वहां मौजूद मजदूर कुछ समझ पाते, उससे पहले ही चोर मौके से फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज में चार संदिग्ध नजर आए हैं। उन्होंने पहचान छिपाने के लिए चादर से अपना शरीर और चेहरा ढक रखा था। फुटेज के अनुसार, संदिग्धों ने पहले एक मकान के ताले तोड़े और वहां चोरी की। इसके बाद वे दोबारा लौटे और दूसरे मकान में भी वारदात को अंजाम देकर भाग गए। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने और उनकी तलाश में जुटी है। दोनों मकानों से कितना सामान चोरी हुआ और कितना नुकसान हुआ, इसका वास्तविक आकलन मकान मालिकों की रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।



जोधपुर में शुक्रवार सुबह असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर की हार्ट अटैक से मौत हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाड़मेर। नेतराड़ गांव निवासी ,स्ढ़ दुर्गाराम भील (50) दो किलोमीटर की दौड़ पूरी कर चुके थे। इसके बाद उन्हें फिजिकल टेस्ट के अन्य चरणों में शामिल होना था। सुबह करीब 8:30 बजे उनके सीने में अचानक दर्द हुआ और तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें पास के चंद्र मंगल हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टर्स ने कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन देने की कोशिश भी की। लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।हैं और दोनों पढ़ाई करते हैं।



फिजिकल टेस्ट में क्या-क्या होता है...

स्ढ़ पद पर प्रमोशन के लिए फिजिकल टेस्ट के तहत अभ्यर्थियों को 2 किमी की दौड़, फिजिकल ट्रेनिंग परेड और वेपन एक्सरसाइज करवाई जाती है। फिर भीड़ कंट्रोल करने का इंडिविजुअल डेमो होता है। रिटन एग्जाम और फिजिकल के मार्क्स के आधार पर इंटरव्यू कॉल आता है। इस दौरान अभ्यर्थी की सर्विस हिस्ट्री भी देखी जाती है। इन सभी के आधार पर फाइनल मार्क्स जारी होते हैं। ता दें कि RPTC में एसआई पद पर प्रमोशन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की जा रही थी।नाइट ड्यूटी कर सोए.स्ढ़ की हार्ट अटैक से मौत 30 सितंबर को ब्यावर के साकेत नगर थाने में पोस्टेड एएसआई डगराराम (56) की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। वे नाइट ड्यूटी खत्म कर अपने कमरे में सोए थे। सुबह बाहर नहीं आए तो साथी पुलिसकर्मी ने जगाने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्हें तुरंत अमृतकौर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्तप्तप्त प्रमोशन की दौड़ के बाद जिंदगी की जंग हारे ASI

जोधपुर में एसआई प्रमोशन के लिए दो किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के बाद एएसआई दुर्गाराम भील की तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। 50 वर्षीय दुर्गाराम बाड़मेर के नेतराड़ गांव के निवासी थे

जालोर और बागरा को मिली नई 108 एंबुलेंस, मरीजों को समय पर मिलेगी चिकित्सा सुविधा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जालोर-जोधपुर हाईवे पर भाद्राजून के पास शुक्रवार को ग्रेनाइट ब्लॉक से भरे ट्रोले से एक भारी ब्लॉक सड़क पर गिर गया। हाईवे के बीच ब्लॉक गिरने से हादसे का खतरा पैदा हो गया। गनीमत रही कि जिस समय ब्लॉक सड़क पर गिरा, उस दौरान वहां से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, ग्रेनाइट ब्लॉक से भरा ट्रोला जोधपुर से जालोर की ओर आ रहा था। इसी दौरान भाद्राजून के पास ट्रोले से एक ब्लॉक सड़क पर गिर गया। भारी ब्लॉक सड़क पर गिरने के बाद काफी देर तक वहीं पड़ा रहा, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका बनी रही। सड़क पर ब्लॉक पड़े होने की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने उसे हटाने की व्यवस्था की। इसके लिए दो क्रेन और एक जेसीबी की मदद ली गई। काफी मशक्कत के बाद ब्लॉक को सड़क से हटवाया गया। घटना ने हाईवे पर भारी ग्रेनाइट ब्लॉक ले जाने वाले वाहनों में सुरक्षित परिवहन और लोड की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की जरूरत को भी उजागर किया।

जालोर में एजेंसी पर मिली 250 लीटर से अधिक एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक्स नष्ट करवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई की गई। 'सही खानपान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान के तहत विभागीय टीम ने शहर के राजेंद्र नगर स्थित कविता एजेंसी का निरीक्षण किया। इस दौरान 250 लीटर से अधिक अवधिपार कोल्ड ड्रिंक्स मिलने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया,



ताकि इनकी बिक्री और उपयोग नहीं हो सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार मीना ने टीम के साथ खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कविता एजेंसी पर अवधिपार कोल्ड ड्रिंक्स मिलीं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि 250 लीटर से अधिक पेय पदार्थों को मौके पर ही नष्ट करवाया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवधिपार पेय पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाना और इनके सेवन से आमजन के स्वास्थ्य को होने वाले संभावित नुकसान से बचाना है। कार्रवाई के दौरान फर्म संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिष्ठान में उपलब्ध खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता और उनकी वैधता की नियमित जांच करने तथा परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए पाबंद किया गया।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की शिकायत, 90 नंबर भेजकर सीनियर को 'बॉस' कहने का दबाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पीयूष गौत्तम

जोधपुर। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की शिकायत के बाद कॉलेज प्रशासन ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। गर्ल्स हॉस्टल से जुड़ी शिकायत में आरोप लगाया गया कि एक सीनियर ने 90 लोगों के मोबाइल नंबर भेजकर उन्हें 'बॉस' कहकर बुलाने और उनसे संपर्क नहीं करने के निर्देश दिए। हालांकि, कॉलेज प्रशासन का कहना है कि प्रारंभिक जांच में फिलहाल रैगिंग से जुड़ा कोई ठोस मामला सामने नहीं आया है। शिकायतकर्ता की पहचान भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा ने बताया कि शिकायत का ईमेल मिलने के बाद गुरुवार को एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक बुलाई गई। इसके बाद हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की गई। टीम ने विद्यार्थियों से रात के भोजन के दौरान भी चर्चा की, लेकिन किसी ने रैगिंग की घटना की पुष्टि नहीं की। हॉस्टल के चौकीदार और सुपरवाइजर से भी जानकारी ली गई। इसके बावजूद कॉलेज प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच जारी रखे हुए है। प्रिंसिपल डॉ. जोधा ने बताया कि विद्यार्थियों के मोबाइल नंबर इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। आशंका है कि किसी ने इन नंबरों का दुरुपयोग किया हो। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए भी जांच शुरू की गई है। कॉलेज प्रशासन को सरकार और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की ओर से भी मामले में रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, बुधवार दोपहर शिकायत का ईमेल मिला था। इसमें गर्ल्स हॉस्टल से संबंधित घटनाक्रम का उल्लेख किया गया। शिकायत में बताया गया कि एक सीनियर ने 90 लोगों के मोबाइल नंबर भेजे और उन्हें 'बॉस' कहकर संबोधित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन लोगों से संपर्क नहीं करने को कहा गया। शिकायत सामने आने के बाद गुरुवार को एंटी रैगिंग टीम ने मामले की पड़ताल शुरू की। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि शिकायत किसने भेजी थी। प्रिंसिपल ने बताया कि इससे पहले भी इस तरह की दो शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन जांच में वे सही नहीं पाई गईं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि रैगिंग की घटना प्रमाणित होती है, तो कॉलेज प्रशासन की ओर से जुर्माने से लेकर निलंबन तक की कार्रवाई की जा सकती है। शुक्रवार को भी कमेटी की बैठक प्रस्तावित है। इसमें प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने और हॉस्टल में सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। कमेटी की ओर से भेजे जाने वाले प्रस्तावों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शिकायत के सभी पहलुओं की पड़ताल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।



पाली में क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस में घमासान, सीपी जोशी कमेटी के सामने बागी पार्षदों का हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। शहरी निकाय चुनावों में अधिक पार्षद जीतने के बावजूद बोर्ड बनाने में नाकाम रही कांग्रेस में अब क्रॉस वोटिंग और भीतरघात को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पाली नगर निगम में मेयर चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी को महज तीन वोट मिलने के मामले की जांच कर रही पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी की अध्यक्षता वाली कमेटी के सामने शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम में सुनवाई के दौरान पाली से पहुंचे बागी गुट के पार्षदों ने अपनी बात नहीं सुने जाने का आरोप लगाया और डॉ. जोशी से मुलाकात की मांग पर अड़ गए। कमेटी ने शहरी निकायों में क्रॉस वोटिंग और पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ भीतरघात के आरोपों की पड़ताल के लिए नेताओं को बुलाया था। पाली से आए कांग्रेस नेताओं ने डॉ. जोशी के सामने अपना पक्ष रखते हुए राजबाला हिंगड़ गुट पर क्रॉस वोटिंग करने और पार्टी को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए। वहीं, दूसरे गुट के बागी पार्षदों ने भी अपनी शिकायत रखने के लिए मुलाकात का समय मांगा, लेकिन उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं मिला। ठक से बाहर आए डॉ. जोशी से पार्षदों ने दोबारा अपनी बात रखने की मांग की। इस पर जोशी ने स्पष्ट कहा कि कमेटी का काम उनसे मिलना नहीं है, बल्कि उन्हें अपनी शिकायत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सामने रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्षद उनसे मिलने आए, यह अच्छी बात है, लेकिन अपनी बात प्रदेशाध्यक्ष को बताएं। कमेटी का काम अलग है। जोशी के समझाने के बावजूद पार्षद अपनी मांग पर अड़े रहे। हालांकि, जोशी ने मुलाकात नहीं की और गाड़ी में बैठकर वॉर रूम से रवाना हो गए। उनके जाने के बाद नाराज पार्षदों ने हंगामा करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी में उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। उनका कहना था कि पाली में कांग्रेस के पार्षदों की संख्या अधिक होने के बावजूद पार्टी मेयर का चुनाव हार गई। इसके पीछे गलत उम्मीदवार को टिकट देना और उनकी राय की अनदेखी करना प्रमुख वजह रही। पाली नगर निगम के 65 वार्डों में कांग्रेस के 29, भाजपा के 21 और निर्दलीय प्रत्याशियों के 15 पार्षद चुनाव जीतकर आए थे। कांग्रेस ने सुमित्रा जैन को मेयर पद का अधिकृत उम्मीदवार बनाया था, जबकि राजबाला हिंगड़ ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा। मेयर चुनाव में कांग्रेस की अधिकृत उम्मीदवार को केवल तीन वोट मिले, जबकि भाजपा को 33 और राजबाला हिंगड़ को 29 वोट मिले। डॉ. सीपी जोशी की अध्यक्षता वाली कमेटी निकाय चुनावों में क्रॉस वोटिंग और पार्टी के खिलाफ काम करने के आरोपों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद कमेटी अपनी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपेगी।

माउंट आबू के वार्ड 22 में गरीब परिवारों के लिए बाथरूम-शौचालय बनवाने की मांग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर के वार्ड 22 में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बाथरूम और शौचालय निर्माण करवाने की मांग उठी है। इस संबंध में पार्षद मुकेश राणा के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी (एसडीएम) और नगरपालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से वार्ड के पात्र परिवारों की मूलभूत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई।द्व ज्ञापन में बताया गया कि वार्ड में कई ऐसे परिवार हैं, जिन्हें अब तक बाथरूम और शौचालय जैसी जरूरी सुविधाओं की आवश्यकता है। स्थानीय लोगों ने मांग की कि ऐसे परिवारों को चिह्नित कर उनके लिए निर्माण कार्य करवाया जाए, ताकि उन्हें बुनियादी सुविधाएं मिल सकें और दैनिक जीवन में होने वाली परेशानियों से राहत मिले। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाथरूम और शौचालय की सुविधा प्रत्येक परिवार की मूलभूत जरूरत है। ऐसे में पात्र और जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इस दौरान पार्षद यश शर्मा, पार्षद नासिर खान, भील समाज युवा अध्यक्ष हरीश राणा, भील कॉलोनी युवा अध्यक्ष प्रवीण राणा, वार्ड 22 के सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट फिर करेगा विचार, जज के बेटे के चुनाव आयोग का वकील होने पर उठा सवाल

जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पिछली राय पर पक्षपात की आशंका जताने वाली अर्जी पर सुनवाई को तैयार अदालत

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह इस मामले में अपने पहले के फैसले की फिर से जांच करेगा। विवाद उस समय बढ़ा, जब मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने के सवाल पर दो न्यायाधीशों की अलग-अलग राय सामने आई। इसके बाद दायर अर्जी में जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा को लेकर पक्षपात की आशंका जताई गई। अर्जी में कहा गया कि उनके बेटे मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में भारतीय निर्वाचन आयोग के स्थायी वकील हैं। इसी आधार पर पिछली राय पर पुनर्विचार की मांग की गई है।

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने यह अर्जी भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने रखी। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल हैं। मामले में उठाया गया मुख्य सवाल यह है कि क्या जस्टिस शर्मा के बेटे का निर्वाचन आयोग की ओर से वकील होना पिछली सुनवाई में हितों के टकराव या पक्षपात की आशंका पैदा करता है। अदालत अब इस पहलू की जांच करने पर विचार कर रही है।

23 सितंबर को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने के मुद्दे पर अलग-अलग राय दी थी। जस्टिस दत्ता का मत था कि मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने की जरूरत नहीं है। दूसरी ओर, जस्टिस शर्मा ने इसे बड़ी पीठ के समक्ष रखने का समर्थन किया था।

दोनों न्यायाधीशों की राय अलग होने के बाद मामला कानूनी प्रक्रिया के अगले चरण में पहुंचा। इसके बाद जस्टिस शर्मा को लेकर दायर अर्जी ने विवाद का एक नया पहलू सामने ला दिया। याचिकाकर्ता पक्ष ने उनके बेटे के निर्वाचन आयोग से जुड़े वकील होने का उल्लेख करते हुए पिछली राय को रद्द करने की मांग की है। हालांकि, इस आरोप या आशंका पर अंतिम निष्कर्ष अदालत की जांच और आदेश के बाद ही सामने आएगा।

इस पूरे विवाद की जड़ वर्ष 2023 में बनाए गए उस कानून में है, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति की व्यवस्था की गई। इससे पहले नियुक्तियों के लिए संसद का अलग कानून नहीं था और केंद्र सरकार की ओर से नाम तय किए जाने के बाद राष्ट्रपति नियुक्ति करते थे। वर्ष 2023 के कानून के तहत चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किया गया। इस व्यवस्था में विपक्ष को समिति में प्रतिनिधित्व मिला, लेकिन सरकार पक्ष के दो सदस्यों के कारण समिति में उसका बहुमत बना रहता है। नए कानून को लेकर आपत्ति का एक प्रमुख आधार यह है कि नियुक्ति समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में अपने फैसले में कहा था कि संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली समिति की सलाह पर की जानी चाहिए।

इसके बाद संसद ने 2023 में नया कानून बनाया, जिसमें चयन समिति की संरचना बदल दी गई। कानून को चुनौती देने वालों का तर्क है कि मुख्य न्यायाधीश को समिति से बाहर रखने और सरकार के दो सदस्यों का बहुमत होने से नियुक्ति प्रक्रिया में स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते हैं। वहीं, कानून की वैधता पर अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ही होना है। अब सुप्रीम कोर्ट के सामने दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहला, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून और उसे चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कानूनी सवाल। दूसरा, मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने के संबंध में जस्टिस शर्मा की पिछली राय को लेकर उठाई गई पक्षपात की आशंका। अदालत की ओर से मामले की फिर से जांच करने की बात कहे जाने के बाद आगे की सुनवाई महत्वपूर्ण होगी। यह स्पष्ट होना बाकी



है कि पिछली राय पर पुनर्विचार किस आधार और किस प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। फिलहाल, जस्टिस शर्मा के बेटे के निर्वाचन आयोग के वकील होने के तथ्य को अर्जी में उठाई गई आशंका के रूप में देखा जा रहा है, न कि पक्षपात साबित होने के निष्कर्ष के रूप में।

इस मामले का परिणाम चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया और चयन समिति की भूमिका से जुड़े व्यापक कानूनी विवाद के लिए अहम हो सकता है। अदालत की आगामी सुनवाई से यह स्पष्ट होगा कि पिछली राय पर क्या प्रभाव पड़ेगा और नियुक्ति कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की प्रक्रिया किस दिशा में बढ़ेगी।

पुरानी संस्कृति और इतिहास की सुरक्षा के दावे खोखले: के.के. मोहम्मद का खुलासा, 'पिछले 11 साल आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के लिए सबसे बुरे रहे हैं!'

देश की संस्कृति, पुरानी विरासत और आर्कियोलॉजी की सुरक्षा के बड़े-बड़े वादे करने वाली केंद्र सरकार का असली चेहरा अब सामने आ रहा है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (ASI) के पूर्व रीजनल डायरेक्टर और देश के जाने-माने पद्मश्री आर्कियोलॉजिस्ट के.के. मोहम्मद ने मौजूदा केंद्र सरकार की नीतियों पर बहुत गंभीर और अहम सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक बड़ा बयान देते हुए कहा है, 'मौजूदा केंद्र सरकार के पिछले 11 साल आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (ASI) के इतिहास का सबसे बुरा दौर रहा है!' यह खुलासा हिंदू मंदिरों और धर्म की रक्षा के नाम पर वोट मांगने वाली सरकार के राज में पुरानी विरासत की दुर्दशा को साबित करता है।

पुराने हिंदू मंदिरों का जीर्णोद्धार तो दूर की बात है, चल रहे काम भी रोक दिए गए हैं!

एक तरफ राजनीतिक मंचों से सनातन संस्कृति को बेहतर बनाने की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। केके मोहम्मद ने खुलासा किया है कि देश भर में भुला दिए गए या जीर्ण-शीर्ण हो चुके पुराने हिंदू मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों को फिर से बनाना तो बहुत दूर की बात है, लेकिन जिन मंदिरों और ऐतिहासिक जगहों पर आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट पहले से ही जीर्णोद्धार का काम कर रहा था, उन्हें भी इस सरकार में अचानक रोक दिया गया है।

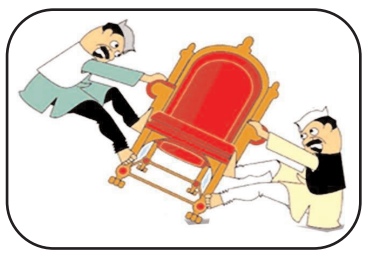
दिल्ली के ऐतिहासिक पुराने किले समेत कई महत्वपूर्ण जगहों पर चल रहे खुदाई के काम को आगे बढ़ाने के लिए ज़रूरी मंजूरी या प्रोत्साहन नहीं दिए गए हैं। खुद को संस्कृति का असली रक्षक कहने वाली सरकार के राज में आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट बर्बाद हो रहा है।

हुमायूं के स्मारक को VVIP ट्रीटमेंट, हिंदू विरासत की अनदेखी

सरकार के दोहरे रवैये और तुष्टिकरण की राजनीति का काला चेहरा तब और सामने आता है जब पैसे की कमी के कारण प्राचीन हिंदू मंदिरों और धरोहरों को अंधेरे में धकेल दिया जाता है, और दूसरी तरफ, हुमायूं के स्मारक जैसी जगहों को इंटरनेशनल टूरिस्ट सेंटर के तौर पर डेवलप करने के लिए सरकारी खजाना खुला छोड़ दिया जाता है। दूसरे स्मारकों को करोड़ों रुपये खर्च करके शानदार तरीके से डेवलप किया जा रहा है, लेकिन सनातन धर्म और प्राचीन संस्कृति के अवशेषों के साथ अदूरदर्शी नीति अपनाई जा रही है।

जब देश के सबसे बड़े आर्कियोलॉजिस्ट खुद ये गंभीर सवाल जनता के सामने उठा रहे हैं, तो जनता को सोचना होगा कि क्या धर्म और संस्कृति के नाम पर सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रही हैं या वाकई विरासत को बचाया जा रहा है? सरकार की इस दोगली और खोखली नीति को जनता के सामने रखना अब ज़रूरी हो गया है।

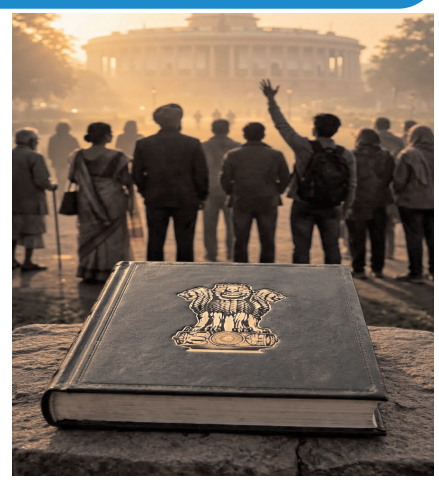
सत्ता की कुर्सी किसी की भी हो सकती है, लेकिन देश किसी के बाप का नहीं होता:



नागरिकों की आवाज़ और सवाल ही लोकतंत्र की असली ताकत हैं!

आज देश और समाज के सामने सबसे बड़ा और गंभीर सवाल सिर्फ़ यह नहीं है कि सत्ता में कौन बैठा है, बल्कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार को जवाबदेह ठहराने वाले हमारे लोकतांत्रिक सिस्टम आज कितने मज़बूत और आज़ाद हैं? पिछले कुछ सालों में, मोदी सरकार के राज में, देश के मुख्य स्तंभों जैसे विपक्ष, आज़ाद मीडिया, जांच एजेंसियों और चुनाव आयोग की आज़ादी पर कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। हाल ही में जारी 'फ्रीडम हाउस' की 2026 की रिपोर्ट में भी चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक फंडिंग की पारदर्शिता और विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की चुनिंदा जांच पर गंभीर चिंता जताई गई है।

इस पूरी स्थिति के बीच, एक कड़वी सच्चाई है जिसे हर नागरिक को समझने की ज़रूरत है। जब हमारे समाज का एक पढ़ा-लिखा और समझदार तबका एक कदम पीछे हटकर कहता है, 'मुझे राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है,' तो वे भूल जाते हैं कि आप भले ही राजनीति से दूर रहें, लेकिन राजनीति में लिए गए फ़ैसले आपकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी से कभी दूर नहीं रह सकते। जब मार्केट में महंगाई बढ़ती है, तो इसका सीधा असर आपके और मेरे किचन और जेब पर पड़ता है। जब पढ़ाई का लेवल महंगा और बिजनेस बन जाता है, तो इसका असर आपके मासूम बच्चों के भविष्य पर पड़ता है। जब नौकरी के मौके कम से कम हो जाते हैं, तो बेबस युवाओं की ज़िंदगी अंधेरे में डूब जाती है। और सबसे बुरी बात तब होती है जब इस देश का आम नागरिक अधिकारियों से सवाल पूछने से डरने लगता है, क्योंकि इसका सीधा और खतरनाक असर पूरी डेमोक्रेसी के वजूद पर पड़ता है। किसी भी नागरिक को भारतीय जनता पार्टी को वोट देने का पूरा हक है, कांग्रेस यकिसी दूसरी पार्टी को वोट देने का भी उतना ही हक है, और अगर कोई पार्टी पसंद नहीं है, तो ह्हह्ह्ह दबाकर या किसी को वोट न देकर अपनी असहमति जताना भी डेमोक्रेटिक हक है। लेकिन, किसी भी पार्टी या सरकार को कभी इतनी छूट नहीं दी जानी चाहिए कि उसके कामों का हिसाब मांगना भी हमारे लिए गुनाह या गलत हो जाए! देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या कोई और होने वाला प्रधानमंत्री, यह देश हमेशा किसी भी व्यक्ति या नेता से बड़ा होता है और हमारा पवित्र संविधान किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से ऊपर है। अगर कोई नागरिक सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाता है, तो उसे तुरंत 'देशद्रोही' या 'सरकार विरोधी' करार देने की सोच डेमोक्रेसी के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सवाल यह है कि सरकार या हुक्मरानों पर सवाल उठाने वाला इस देश का दुश्मन कैसे हो सकता है? और अगर सपोर्टर अपनी पार्टी या नेता की साफ गलतियों के बावजूद आंखें मूंद लें और चुप रहें, तो इस देश के भविष्य की जिम्मेदारी कौन तय करेगा? आज के डिजिटल युग में, क्या पढ़ा-लिखा समाज सिर्फ सोशल मीडिया पर किसी पार्टी का पक्ष लेने या आंख मूंदकर विरोध करने में ही बिज़ी रहेगा, या वे जमीनी फैक्ट्स और सबूतों की जांच-परख करके अपनी हेल्दी राय बनाएंगे? आज के समय में सबसे खतरनाक नागरिक वह नहीं है जो सरकार की बुराई या आलोचना करता है; सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब इस देश का नागरिक हमेशा के लिए सरकार से सवाल पूछना बंद कर दे। सरकार कितनी भी मजबूत या कैसी



भी हो–हमारा कर्तव्य आंख मूंदकर भक्ति करना नहीं, बल्कि जागरूक रहना है। आंख मूंदकर विरोध करने के बजाय फैक्ट्स की जांच-परख करें। क्योंकि याद रखें, वोटिंग के दिन बटन दबाने के बाद भी सरकार से सवाल पूछने का आपका अधिकार कभी खत्म नहीं होता!

(शनिवार)10 अक्टूबर 2026

मेष – आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और परिवार के साथ समय बिताएं।

वृषभ – आज आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और अपनों का सहयोग आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा

मिथुन – आज नए विचार और संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। नौकरी और कारोबार में धैर्य रखें, जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

कर्क – आज आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास से काम बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, लेकिन वाणी में संयम बनाए रखें

सिंह – आज परिवार में सुखद माहौल रहेगा और किसी पुरानी चिंता से राहत मिल सकती है। कामकाज में सफलता के लिए अपनी योजनाओं पर ध्यान दें

कन्या – भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, नई योजनाओं में सफलता के संकेत हैं और परिवार के साथ कोई सुखद समाचार मिल सकता है

तुला – मेहनत से रुके हुए कार्य पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभ दे सकती है

वृश्चिक – नए अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और किसी पुराने संपर्क से आपको विशेष लाभ मिल सकता है

धनु – आज मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। आर्थिक योजना पर ध्यान दें और सेहत को नजरअंदाज किए बिना अपने काम पूरे करें

मकर – आज रिश्तों में मधुरता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। कारोबार में नई संभावनाएं बन सकती हैं, जबकि महत्वपूर्ण फैसलों में संतुलित सोच लाभ देगी

कुंभ – दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

मीन – आज अधूरे काम पूरे करने की दिशा में प्रगति हो सकती है। धन के लेन-देन में सावधानी रखें और किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

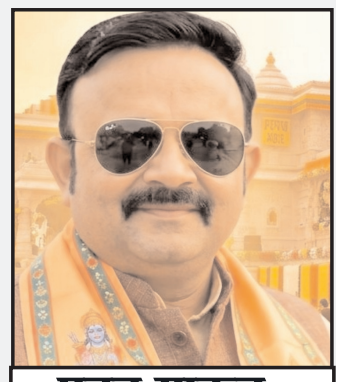
8.5 लाख किताबों वाली ऐतिहासिक लाइब्रेरी पर संकट, सेंट्रल विस्टा में तोड़ा जाएगा शास्त्री भवन तो कहां जाएगा ज्ञान का खजाना?

नई दिल्ली। देश की ऐतिहासिक सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी इन दिनों अपने अस्तित्व और भविष्य को लेकर गंभीर सवालों के बीच है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत शास्त्री भवन को हटाकर वहां कर्तव्य भवन-4 और 5 बनाए जाने हैं, लेकिन इस भवन में संचालित हो रही लाइब्रेरी के विशाल संग्रह को स्थानांतरित करने के लिए अब तक कोई उपयुक्त स्थायी जगह तय नहीं हो पाई है। करीब 8.5 लाख पुस्तकों, दुर्लभ ऐतिहासिक सामग्री, सरकारी अभिलेखों और गजेटियर को समेटे यह लाइब्रेरी केवल पढ़ने की जगह नहीं, बल्कि देश के प्रशासनिक इतिहास और संस्थागत स्मृतियों का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि शास्त्री भवन खाली होने के बाद इस ज्ञान के खजाने को कहां रखा जाएगा और इसकी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? लाइब्रेरी के लिए कर्तव्य भवन-2 में लगभग 300 वर्ग मीटर के दो कमरे उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन लाइब्रेरी प्रशासन ने इसे स्वीकार नहीं किया। इतने बड़े संग्रह को सीमित जगह में स्थानांतरित करना, उसका व्यवस्थित वर्गीकरण करना और दुर्लभ पुस्तकों को सुरक्षित रखना अपने आप में बड़ी चुनौती है। इसके अलावा, यहां आने वाले सरकारी अधिकारियों, शोधकर्ताओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की पढ़ने और संदर्भ सामग्री तक पहुंच बनाए रखना भी जरूरी है। यदि संग्रह को किसी अस्थायी स्थान पर रख दिया जाता है, तो उसके लंबे समय तक उपयोग और संरक्षण को लेकर नई समस्याएं खड़ी हो सकती हैं लाइब्रेरी के भविष्य को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। 5 अक्टूबर को अदालत ने केंद्र सरकार से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा कि नए सेंट्रल विस्टा प्लान में सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी के लिए कितनी जगह निर्धारित की गई है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने केंद्र से प्रस्तावित स्थान का लेआउट प्लान और पूरा विवरण हलफनामे के माध्यम से पेश करने को कहा। अदालत ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि 1891 से जुड़े इतिहास वाली इस लाइब्रेरी और आरके पुरम में रखी लगभग दो लाख पुस्तकों के लिए क्या केवल दो कमरे प्रस्तावित हैं। आरके पुरम में रखी पुस्तकों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है। मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता हरिप्रिया पद्मनाभन को न्याय मित्र नियुक्त किया गया है, जो अदालत के समक्ष संबंधित पहलुओं में सहायता करेंगी। अदालत के सवालों से स्पष्ट है कि मामला केवल किताबों को एक भवन से दूसरे भवन में पहुंचाने तक सीमित नहीं है। इसमें संग्रह के आकार, पुस्तकों की प्रकृति, दुर्लभ दस्तावेजों की सुरक्षा, भविष्य में उनके इस्तेमाल और लाइब्रेरी की संस्थागत भूमिका जैसे कई पहलू शामिल हैं। केंद्र सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि नए परिसर में लाइब्रेरी के लिए वास्तविक रूप से कितनी जगह उपलब्ध होगी और इतने बड़े संग्रह को व्यवस्थित रखने की क्या योजना है। वर्तमान में सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी शास्त्री भवन में लगभग 5,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में चार मंजिलों पर संचालित होती है। यहां 1702 की दुर्लभ पुस्तकों के साथ सरकारी रिकॉर्ड और गजेटियर जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध हैं। इन सामग्रियों का महत्व केवल उनके पुराने होने में नहीं, बल्कि उनमें दर्ज सूचनाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी है। सरकारी विभागों से जुड़े पुराने दस्तावेज प्रशासनिक निर्णयों, नीतियों और संस्थागत बदलावों को समझने में उपयोगी होते हैं। इसी तरह ऐतिहासिक पुस्तकों और गजेटियर के माध्यम से अलग-अलग समय की सामाजिक, भौगोलिक और प्रशासनिक परिस्थितियों का अध्ययन किया जा सकता है। इस कारण ऐसे संग्रह का संरक्षण केवल पुस्तकालय प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और शोध संबंधी संसाधनों को सुरक्षित रखने से जुड़ा विषय भी है। लाइब्रेरी में प्रतिदिन सरकारी अधिकारी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी भी पहुंचते हैं। शोधकर्ताओं के लिए संदर्भ सामग्री उपलब्ध होना और आम पाठकों को व्यवस्थित तरीके से पुस्तकों तक पहुंच मिलना किसी भी सार्वजनिक ज्ञान संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि स्थानांतरण के दौरान लाइब्रेरी लंबे समय तक बंद रहती है या किताबें बक्सों में रख दी जाती हैं, तो इस सुविधा पर असर पड़ सकता है।

सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी का इतिहास ब्रिटिश शासनकाल के प्रशासनिक और पुस्तकालय ढांचे से जुड़ा है। इसके पीछे इंपीरियल लाइब्रेरी और सचिवालय के पुराने पुस्तक संग्रहों की लंबी परंपरा रही है। 11 मई 1891 को कलकत्ता में इंपीरियल लाइब्रेरी का उद्घाटन हुआ था।जिनमें ईस्ट इंडिया कॉलेज, फोर्ट विलियम कॉलेज और लंदन में ईस्ट इंडिया कंपनी के बोर्ड की लाइब्रेरी की पुस्तकें भी शामिल थीं।

डेमोक्रेसी का गला घोंटने की साज़िश: दिल्ली का डर गुजरात तक, अहमदाबाद के युवा भी हाउस अरेस्ट

आज डेमोक्रेसी के रास्ते पर चलकर देश में सत्ता के सबसे ऊंचे शिखर पर पहुंचने वाले वही हुक्मरान आज लोगों की आवाज़ से इतने डरे हुए क्यों हैं?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

कल, 10 अक्टूबर, 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले बड़े प्रोटेस्ट को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने जो बहुत ज़्यादा दबाने वाली और तानाशाही पॉलिसी अपनाई है, उसने देश को अघोषित इमरजेंसी की याद दिला दी है। आंदोलनकारियों को दिल्ली का बॉर्डर पार करने से रोकने के लिए मोदी-शाह सरकार ने ऐसा सख्त इंतज़ाम किया है कि ऐसा लगता है कि सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों को अब लोगों की आज़ाद आवाज़ से डर लगने लगा है।

दिल्ली को ब्लैक होल और जेल बनाया जाएगा

सरकार कल जंतर-मंतर पर लोगों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए हर हद तक चली गई है। सबसे हैरानी और शर्म की बात यह है कि दिल्ली जाने वाली ट्रेनें भी रोक दी गई हैं! दिल्ली की सड़कों पर हज़ारों सिक्योरिटी वालों का फ़्लैग-मार्च करके प्रोटेस्ट करने वालों को डराने की नाकाम कोशिश की जा रही है। दूसरी तरफ़, रूलिंग पार्टी के कहने पर राइट-विंग ऑर्गनाइज़ेशन और सोशल मीडिया, खुली धमकियाँ देकर प्रोटेस्ट करने वालों का हौसला तोड़ने का खेल खेल रहे हैं।

शांति से प्रोटेस्ट करने का हक़ छीनने के लिए, इंडियन सिविल सिक्योरिटी कोड का सेक्शन 163 (पुराना CrPC सेक्शन 144) लगाकर चार या उससे ज़्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर बैन लगा दिया गया है। सिर्फ़ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बॉर्डर वाले इलाकों में भी एक्टिव यूट्यूबर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और असरदार युवा इन्फ्लुएंसर को पहले ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। युवाओं के किसी भी ग्रुप को देखते ही उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में लिया जा रहा है। दरबारी मीडिया की भाषा और हुक्मरानों का पुराना 'मोडस ऑपरेंडी'

जब भी देश का युवा अपने हक के लिए सवाल पूछता है, तो अधिकारी और उनका दरबारी मीडिया इन युवाओं पर 'देशद्रोही', 'अर्बन नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग', 'विदेशी फंडेड' या 'अराजक तत्व' जैसे बेबुनियाद लेबल लगा देते हैं। हुक्मरान अच्छी तरह जानते हैं कि इन युवाओं को अब या CBI जैसी एजेंसियां डरा नहीं सकतीं, इसीलिए उनके खिलाफ सिर्फ और सिर्फ दमन का हथियार उठाया जा रहा है।

पॉलिटिकल एनालिस्ट मानते हैं कि यह हुक्मरानों का पुराना और जाना-माना 'मोडस ऑपरेंडी' है: पहले, शांति से विरोध कर रहे लोगों में अपनी पार्टी या किराए के गुंडों को घुसाकर अप्रत्यक्ष रूप से हिंसा फैलाना, और फिर उसी हिंसा का बहाना बनाकर अंधाधुंध पुलिस बल का इस्तेमाल करके लोगों के आंदोलन को कुचलना! अहमदाबाद में भी दमन का भूत मंडरा रहा है: गोमतीपुर के युवाओं पर अत्याचार

दिल्ली के डर का असर अब गुजरात और अहमदाबाद में साफ महसूस किया जा रहा है। 9 अक्टूबर, 2026 की रात करीब 10 बजे, जिन भी युवाओं ने दिल्ली जाने या विरोध में शामिल होने के सपोर्ट में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, उन्हें अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस ने उनके घरों से पकड़ लिया और उठा लिया।

अहमदाबाद के सेंसिटिव गोमतीपुर इलाके से अश्विन वाघेला, धर्मेश वाघेला और प्रवीण सोलंकी नाम के तीन बेगुनाह युवाओं को पुलिस ने बिना किसी चार्ज या वारंट के मनमाने ढंग से हिरासत में ले लिया। जब गोमतीपुर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राणा से पूछा गया कि इन युवाओं को किस जुर्म में गिरफ्तार किया गया है, तो उनका जवाब चौंकाने वाला था: 'ऊपर से ऑर्डर है! ये लोग यहीं रहेंगे, अगली सूचना तक!'

खाकी और युवाओं का सामाजिक जागरूकता के खिलाफ़ अटूट विश्वास

जैसे ही इस नाइंसाफ़ी भरी हिरासत की खबर इलाके में जंगल की आग की तरह फैली, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता, वकील दोस्त और गोमतीपुर के जागरूक नागरिक पुलिस स्टेशन पहुँचे और इस जुल्म के खिलाफ़ कड़ा विरोध दर्ज कराया। लोगों का गुस्सा देखकर को पीछे हटना पड़ा और शर्त रखी कि उन्हें तभी छोड़ा जाएगा जब ये युवा लिखकर गारंटी देंगे कि वे दिल्ली के विरोध प्रदर्शन में नहीं जाएँगे।

लेकिन, नाइंसाफ़ी से लड़ने की हिम्मत रखने वाले इन तीनों युवाओं ने हुक्मरानों के दबाव के आगे झुकने से साफ़ मना कर दिया! नतीजतन, पुलिस ने अपनी ज़िद पूरी करने के लिए इन तीनों युवाओं को दो पुलिस कांस्टेबलों के साथ उनके घरों में वापस भेज दिया है और उन्हें 'हाउस अरेस्ट' कर दिया है।

डभोई से अहमदाबाद और गुजरात से दिल्ली तक, सरकार चाहे लाठी, बैरिकेड और हिरासत के कितने भी हथियार इस्तेमाल कर ले, सच की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। लोकतंत्र के खंभों को हिला देने वाली इन घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि मौजूदा शासक जनता की आवाज़ से डरते हैं, और यही डर उन्हें खत्म कर देगा!

एयर शो के चलते 8 दिन बंद रहेंगी मांस-मछली की दुकानें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

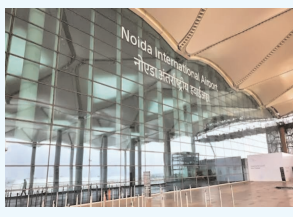
वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में भारतीय वायु सेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नमो घाट पर भव्य एयर शो आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान लड़ाकू विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। नमो घाट से 30 किलोमीटर के दायरे में 19 से 26 अक्टूबर तक मांस, मछली और मीट की दुकानों को बंद रखने तथा इनकी बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम विमानों के उड़ान भरने और प्रदर्शन के दौरान पक्षियों से टकराने की आशंका कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव के मुताबिक, एयर शो के दौरान विमानों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मांस और मछली की दुकानों के आसपास पक्षियों की गतिविधियां बढ़ने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे दुकानदारों को प्रतिबंध की जानकारी दें, नोटिस जारी करें और निर्धारित अवधि में दुकानें बंद रखने की हिदायत दें। पशु चिकित्सा अधिकारियों और नगर निगम की टीमों को भी आदेश का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नमो घाट पर आयोजित होने वाले इस एयर शो के मुख्य कार्यक्रम 22, 23 और 25 अक्टूबर को प्रस्तावित हैं, जबकि 26 अक्टूबर को वैकल्पिक दिन के रूप में रखा गया है। राज्य सरकार ने इस आयोजन को राज्य स्तरीय कार्यक्रम घोषित किया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की भी जानकारी दी गई है। एयर शो को देखने के लिए गंगा के घाटों और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।



नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम होगा 'नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट' किए जाने के प्रस्ताव को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कैबिनेट में उनके अभिनंदन का प्रस्ताव भी पेश किया गया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रदेश में विकास, सुशासन और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े कार्यों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की यात्रा देश की सेवा और राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन इस यात्रा के संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। उत्तर प्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री राज्य के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में नई पहचान बनाई है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, प्रदेश में विकास और विरासत को साथ लेकर चलने की नीति पर काम किया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी आगमन का उल्लेख करते हुए उनके उस कथन को याद किया, जिसमें उन्होंने मां गंगा से जुड़ाव की बात कही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद काशी सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं को गति मिली है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने और प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए गए हैं। उनके अनुसार, प्रदेश में सुशासन, सुरक्षा और विकास को प्राथमिकता देते हुए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है।



एआई से बनाया एसएसबी शिविर में विस्फोट का वीडियो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महराजगंज। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से बनाया गया एक काल्पनिक वीडियो युवक को भारी पड़ गया। महराजगंज में पुलिस ने फैयाज अहमद नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से ऐसा वीडियो तैयार किया, जिसमें भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सशस्त्र सीमा बल के शिविर में विस्फोट होते हुए दिखाया गया था। युवक ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम खाते पर साझा किया था। पुलिस ने उसकी पहचान कर उसे गिरफ्तार किया और वीडियो को खाते से हटवा दिया। यह मामला परसा मलिक थाना क्षेत्र के सेवतरी स्थित सशस्त्र सीमा बल की 22वीं वाहिनी के शिविर से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, युवक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से शिविर में विस्फोट का काल्पनिक दृश्य तैयार किया और उसे सामाजिक माध्यम पर प्रसारित कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने डिजिटल निगरानी के माध्यम से वीडियो साझा करने वाले व्यक्ति की पहचान की। जांच के दौरान फैयाज अहमद का नाम सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके इंस्टाग्राम खाते से संबंधित वीडियो भी हटवा दिया। अधिकारियों के अनुसार, मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है और आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का आरोप है कि युवक सोशल मीडिया पर पसंद, दृश्य संख्या और अनुयायियों को बढ़ाना चाहता था। इसी उद्देश्य से उसने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से ऐसा दृश्य तैयार किया, जिसमें सुरक्षा बल के शिविर पर विस्फोट का दृश्य दिखाया गया। हालांकि, वीडियो काल्पनिक था, लेकिन सुरक्षा बलों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों से जुड़ी ऐसी सामग्री लोगों में भ्रम पैदा कर सकती है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अनावश्यक चिंता बढ़ा सकती है। इस घटना के बाद पुलिस ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले लोगों को सावधानी बरतने की हिदायत दी है। पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा बलों, सीमा क्षेत्रों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों से जुड़ी भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री बनाना और साझा करना कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री को वास्तविक घटना के रूप में प्रस्तुत करना भी लोगों को गुमराह कर सकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी सामग्री को साझा करने से पहले उसकी प्रकृति और प्रभाव को समझें। केवल लोकप्रियता या अधिक अनुयायी पाने के लिए ऐसी सामग्री प्रसारित करने से बचना चाहिए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गलत संदेश जाए या लोगों में भ्रम फैले। मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई जारी है।



लॉन्ड्री में पानी समझकर केमिकल पी गया दूसरी कक्षा का छात्र, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कोलार इलाके में एक दर्दनाक घटना में दूसरी कक्षा के छात्र की मौत हो गई। बच्चा अपनी मां के पास लॉन्ड्री में मौजूद था। इसी दौरान उसने दुकान में रखी एक बोतल में भरे पारदर्शी केमिकल को पानी समझकर पी लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और उसे उल्टियां होने लगीं। मां उसे तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचीं, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक बच्चे की पहचान सिद्धार्थ भुजंग के रूप में हुई है। वह कोलार क्षेत्र के ललिता नगर में अपने परिवार के साथ रहता था और दूसरी कक्षा में पढ़ता था। उसके पिता यशवंत भुजंग एक निजी कंपनी में काम करते हैं, जबकि उसकी मां दानिश कुंज स्थित एक लॉन्ड्री में काम करती हैं। परिवार में सिद्धार्थ की 12 वर्षीय बहन भी है। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सिद्धार्थ गुरुवार सुबह स्कूल गया था। उसके पिता काम पर जाने से पहले उसे लॉन्ड्री में उसकी मां के पास छोड़ गए थे। मां अपने काम में व्यस्त थीं और बच्चा दुकान में मौजूद था। दोपहर में भोजन के बाद सिद्धार्थ ने दुकान में रखी एक बोतल उठाई। बोतल में पारदर्शी तरल पदार्थ भरा हुआ था। बच्चे ने उसे पानी समझ लिया और पी लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। बच्चे को उल्टियां होने लगीं तो मां घबरा गईं। उन्होंने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे का उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी रही। इलाज के दौरान सिद्धार्थ की मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। जिस बच्चे को कुछ समय पहले तक परिवार स्कूल भेज रहा था, उसकी अचानक मौत से परिजन सदमे में हैं। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद कोलार थाना पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बोतल में कौन-सा केमिकल रखा था और वह दुकान में किस काम के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच का एक अहम पहलू यह भी है कि केमिकल की बोतल कहां रखी हुई थी और बच्चा उस तक कैसे पहुंचा। पुलिस लॉन्ड्री में मौजूद परिस्थितियों तथा घटना से संबंधित अन्य जानकारियों की पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम और जांच से मिलने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस की जांच जारी है। इस हादसे ने उन कार्यस्थलों पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जहां सफाई, कपड़ों की धुलाई या प्रेस करने के लिए रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल होता है।



होमगार्ड पर पत्नी और बेटी की हत्या का आरोप, वारदात के बाद खुद पुलिस को किया फोन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र के भोलाखेड़ा में शुक्रवार सुबह दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। यहां एक होमगार्ड पर अपनी पत्नी और बेटी की हत्या करने का आरोप है। घटना के बाद आरोपी ने खुद डायल-112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। दोनों महिलाओं के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 56 वर्षीय रविंद्र शंकर गुप्ता के रूप में हुई है। उस पर अपनी 50 वर्षीय पत्नी श्यामा दुलारी और 32 वर्षीय बेटी पूजा साहू की हत्या करने का आरोप है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वारदात घर के भीतर देर रात हुई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि घटना से पहले घर में क्या परिस्थितियां थीं और वारदात किन हालात में हुई। बताया गया है कि शुक्रवार सुबह आरोपी ने डायल-112 पर फोन कर पत्नी और बेटी की हत्या की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद कृष्णानगर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने घर का निरीक्षण किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पुलिस की शुरुआती जांच में परिवार के भीतर लंबे समय से तनाव और विवाद होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, रविंद्र शंकर गुप्ता और उसकी पत्नी के बीच अक्सर कहासुनी होती थी। बताया गया कि कुछ समय पहले विवाद के बाद श्यामा दुलारी घर से चली गई थीं और अपने साथ आभूषण भी ले गई थीं। इस संबंध में रविंद्र ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। कुछ दिन बाद श्यामा दुलारी वापस घर लौट आई थीं। पुलिस अब इस घटनाक्रम और परिवार के सदस्यों के बीच संबंधों की जानकारी जुटा रही है। मृतका पूजा साहू की वैवाहिक जिंदगी को लेकर भी पुलिस को जानकारी मिली है। परिजनों के अनुसार, पूजा की शादी वर्ष 2017 में हुई थी। पहले पति से तलाक के बाद वर्ष 2022 में उनका दूसरा विवाह हुआ था। बाद में दूसरे पति से भी तलाक हो गया, जिसके बाद वह अपने पिता के घर पर रह रही थीं। परिवार और पड़ोसियों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, पूजा की बातचीत को लेकर भी पिता नाराज रहते थे और घर में विवाद होता था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इन परिस्थितियों और हत्या के बीच संबंध की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपायुक्त मोहम्मद मुश्ताक, अपर पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच कर रही टीम को आवश्यक निर्देश दिए। साक्ष्य जुटाने के लिए फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से उंगलियों के निशान, कथित तौर पर वारदात में इस्तेमाल की गई वस्तु और अन्य जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच अधिकारी घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिवार के सदस्यों के बयान और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर घटना की कड़ियां जोड़ने में जुटे हैं। पुलिस के मुताबिक, मृतका की बड़ी बेटी की लिखित शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले कोई विवाद हुआ था।



पति के साथ टहल रही महिला के गले से डेढ़ तोले की सोने की चेन लूटी, वारदात सीसीटीवी में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के बड़वाह थाना क्षेत्र में रात के समय पति के साथ टहलने निकली महिला के गले से बाइक सवार बदमाश सोने की चेन खींचकर फरार हो गया। घटना कंवर कॉलोनी की है, जहां महिला अपने पति के साथ सड़क पर टहल रही थी। इसी दौरान सामने से बाइक पर आया बदमाश महिला के करीब पहुंचा और झटके से उसके गले से करीब डेढ़ तोले की सोने की चेन खींच ली। महिला और उसका पति कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपी बाइक की रफ्तार बढ़ाकर मौके से निकल गया। पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित महिला की पहचान लता तोमर के रूप में हुई है। उनके पति अशोक तोमर के मुताबिक, दोनों रात में कॉलोनी में टहलने के लिए निकले थे। वे सड़क पर चल रहे थे, तभी सामने से एक बाइक सवार आया। आरोपी ने महिला के पास पहुंचते ही चेन पर झपट्टा मारा और उसे खींचकर भाग निकला। अचानक हुई इस घटना से दंपती घबरा गए। जब तक वे कुछ समझ पाते और आरोपी का पीछा करने के बारे में सोचते, तब तक वह काफी दूर निकल चुका था। घटना के बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी गई और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में बाइक सवार को महिला के पास आते और चेन खींचकर भागते हुए देखा जा सकता है। पुलिस अब इसी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। फुटेज में दिखाई दे रहे बाइक सवार के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि उसे जल्द पकड़ा जा सके। सूचना मिलने पर बड़वाह थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र की जानकारी ली। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी किस दिशा में भागा और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक की पहचान हो सकती है या नहीं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने पहले से महिला को निशाना बनाया था या रास्ते से गुजरते हुए मौका देखकर चेन लूट ली। इस घटना के बाद कॉलोनी में रात के समय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पति के साथ सामान्य रूप से टहलने निकली महिला के साथ कुछ ही सेकेंड में हुई इस वारदात ने लोगों को सतर्क कर दिया है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य जानकारी के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। उसकी पहचान और गिरफ्तारी के बाद ही वारदात से जुड़े बाकी पहलुओं का खुलासा हो सकेगा।



ऑटो चालक से विवाद सुलझाने पहुंचे ट्रैफिक आरक्षक से भिड़ा युवक, बीच सड़क हुई मारपीट; वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बीच सड़क ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक युवक के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। कंपू थाना क्षेत्र में 1000 बिस्तर अस्पताल के बाहर हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि शुरुआत एक ऑटो चालक और युवक के बीच पैसों को लेकर हुए विवाद से हुई थी। सड़क पर बहस बढ़ने पर ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक आरक्षक सतीश खरे ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि युवक उनसे ही उलझ गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। जानकारी के अनुसार, घटना के समय ट्रैफिक आरक्षक सतीश खरे अस्पताल के बाहर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान ऑटो से पहुंचे एक युवक का चालक के साथ पैसों को लेकर विवाद हो गया। युवक और चालक के बीच कहासुनी होने लगी। सड़क पर विवाद बढ़ता देखकर आरक्षक ने हस्तक्षेप किया और युवक को समझाने का प्रयास किया, ताकि मामला आगे न बढ़े और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो। हालांकि, आरोप है कि समझाइश के दौरान युवक आरक्षक से ही बहस करने लगा। बात बढ़ने पर दोनों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू हो गई। सड़क पर अचानक हुए इस घटनाक्रम को देखकर आसपास मौजूद लोग भी रुक गए। कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। वीडियो सामने आने के बाद घटना को लेकर चर्चा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान आरक्षक ने अपना बचाव किया और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपने साथ थाने ले गई। पुलिस ने वहां युवक से घटनाक्रम के बारे में पूछताछ की। जानकारी के मुताबिक, थाने में युवक ने अपने व्यवहार के लिए माफी मांगी और भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा नहीं करने की बात कही। घटना के बाद वायरल वीडियो को लेकर भी चर्चा हो रही है। हालांकि, वीडियो में दिखाई देने वाले घटनाक्रम के आधार पर पूरे मामले के सभी पहलुओं की पुष्टि नहीं की जा सकती। विवाद किस बात पर शुरू हुआ, हाथापाई की शुरुआत कैसे हुई और दोनों पक्षों की क्या भूमिका रही, इन बिंदुओं की जांच जरूरी है। पुलिस अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।1000 बिस्तर अस्पताल के बाहर वाहनों और लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे स्थान पर सड़क किनारे होने वाला विवाद यातायात व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है। इसी वजह से ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ने बीच-बचाव किया था। लेकिन मामला शांत होने के बजाय उनके साथ ही विवाद में बदल गया। घटना ने अस्पताल के बाहर सुरक्षा और सार्वजनिक स्थानों पर विवादों को नियंत्रित करने को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। फिलहाल पुलिस युवक से पूछताछ और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। वायरल वीडियो के साथ मौके पर मौजूद लोगों से मिली जानकारी भी जांच में महत्वपूर्ण हो सकती है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट्स रिडीम कराने का झांसा देकर 2 बैंक खातों से 4 लाख रुपये उड़ाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। शहर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। इस बार ठग ने क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट्स रिडीम कराने का झांसा देकर एक महिला के 2 बैंक खातों से करीब 4 लाख रुपये निकाल लिए। आरोपी ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर महिला से संपर्क किया और क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाले प्वाइंट्स को रिडीम कराने की बात कही। इसके बाद प्रक्रिया पूरी कराने के बहाने उसे अपने जाल में फंसा लिया। महिला को जब बैंक खातों से रकम निकलने की जानकारी मिली, तब उसे ठगी का पता चला। इसके बाद उसने हीरानगर थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, महिला के पास एक व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को बैंक अधिकारी बताया और क्रेडिट कार्ड पर जमा प्वाइंट्स को रिडीम कराने की बात कही। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने पर मिलने वाले प्वाइंट्स का लाभ लेने की बात सुनकर महिला ने आरोपी की बातों पर भरोसा कर लिया। इसके बाद आरोपी ने प्वाइंट्स रिडीम कराने के लिए अलग-अलग प्रक्रिया पूरी करने की बात कही। इसी दौरान महिला के साथ धोखाधड़ी हुई और उसके 2 बैंक खातों से करीब 4 लाख रुपये निकल गए। महिला को शुरुआत में इस बात का अंदाजा नहीं हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुकी है। बैंक खातों से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर उसने पूरे मामले की पड़ताल की और फिर पुलिस से संपर्क किया। हीरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामले को जांच में लिया। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगी की रकम किन खातों में स्थानांतरित हुई और इस पूरी घटना में कौन-कौन लोग शामिल हैं। जांच के दौरान पुलिस बैंक खातों से हुए लेनदेन की जानकारी जुटा रही है। ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड खंगालकर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला के खातों से निकाली गई रकम कहां पहुंची। रकम जिन खातों में गई, उनसे जुड़े लोगों की जानकारी भी जांच का हिस्सा है। पुलिस को उम्मीद है कि लेनदेन की कड़ियों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। फिलहाल मामले में जांच जारी है। साइबर ठगी के इस मामले में बैंक अधिकारी बनकर भरोसा जीतने और क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट्स का लालच देने का तरीका सामने आया है। ठग अक्सर बैंकिंग सेवाओं, इनाम, प्वाइंट्स और खाते से जुड़ी सुविधाओं का हवाला देकर लोगों से संपर्क करते हैं। ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति के फोन पर खुद को बैंक अधिकारी बताने भर से उसकी पहचान पर भरोसा करना जोखिम भरा हो सकता है। बैंक से जुड़ी किसी भी सुविधा की जानकारी संबंधित बैंक के आधिकारिक माध्यम से ही सत्यापित करना सुरक्षित रहता है।



माइक्रोफोन लेकर चौराहे पर ट्रैफिक संभाल रहा था कॉन्स्टेबल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान एक कॉन्स्टेबल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई। चिलमन चौक पर ड्यूटी कर रहे कॉन्स्टेबल के हाथ में माइक्रोफोन दिखाई दे रहा है। वह इसके जरिए चौराहे से गुजरने वाले वाहन चालकों और पैदल राहगीरों से बातचीत करता तथा उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की सलाह देता नजर आ रहा है। हालांकि, वीडियो में उसके बोलने और व्यवहार के तरीके को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे। मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा तो पुलिस अधीक्षक ने कॉन्स्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो मंगलवार रात चिलमन चौक पर रिकॉर्ड किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा शुरू हो गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि कॉन्स्टेबल ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में था। हालांकि, पुलिस ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल निलंबन की कार्रवाई के बाद पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है। वीडियो में कॉन्स्टेबल माइक्रोफोन लेकर चौराहे पर मौजूद लोगों से बात करता दिखाई दे रहा है। वह वाहन चालकों और राहगीरों को निर्देश देता नजर आता है। वीडियो में उसके व्यवहार को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिसके बाद मामला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा। इसके बाद विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मुताबिक, वायरल वीडियो वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने संबंधित कॉन्स्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए। वर्मा ने बताया कि कॉन्स्टेबल करीब 2 साल से इसी स्थान पर तैनात था। कर्मचारी के व्यवहार से जुड़ी शिकायत और वायरल वीडियो को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। मामले की आगे की जांच एसडीओपी को सौंपी गई है। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि ड्यूटी के समय कॉन्स्टेबल के व्यवहार की परिस्थितियां क्या थीं और वीडियो में दिखाई दे रही घटना का वास्तविक कारण क्या है। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि मामले में आगे किसी अतिरिक्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है या नहीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा।घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के ड्यूटी के दौरान आचरण पर नजर रखने के निर्देश भी दिए हैं। यातायात व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों से अपेक्षा की जाती है कि वे वाहन चालकों और आम लोगों के साथ जिम्मेदारी से पेश आएं तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं। ऐसे में ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के व्यवहार से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शनिवार)
10 अक्टूबर 2026

12 साल बाद झुग्गी-बस्तियों का होगा सर्वे, पुनर्वास के लिए कट-ऑफ तारीख 1 जनवरी 2025

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवारों के पुनर्वास की दिशा में सरकार ने नई तैयारी शुरू की है। करीब 12 साल बाद राजधानी की झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों और जेजे क्लस्टर का व्यापक सर्वे कराया जाएगा। इसका उद्देश्य बस्तियों की वास्तविक संख्या का पता लगाने के साथ वहां रहने वाले परिवारों का आंकड़ा जुटाना और पुनर्वास योजना के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान करना है। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद के अनुसार, सर्वे अगले 2 सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया के आधार पर सरकार अपनी प्रस्तावित 'जहां झुग्गी, वहां मकान' योजना को आगे बढ़ाएगी। इसके तहत पात्र परिवारों को बेहतर आवास और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। दिल्ली सरकार का कहना है कि सर्वे के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि राजधानी में कितनी झुग्गी-बस्तियां मौजूद हैं, उनमें कितने परिवार रह रहे हैं और कितने परिवार पुनर्वास के निर्धारित नियमों के तहत लाभ पाने के योग्य हैं। अभी सरकार के पास झुग्गी क्लस्टरों और उनमें रहने वाले परिवारों की कुल संख्या का पूरी तरह सत्यापित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में नए सर्वे को पुनर्वास योजना के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बताया कि पुनर्वास के लिए पात्रता की पुष्टि करने के उद्देश्य से संबंधित परिवारों को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। इनमें मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड और बिजली के बिल जैसे दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इनकी मदद से यह सत्यापित किया जाएगा कि संबंधित व्यक्ति निर्धारित कट-ऑफ तारीख से पहले से बस्ती में रह रहा था या नहीं। दस्तावेजों की जांच और पात्रता तय होने के बाद ही पुनर्वास के लाभार्थियों की पहचान की जाएगी। सरकार की योजना 'इन-सीटू पुनर्वास' मॉडल पर भी जोर देने की है।



CJP के प्रदर्शन से पहले दिल्ली में मेट्रो पर सख्ती, 57 स्टेशनों के गेट बंद करने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। राजधानी में संभावित भीड़ को संवेदनशील इलाकों की ओर बढ़ने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार अस्थायी रूप से बंद रखने का प्रस्ताव रखा है। पुलिस ने 8 अक्टूबर को दिल्ली मेट्रो रेल निगम को पत्र लिखकर 9 अक्टूबर की रात 9 बजे से यह व्यवस्था लागू करने और 10 अक्टूबर को हालात सामान्य होने तक जारी रखने का अनुरोध किया। पत्र में कुछ स्टेशनों पर मेट्रो रेल की आवृत्ति कम करने की बात भी कही गई है। यह प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी और वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़ा है। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव के दौरान गड़बड़ियां हुई हैं और मताधिकार प्रभावित हुआ है। इन आरोपों को लेकर राजनीतिक विरोध तेज हुआ है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग राजधानी के अलग-अलग हिस्सों से जुटकर संवेदनशील स्थानों की ओर बढ़ सकते हैं। प्रदर्शन जंतर-मंतर पर प्रस्तावित है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसके लिए अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद प्रदर्शन की तैयारियों और संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। पुलिस ने मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वारों पर पाबंदी लगाने का प्रस्ताव इसी आशंका के मद्देनजर रखा कि लोग स्टेशनों के आसपास एकत्र होकर आगे बढ़ सकते हैं। पुलिस के प्रस्ताव में मध्य दिल्ली से लेकर उत्तर, दक्षिण और पूर्वी दिल्ली तक के स्टेशन शामिल हैं। इनमें राजीव चौक, नई दिल्ली, केंद्रीय सचिवालय, खान मार्केट, आयकर कार्यालय, दिल्ली गेट, मंडी हाउस, सर्वोच्च न्यायालय, इंद्रप्रस्थ, आईएनए, हौज खास, लाजपत नगर, कश्मीरी गेट, करोल बाग, जामा मस्जिद, विश्वविद्यालय, सीलमपुर, शाहदरा और रोहिणी पश्चिम जैसे प्रमुख स्टेशन हैं। इस व्यापक सूची के कारण मेट्रो से रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है।



गणतंत्र दिवस 2027 पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी बन सकते हैं मुख्य अतिथि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नई दिल्ली भारत और कनाडा के बीच संबंधों को मजबूत करने की कोशिशों के बीच गणतंत्र दिवस 2027 के मुख्य अतिथि को लेकर एक अहम कूटनीतिक चर्चा सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत सरकार अगले साल 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने की संभावना पर विचार कर रही है। हालांकि, इस संबंध में अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और निमंत्रण को लेकर चर्चा शुरुआती चरण में बताई जा रही है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि कार्नी गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे या नहीं। यह चर्चा ऐसे समय सामने आई है, जब भारत और कनाडा दोनों देशों के बीच आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार बातचीत कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में तनाव देखने को मिला था, लेकिन अब दोनों सरकारें व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और अन्य साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समारोह में किसी विदेशी नेता को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करना दोनों देशों के संबंधों की दिशा का प्रतीक माना जाता है। रिपोर्टों के मुताबिक, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को आमंत्रित करने की संभावना का संबंध दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते से भी जुड़ा है। भारत और कनाडा इस समझौते को वर्ष 2026 के अंत तक अंतिम रूप देने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। यदि बातचीत निर्धारित समय में सफल रहती है, तो इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के नए अवसर खुल सकते हैं। हालांकि, गणतंत्र दिवस के निमंत्रण पर अंतिम निर्णय व्यापार वार्ता की प्रगति सहित विभिन्न कूटनीतिक पहलुओं को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा। भारत और कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को लेकर औपचारिक बातचीत शुरू हो चुकी है। इस समझौते का उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना, निवेश के अवसरों का विस्तार करना और दोनों देशों के कारोबारी संबंधों को अधिक मजबूत बनाना है। दोनों पक्षों ने पहले ही इस दिशा में काम आगे बढ़ाने और वर्ष के अंत तक बातचीत पूरी करने की प्रतिबद्धता जताई थी। ऐसे में आने वाले महीनों में होने वाली वार्ताओं को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी के बीच भी पिछले कुछ महीनों में संपर्क बढ़ा है। दोनों नेताओं ने जून 2026 में फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की थी। इस बातचीत में दोनों देशों के संबंधों में सकारात्मक प्रगति, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई थी। दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते की बातचीत को आगे बढ़ाने और उच्चस्तरीय संपर्क बनाए रखने पर भी जोर दिया था। इससे पहले मार्च 2026 में मार्क कार्नी भारत आए थे। यह कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में उनका पहला भारत दौरा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिसंबर में कनाडा जाने की भी संभावना जताई गई है। इस दौरे को भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



मोदक सागर बांध में पानी का स्तर घटकर 70 प्रतिशत पहुंचा, बाकी बांधों में कितना बचा जल भंडार?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पानी की आपूर्ति को लेकर नगर निगम सतर्क हो गया है। शहर को पानी उपलब्ध कराने वाले प्रमुख बांधों में से एक मोदक सागर में जलस्तर घटकर करीब 70 प्रतिशत रह गया है। बताया गया है कि जुलाई में यह बांध अपनी पूरी क्षमता तक भर गया था, लेकिन गर्मी और पानी के वाष्पीकरण के कारण इसके भंडार में कमी आई है। हालांकि, मुंबई नगर निगम के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर तक शहर को पानी उपलब्ध कराने वाले 7 बांधों में कुल जल भंडार उनकी संयुक्त क्षमता का करीब 95 प्रतिशत था। ऐसे में मोदक सागर में पानी घटने के बावजूद फिलहाल मुंबई में सूखे जैसी स्थिति नहीं बताई गई है। मुंबई नगर निगम की स्थायी समिति की ओर से विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों के लिए अध्ययन दौरा आयोजित किया गया। इस दौरान महापौर रितु तावड़े, स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे, सदन के नेता गणेश खंकर, विपक्ष की नेता किशोरी पेडनेकर और समिति के अन्य सदस्यों ने पिसे-पंजरापुर जलापूर्ति



व्यवस्था, पंपिंग स्टेशन तथा मोदक सागर और तानसा बांधों का निरीक्षण किया। दौरे का उद्देश्य जलापूर्ति व्यवस्था और बांधों में उपलब्ध पानी की स्थिति का जायजा लेना था। निरीक्षण के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जल भंडारण, संभावित गर्मी और आने वाले महीनों में पानी की उपलब्धता को लेकर चर्चा की गई। महापौर रितु तावड़े ने कहा कि मुंबई में अभी सूखे जैसे हालात नहीं हैं, लेकिन लोगों को पानी का इस्तेमाल सावधानी से करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पानी की बर्बादी रोकें और राज्य के किसानों की जरूरतों को भी ध्यान में रखें। अल नीनो के संभावित प्रभाव और फरवरी 2027 में पानी की उपलब्धता को लेकर पूछे गए सवाल पर महापौर ने कहा कि पानी की कटौती हटाने के संबंध में कोई भी निर्णय राज्य सरकार से सलाह-मशविरा करने के बाद ही लिया जाएगा। नगर निगम फिलहाल जल भंडारण की स्थिति पर नजर रख रहा है। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, 7 अक्टूबर तक मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाले 7 बांधों में कुल 1,368,827 मिलियन लीटर पानी जमा था। इन बांधों की संयुक्त भंडारण क्षमता 1,447,377 मिलियन लीटर बताई गई है। मुंबई में प्रतिदिन करीब 4,100 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। इन आंकड़ों के आधार पर कुल भंडारण क्षमता का लगभग 95 प्रतिशत पानी उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। हालांकि, मोदक सागर में जलस्तर घटने से यह सवाल उठने लगा है कि आने वाले महीनों में पानी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए नगर निगम को किन उपायों पर ध्यान देना होगा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अपर वैतरणा बांध में 97 प्रतिशत, तानसा में 92.58 प्रतिशत, मध्य वैतरणा में 99.74 प्रतिशत, भातसा में 97 प्रतिशत, विहार में 100 प्रतिशत और तुलसी बांध में 97.40 प्रतिशत पानी जमा था। वहीं, मोदक सागर बांध की कुल क्षमता 128,925 मिलियन लीटर बताई गई है और इसमें वर्तमान में करीब 70 प्रतिशत पानी शेष रहने की जानकारी दी गई। इस तरह अन्य बांधों में जल भंडारण का स्तर अपेक्षाकृत अधिक होने के बावजूद मोदक सागर की स्थिति पर विशेष नजर रखी जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, गर्मी बढ़ने के साथ बांधों में जमा पानी का कुछ हिस्सा वाष्पीकरण के कारण कम हो जाता है। पानी की उपलब्धता का आकलन करते समय मौजूदा भंडारण के साथ आने वाले महीनों की संभावित जरूरतों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। अधिकारी ने अक्टूबर 2009 की स्थिति का उदाहरण देते हुए बताया कि उस समय 7 बांधों में कुल क्षमता का 90 प्रतिशत से अधिक पानी जमा था, लेकिन भातसा बांध में जलस्तर काफी कम होकर करीब 30 प्रतिशत रह गया था। उस स्थिति में नगर निगम को पानी की कटौती लागू करनी पड़ी थी। इस पुराने अनुभव के कारण जल भंडारण की निगरानी और पानी के इस्तेमाल को नियंत्रित करने पर जोर दिया जा रहा है।

बारापूला कॉरिडोर के जाम पर पीडब्ल्यूडी और दिल्ली पुलिस आमने-सामने, डिजाइन पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में यातायात जाम से राहत देने के उद्देश्य से तैयार किए गए बारापूला एलिवेटेड कॉरिडोर के तीसरे चरण को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। जिस परियोजना से वाहन चालकों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद थी, वहां पिछले एक सप्ताह से लगातार यातायात बाधित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थिति को सुधारने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली यातायात पुलिस को एक सुझाव दिया, लेकिन पुलिस ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसके बाद कॉरिडोर पर यातायात व्यवस्था को लेकर दोनों विभागों के बीच मतभेद सामने आए हैं। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार, बारापूला फेज-2 फ्लाईओवर पर चढ़ने के लिए सन डायल पार्क और गुरुद्वारे के पास दो लूप बनाए गए हैं। इन दोनों प्रवेश मार्गों के बीच की दूरी करीब 375 मीटर है। विभाग का तर्क है कि इतने कम अंतराल में दो अलग-अलग स्थानों से वाहनों के फ्लाईओवर पर चढ़ने के कारण मुख्य मार्ग पर चल रहा यातायात प्रभावित होता है। जब एक तरफ से वाहन फ्लाईओवर पर प्रवेश करते हैं, तो पीछे से आने वाले वाहनों की गति धीमी हो जाती है। इससे कुछ ही समय में वाहनों की कतार



लगने लगती है और जाम की स्थिति बन जाती है। अधिकारियों का कहना है कि बारापूला फेज-2 फ्लाईओवर का संबंधित हिस्सा करीब 2 किलोमीटर लंबा है। इस हिस्से में वाहनों के चढ़ने और उतरने के लिए कुल 4 लूप बनाए गए हैं। इनमें 2 लूप फ्लाईओवर पर चढ़ने के लिए सन डायल पार्क और गुरुद्वारे के पास हैं, जबकि डिफेंस कॉलोनी फ्लाईओवर के नजदीक उतरने के लिए 2 लूप बनाए गए हैं। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक, चढ़ने वाले मार्गों से जितना यातायात फ्लाईओवर पर प्रवेश करता है, उसकी तुलना में उतरने वाले मार्गों से उतना यातायात बाहर नहीं निकलता। इस असंतुलन के कारण फ्लाईओवर पर वाहनों का दबाव बढ़ने की आशंका रहती है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, सन डायल पार्क के पास बने लूप से गुरुद्वारे के पास बने लूप की तुलना में करीब 3 गुना अधिक वाहन फ्लाईओवर पर चढ़ते हैं। विभाग का मानना है कि अधिक यातायात वाले इस प्रवेश मार्ग के कारण मुख्य सड़क पर चल रहे वाहनों की रफ्तार प्रभावित होती है। इसी समस्या को देखते हुए पीडब्ल्यूडी ने सन डायल लूप को अस्थायी रूप से बंद करने का सुझाव दिया था। विभाग को उम्मीद थी कि इससे वाहनों के प्रवेश का दबाव कम होगा और फ्लाईओवर पर यातायात का प्रवाह बेहतर हो सकेगा। हालांकि, दिल्ली यातायात पुलिस ने पीडब्ल्यूडी के इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया। ऐसे में फिलहाल सन डायल लूप को बंद करने की योजना आगे नहीं बढ़ पाई है। दोनों विभागों के बीच इस मुद्दे पर सहमति नहीं बनने के कारण जाम की समस्या का समाधान किस तरीके से किया जाएगा, यह स्पष्ट नहीं है। यातायात व्यवस्था संभालने वाली पुलिस और सड़क निर्माण तथा रखरखाव से जुड़े विभाग के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत भी इस विवाद के बाद सामने आई है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का दावा है कि फ्लाईओवर पर जाम की स्थिति बनने में ज्यादा समय नहीं लगता। वाहनों के प्रवेश मार्गों पर आपसी टकराव और धीमी गति के कारण करीब 2 किलोमीटर लंबे हिस्से में यातायात प्रभावित होने लगता है।

घाटकोपर में बनेगा दो मंजिला पुल, डिजाइन बदलने से निर्माण कार्य प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। घाटकोपर में यातायात की समस्या दूर करने के लिए निर्माणाधीन रोड ओवरब्रिज की योजना में बड़ा बदलाव किया गया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमआरआईडीसी) ने इस पुल को दो मंजिला व्यवस्था में विकसित करने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य स्थानीय वाहन चालकों और लंबी दूरी के यातायात को अलग-अलग मार्ग उपलब्ध कराना है, ताकि जाम की समस्या को कम किया जा सके। हालांकि, परियोजना का करीब 30 प्रतिशत काम पूरा होने के बाद डिजाइन में बदलाव किए जाने से निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। इसके चलते स्थानीय लोगों को रोजाना यातायात जाम और देरी का सामना करना पड़ रहा है। घाटकोपर में श्रेयस जंक्शन और पंत नगर जंक्शन के बीच बन रहे इस पुल की संशोधित योजना के तहत मौजूदा सड़क स्तर पर एक अतिरिक्त संपर्क मार्ग तैयार किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने के लिए लंबे रास्तों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। वहीं, मुख्य केबल-स्टेयड पुल का उपयोग लंबी दूरी के यातायात के लिए किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि स्थानीय और भारी यातायात को अलग-अलग स्तरों पर संचालित करने से सड़क पर वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। डिजाइन में बदलाव के कारण निर्माणाधीन पुल के तीन पियर कैप्स में संशोधन किया जा रहा है। इनमें आर, आरपी-16 और आरपी-17 नाम से चिह्नित संरचनाएं शामिल हैं। परियोजना का एक हिस्सा पूरा होने के बाद इन संरचनाओं में बदलाव किए जाने से निर्माण की प्रक्रिया पर असर पड़ा है। स्थानीय लोगों के लिए यह स्थिति परेशानी का कारण बन रही है, क्योंकि घाटकोपर के इस क्षेत्र में पहले से ही वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। निर्माण कार्य के चलते यातायात प्रभावित होने से रोजाना कार्यालय जाने वाले लोगों, वाहन चालकों और अन्य यात्रियों को अतिरिक्त समय लगाना पड़ रहा है। महाराष्ट्र रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अनुसार, संशोधित योजना में स्थानीय घाटकोपर के निवासियों के लिए निचले स्तर पर संपर्क मार्ग तैयार करने की व्यवस्था की गई है। इससे उन्हें मुख्य पुल पर जाने या लंबा चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी। दूसरी ओर, मुख्य पुल की ऊंचाई कुछ मीटर बढ़ाने की योजना है, ताकि अंधेरी और पूर्वी एक्सप्रेसवे के बीच आने-जाने वाले भारी यातायात को बेहतर मार्ग मिल सके। इस व्यवस्था के जरिए स्थानीय सड़कों और मुख्य मार्ग पर वाहनों के दबाव को अलग-अलग करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पुल की योजना अगले 80 से 100 वर्षों की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है।



आईआईटी बॉम्बे के हॉस्टल में गैस पाइप से रिसाव के बाद धमाका, आग से 5 लोग झुलसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पवई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के परिसर में गुरुवार रात गैस रिसाव के बाद आग लगने और तेज धमाके की घटना से हड़कंप मच गया। परिसर के हॉस्टल नंबर 6 में हुई इस घटना के बाद वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी फैल गई। आग की चपेट में आने से 5 लोग झुलस गए, जिनमें 12 और 9 साल के 2 बच्चे भी शामिल हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सभी की हालत स्थिर बताई गई है। बीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना गुरुवार रात करीब 10:24 बजे राजावाड़ी अस्पताल से मिली। शुरुआती जानकारी में सामने आया कि हॉस्टल में गैस सिलेंडर की पाइपलाइन से गैस का रिसाव हुआ था। इसके बाद आग भड़क गई और तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। घटना के दौरान वहां मौजूद 5 लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए। धमाके और आग की खबर फैलते ही परिसर में हलचल बढ़ गई। सूचना मिलने पर संबंधित विभागों के कर्मचारियों को घटनास्थल पर भेजा गया और घायलों को तत्काल चिकित्सा



सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। घटना में घायल हुए लोगों में 12 वर्षीय अंश अहिरवार और 9 वर्षीय तहजीब आलम शामिल हैं। दोनों को उपचार के लिए कस्तूरबा अस्पताल भेजा गया। वहीं, 37 वर्षीय ईश्वर सिंह को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा 34 वर्षीय शिवकुमार सिंह और 23 वर्षीय अनिलकुमार यादव को भी कस्तूरबा अस्पताल भेजा गया। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक, सभी 5 घायलों की हालत स्थिर है। घटना के बाद घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में पहुंचाकर उनका उपचार शुरू किया गया। हॉस्टल में गैस रिसाव के कारण आग लगने की इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई। पुलिस और बीएमसी के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी जुटाई। शुरुआती सूचना में गैस पाइप से रिसाव को आग लगने की वजह बताया गया है। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल घायलों की स्थिति स्थिर होने की जानकारी सामने आई है। इसी बीच मुंबई के मुलुंड ईस्ट स्थित नवघर इलाके में भी आग लगने की एक अलग घटना सामने आई। यहां निर्माण श्रमिकों के लिए बीएमसी की पीएपी परियोजना के तहत बनाए गए जी-प्लस-1 लेबर कैंप में आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिसर में किसी स्थान पर लगी छोटी आग से घटना की शुरुआत होने की आशंका है। इसके बाद गैस सिलेंडरों में विस्फोट होने की सूचना सामने आई। बताया गया कि आग के दौरान 7 गैस सिलेंडर फट गए, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। नवघर स्थित श्रमिक शिविर में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। राहत की बात यह रही कि परिसर में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के कर्मचारी आग पर काबू पाने में जुटे रहे और घटनास्थल पर आवश्यक इंतजाम किए गए। मुंबई में एक ही रात सामने आई इन दोनों घटनाओं ने गैस सिलेंडर और गैस पाइपलाइन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

सचिन वझे की आलीशान जीवनशैली पर बॉम्बे हाईकोर्ट हैरान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई कारोबारी मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के बाहर विस्फोटक सामग्री मिलने और कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में आरोपी पूर्व सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) सचिन वझे की जीवनशैली पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सवाल उठाए हैं। गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि पुलिस विभाग में एपीआई के पद पर रहते हुए महंगी मर्सिडीज जैसी कारों का इस्तेमाल करना और करीब 100 दिनों तक पांच सितारा ओबेरॉय होटल में ठहरना कैसे संभव हुआ। अदालत ने वझे की जमानत के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अपील पर सुनवाई करते हुए उनकी जमानत पर लगी अंतरिम रोक 14 अक्टूबर तक बढ़ा दी। वझे फिलहाल ठाणे सेंट्रल जेल में बंद हैं। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की पीठ के सामने एनआईए की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने मामले से जुड़े गवाहों के बयान और अन्य तथ्यों का उल्लेख किया। इन बयानों में वझे द्वारा मर्सिडीज और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी कारों के इस्तेमाल का जिक्र था। इस पर अदालत ने उनकी आय और जीवनशैली को लेकर सवाल किए। पीठ ने पूछा कि एपीआई रैंक का एक अधिकारी महंगी कार से अपने कार्यालय, पुलिस आयुक्त के कार्यालय और मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'वर्षा' तक कैसे जाता था। अदालत ने ओबेरॉय होटल में करीब 100 दिनों तक ठहरने को लेकर भी सवाल उठाया। पीठ ने पूछा कि क्या एक पुलिस अधिकारी के वेतन से इतने लंबे समय तक पांच सितारा होटल में रहना और महंगी गाड़ियों का इस्तेमाल करना संभव है। सुनवाई के दौरान एनआईए ने बताया कि एपीआई स्तर के अधिकारी का मासिक वेतन करीब 90 हजार रुपये होता है। अदालत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि वझे की कथित जीवनशैली से जुड़े ये पहलू उनके खिलाफ लगाए गए वसूली के आरोपों के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, ये टिप्पणियां सुनवाई के दौरान उठे सवाल हैं, न कि मामले में दोष सिद्ध होने का निष्कर्ष।

पत्नी की हत्या के आरोपी इंजीनियर पति ने लगाया व्हाट्सऐप स्टेटस– 'उसने मुझे धोखा दिया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। धाराशिव जिले में पत्नी के चरित्र पर शक को लेकर एक इंजीनियर पति पर अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, गणेश शिवाजी टेकाले पर पत्नी कोमल टेकाले को खेत में ले जाकर पत्थर से हमला कर उसकी हत्या करने का आरोप है। घटना के दौरान दंपती का करीब 4 साल का बेटा भी मौके पर मौजूद था। वारदात के बाद आरोपी ने कथित तौर पर व्हाट्सऐप पर एक स्टेटस लगाया, जिसमें पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए उसे सजा देने की बात लिखी गई थी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, गणेश अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पत्नी से कथित संबंधों को लेकर मोबाइल पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। इस रिकॉर्डिंग में उससे कुछ बातें कहलवाए जाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, यह वीडियो रिश्तेदारों और कुछ अन्य लोगों तक भी पहुंचाया गया था। इसके बाद पति-पत्नी के बीच तनाव और बढ़ गया। हालांकि, इन रिकॉर्डिंग से जुड़े पूरे घटनाक्रम की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।



जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 2:30 से 3 बजे के बीच दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके कुछ घंटे बाद शाम करीब 6 बजे गणेश अपनी पत्नी को बाइक पर बैठाकर कलंब-येरमाला मार्ग की ओर निकला। आरोप है कि वह कोमल को हासेगांव (केज) क्षेत्र के एक ज्वार के खेत में ले गया। वहां दोनों के बीच दोबारा विवाद हुआ और मामला हिंसा में बदल गया। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान गणेश ने कोमल पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना का सबसे दुखद पहलू यह है कि दंपती का करीब 4 साल का बेटा भी उस समय मौके पर मौजूद था। पुलिस को घटनास्थल तक पहुंचने में बच्चे से मिली जानकारी मददगार साबित हुई। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से संभावित साक्ष्य जुटाए। पुलिस जांच में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर साझा की गई सामग्री भी अहम मानी जा रही है। आरोप है कि वारदात से पहले पत्नी को लेकर वीडियो रिकॉर्ड किया गया था और हत्या के बाद आरोपी ने व्हाट्सऐप स्टेटस लगाया। इस स्टेटस में उसने कथित तौर पर लिखा, 'उसने मुझे धोखा दिया, उसे मैंने सजा दी।' पुलिस इन डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है, ताकि घटना से पहले हुए विवाद और वारदात के बाद आरोपी की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस के अनुसार, गणेश टेकाले पेशे से इंजीनियर है और फिलहाल बेरोजगार बताया जा रहा है। वह पुनर्वसन सावरगांव में रहता था। उसके नशे के सेवन से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, घटना में इसकी कोई भूमिका रही या नहीं, इस बारे में अभी कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। वारदात के बाद आरोपी के मौके से फरार होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर साक्ष्य जुटाए हैं और आरोपी की तलाश के लिए कार्रवाई शुरू की है। जांच में पत्नी को लेकर जताए गए संदेह, दोनों के बीच हुए विवाद, मोबाइल रिकॉर्डिंग और कथित व्हाट्सऐप स्टेटस समेत सभी पहलुओं को शामिल किया जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक के नए प्रमुख बागची को 43 करोड़ का पैकेज

मुंबई ।

एचडीएफसी बैंक के अगले मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप बागची देश के बैंकिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले बैंकर बनने जा रहे हैं।

उन्हें पहले साल करीब 43 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिलेगा। इसमें 8.97 करोड़ रुपये का निश्चित वेतन, 26.92 करोड़ रुपये का परिवर्तनीय भुगतान और 7.3 करोड़ रुपये का एकमुश्त जॉइनिंग बोनस शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उनके वेतन को मंजूरी दी है, और अब बैंक शेयरधारकों की अनुमति मांग रहा है। बागची मौजूदा एमडी शशिधर जगदीशन का कार्यकाल समाप्त होने के बाद 27 अक्टूबर को पदभार संभालेंगे।

पीसी ज्वैलर कर्ज-मुक्त, मजबूत मांग से राजस्व बढ़ा

मुंबई ।

दिल्ली की प्रमुख कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने बैंकों के साथ अपनी कर्ज निपटान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसके बाद अब कंपनी कर्ज-मुक्त हो गई है। इस खबर से निवेशकों में उत्साह है। कंपनी को अपनी गिरवी रखी संपत्तियां भी वापस मिल गई हैं। इसके अतिरिक्त, मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते दूसरी तिमाही में कंपनी के राजस्व में 28 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इन सकारात्मक घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप, हाल के कारोबारी सत्रों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई है, जो 7.5 प्रतिशत तक ऊपर चढ़े हैं। पिछले सत्र में शेयर 13.91 रुपए पर बंद हुआ, जिसका मार्केट कैप 13,549.85 करोड़ रुपए रहा।

रियाद में अकासा एयर और एयर इंडिया की उड़ानें 10 अक्टूबर तक रद्द

मुंबई ।

भारतीय एयरलाइन अकासा एयर ने रियाद में बिगड़ते सुरक्षा हालात के मद्देनजर अपनी सभी उड़ानें 10 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं।

इसी क्रम में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी रियाद आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को इसी अवधि तक के लिए स्थगित कर दिया है। यह निर्णय हाल ही में सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों पर हुए हमलों के बाद लिया गया है। अकासा एयर ने एक्स पर बताया कि वे हालात पर नज़र रख रहे हैं। प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के यात्रा पुनर्निर्धारित करने का विकल्प दिया गया है।

ट्रैवल पार्टनर से बुकिंग करने वालों को उनसे सीधे संपर्क करने की सलाह है। दोनों एयरलाइनों ने यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है।

आरबीआई की नकदी खींचने की कोशिश नाकाम, बैंकों ने लौटाया पैसा!

2 लाख करोड़ की नीलामी में सिर्फ 79,655 करोड़ रुपये जमा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी निकालने के अपने प्रयासों को झटका लगा। 2 लाख करोड़ रुपये की 29 दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी में बैंकों ने उम्मीद से काफी कम, मात्र 79,655 करोड़ रुपये जमा किए। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि बैंक फिलहाल छोटी अवधि की इन नीलामियों में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे, क्योंकि जमा किया गया पैसा कम समय बाद ही वापस आ जाता है। इसके बजाय, बैंक अब आरबीआई द्वारा सरकारी बॉन्ड (जी-सेक) बेचने के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, जिससे अतिरिक्त नकदी लंबे समय के लिए सिस्टम से बाहर हो सके। बुधवार को बैंकिंग सिस्टम में 4.23 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी थी। इस बीच 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 7.29 फीसदी पहुंच गई, जो दिसंबर 2023 के बाद का उच्चतम स्तर है। बाजार दिसंबर में रेपो रेट में 0.50 फीसदी बढ़ोतरी की आशंका भी जता रहा है। अतिरिक्त तरलता और वैश्विक तनाव भी बॉन्ड बाजार पर दबाव डाल रहे हैं। आरबीआई शुक्रवार को 1.5 लाख करोड़ रुपये की एक और नीलामी करेगा, लेकिन बाजार की मुख्य नजर सरकारी बॉन्ड बेचने के ऐलान पर है, जिसका लंबी अवधि की ब्याज दरों पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 879 अंक, निफ्टी 289 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं पिछले दो दिनों से बाजार में गिरावट रही थी। वहीं आज बाजार में बढ़त से निवेशकों के चेहरे खिल गये।

आज सत्र के अंत में आईटी , एफएमसीजीऔर बैंकिंग सेक्टर में आई खरीददारी से भी बाजार में तेजी आई।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 879 अंक बढ़कर 72,472 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 289 अंक ऊपर आकर 22,520 के स्तर पर पहुंच गया। आज कुल 2,344 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 1,686 शेयरों में गिरावट रही। वहीं, बाजार में उतार-चढ़ाव को दिखाने वाला इंडिया विक्स 6.0 फीसदी नीचे आकर 14.00 के करीब आ गया।

आज आईटी और एफएमसीजी शेयरों में भारी तेजी रही। सेक्टरवाइज प्रदर्शन की बात करें तो आज लगभग सभी प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी में 2.25 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.62 फीसदी , और निफ्टी सर्विसेज में



1.79 फीसदी का उछाल आया। मिडकैप इंडेक्स 1.46 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.55 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।

आज सबसे अधिक लाभ में अपोलो हॉस्पिटल्स , आईटीसी, आयशर मोटर्स , टीसीएस, एचसीएल टेक और अडानी पोर्ट्स के शेयर रहे जबकि सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में सिप्ला , जेएसडब्ल्यू स्टील और रिलायंस । वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 850 अंक उछलकर 72,430 और निफ्टी 270 अंक सुधरकर 22,502 पर पहुंच गया!

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबल शुक्रवार के भारतीय रुपया 13 पैसे की तेजी के साथ ही 96.75 पर बंद हुअ। आज शुरुआती कारोबार में रुपय 23 पैसे मजबूत होकर 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर में मामूली नरमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, घरेलू मुद्रा पर व्यापक भू-राजनीतिक दबाव बना हुआ है और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से दबाव और बढ़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.74 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 13 पैसे टूटकर 96.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 102.03 पर रहा।

एचडी फायर प्रोटेक्ट का आईपीओ 13 अक्टूबर को खुलेगा

- निवेशक 15 अक्टूबर तक इसमें बोली लगा सकेंगे

नई दिल्ली ।

आग से सुरक्षा उपकरण बनाने वाली अग्रणी कंपनी एचडी फायर प्रोटेक्ट प्राइमरी मार्केट में एक बार फिर उत्साह लाने वाली है। कंपनी अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लेकर आ रही है, जिसका लक्ष्य करीब 712 करोड़ रुपये जुटाना है। यह पब्लिक इश्यू 13 अक्टूबर को खुलेगा और निवेशक 15 अक्टूबर तक इसमें बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के लिए प्रति शेयर 258 से 271 रुपये का प्राइस बैंड तय है, जहां एक लॉट में 55 शेयर (लगभग 14,905 रुपए का निवेश) मिलेंगे। यह पूरा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, यानी कंपनी को सीधा कोई फंड नहीं मिलेगा, बल्कि मौजूदा शेयरधारक हिस्सेदारी बेचेंगे। आईपीओ के बाद प्रमोटरों की हिस्सेदारी 100 फीसदी से घटकर 85 फीसदी रह जाएगी, जिससे कंपनी का मूल्यांकन लगभग 4,749 करोड़ रुपए होगा। एचडी फायर प्रोटेक्ट आग बुझाने वाले उपकरण बनाती है और भारत सहित 90 से अधिक देशों में कारोबार करती है। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी की परिचालन आय 489 करोड़ रुपए और लाभ 117 करोड़ रुपए रहा। विश्लेषक इस आईपीओ को लेकर सकारात्मक हैं। वे कंपनी के मजबूत मुनाफे, कर्जमुक्त स्थिति और अंतरराष्ट्रीय विस्तार की संभावनाओं को इसकी ताकत मानते हैं। हालांकि, ग्राहकों व सप्लायरों पर निर्भरता, साथ ही कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसे जोखिम भी मौजूद हैं। लंबी अवधि के लिए, कंपनी के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों को देखते हुए विश्लेषक इस आईपीओ पर बुलिश हैं।

ट्रंप शेयर बाजार में सक्रिय, स्पेसएक्स जैसे बड़ी कंपनियों में किया लाखों डॉलर का निवेश

मेटा में 50 लाख डॉलर से लेकर 2.5 करोड़ डॉलर के कई नए शेयर खरीदे

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शेयर बाजार में सक्रिय नजर आ रहे हैं, जिसका खुलासा हाल ही में जारी एक वित्तीय रिपोर्ट से हुआ है। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने मेटा प्लेटफॉर्म्स, मैकडॉनल्ड्स और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कई बड़ी कंपनियों में 10 लाख डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने एलन मस्क की रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के भी कम से कम 10 लाख डॉलर के डेट खरीदे हैं। यह जानकारी अमेरिकी ऑफिस ऑफ गवर्नमेंट एथिक्स द्वारा जारी फाइलिंग में सामने आई है, जिसमें अगस्त में ट्रंप द्वारा किए गए 517 सौदों का विवरण दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक फाइलिंग में बताया गया है कि ट्रंप के निवेश खातों में हर तीन महीने में बड़े वित्तीय लेनदेन हुए, जिसके दौरान कई प्रमुख कंपनियों के शेयर खरीदे गए हैं। अगस्त माह में ट्रंप ने मेटा में 50 लाख डॉलर से लेकर 2.5 करोड़ डॉलर तक के कई नए शेयर खरीदे। इसके बाद 10 अगस्त को माइक्रोसॉफ्ट, मैकडॉनल्ड्स और कॉमकास्ट जैसी प्रमुख कंपनियों में 10 लाख डॉलर से 50 लाख डॉलर के बीच हिस्सेदारी खरीदी। 21 अगस्त को ट्रंप ने एटी एंड टी, कोनोकोफिलिप्स, एबट लेबोरेटरीज, नेटफ्लिक्स और शेवरॉन में से प्रत्येक कंपनी में 1 लाख डॉलर से 5 लाख डॉलर तक का दांव लगाया।

रिपोर्ट के मुताबिक 18 अगस्त को एलन मस्क की कंपनी द्वारा जारी सीनियर अनसिक्योर्ड बॉन्ड्स में 10 लाख डॉलर से 50 लाख डॉलर का निवेश किया गया। ये कॉर्पोरेट डेट 5.35फीसदी की यील्ड के साथ आते हैं और जुलाई 2031 में मैच्योर होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस निवेश के महज दो दिन बाद, 20 अगस्त को ट्रंप ने नेशनल स्पेस ट्रांसपोर्टेशन पॉलिसी पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य अमेरिका के वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ावा देना और 2030 तक सालाना 1,000 से ज्यादा रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है।



रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कुछ कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेची भी है। 21 अगस्त को उन्होंने सेमीकंडक्टर कंपनी एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस और उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी चर्च एंड ड्वाइट के 10 लाख डॉलर से 50 लाख डॉलर के शेयर बेचे। इसके अलावा, उन्होंने बोइंग, होम डिपो, टी-मोबाइल, डेटाडॉग, डेल टेक्नोलॉजीज, पालो अल्टो नेटवर्क्स और एनवीडिया जैसी कंपनियों में भी अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेची।

सिनेपोलिस और कोका-कोला पर 85,000 का जुर्माना

पटना ।

बिहार की राजधानी पटना में उपभोक्ता आयोग ने सिनेपोलिस सिनेमा और कोका-कोला कंपनी पर 85,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।

यह जुर्माना सिनेमा हॉल में एक दर्शक को अपनी पानी की बोतल ले जाने से रोकने और परिसर के अंदर अत्यधिक कीमत पर पैकेज्ड पानी खरीदने के लिए मजबूर करने के अनुचित व्यापार व्यवहार के कारण लगाया गया है।

यह फैसला शिकायतकर्ता रजत तिवारी द्वारा कंज्यूमर कोर्ट में दायर केस के लगभग एक दशक बाद आया है। मामला 23 सितंबर 2016 का है, जब एक यहां के एक स्थानीय निवासी सिनेपोलिस सिनेमा हॉल में फिल्म देखने गए थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अपनी पानी की बोतल अंदर ले जाने से रोक दिया, जिसके बाद उन्हें परिसर में किनले की बोतल 50 रुपए में खरीदनी पड़ी, जबकि बाहर इसका खुदरा मूल्य 20 रुपए था। इस घटना के बाद तिवारी ने अनुचित व्यापार व्यवहार और मानसिक परेशानी के लिए मुआवजे की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। सुनवाई के दौरान, सिनेपोलिस ने मूल्य निर्धारण में अपनी भूमिका से इनकार किया, वहीं कोका-कोला ने अपनी कीमतों को नियमों के अनुरूप बताया।

हालांकि, आयोग की पीठ ने दोनों कंपनियों की दलीलों को खारिज करते हुए दर्शक को बाहर से पानी लाने से रोकने और एक ही उत्पाद के लिए अलग-अलग कीमत वसूलने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। आयोग ने निर्देश दिया है कि 45 दिनों के भीतर निर्धारित राशि जमा न करने पर ब्याज लगाया जाएगा। यह आदेश उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण और सार्वजनिक स्थलों पर अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फील्डमार्शल ने उतारे भारत के पहले टीआरईएम वी एकल-सिलेंडर डीज़ल इंजन

मुंबई ।

प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी फील्डमार्शल पीएम डीज़ल्स प्राइवेट लिमिटेड ने 15 और 18 अश्वशक्ति (हॉर्स पावर) श्रेणी में नए एकल-सिलेंडर डीज़ल इंजन पेश किए हैं। कंपनी का कहना है कि ये भारत के पहले एआरएआई-अनुमोदित और टीआरईएम वी-मानकों का पालन करने वाले (कंप्लायंट) इंजन हैं, जो देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति है। ये नए इंजन विशेष रूप से छोटे ट्रैक्टरों और कृषि मशीनों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इनमें उन्नत तकनीक, बेहतर ईंधन दक्षता और टिकाऊपन पर विशेष ध्यान दिया गया है। इनका सुसंहत (कॉम्पैक्ट) डिज़ाइन खेती से जुड़े विभिन्न कार्यों में इनके उपयोग को आसान बनाता है। इन इंजनों में भारत में विकसित एग्जॉस्ट गैस रीसर्कुलेशन (ईजीआर) प्रणाली शामिल की गई है, जो उत्सर्जन को कम करने और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में मदद करती है। यह प्रणाली नए टीआरईएम वी उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करती है। कंपनी अब उन्नत इंजन, ट्रैक्टर व कृषि मशीनीकरण समाधान विकसित करने पर केंद्रित है, साथ ही कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, जल समाधान और बुनियादी ढांचे में विस्तार की भी योजना है।

महंगाई की मार, अब खाना भी नहीं सस्ता! सब्जियों-तेल-गैस ने बढ़ाई मुश्किलें.

- सितंबर में थाली 10 फीसदी तक महंगी, प्याज ने बिगाड़ा स्वाद

नई दिल्ली ।

आम लोगों की रसोई का बजट एक बार फिर महंगाई की मार झेल रहा है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा रोटी राइस रेट रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर माह में घर पर तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर 10 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। वहीं, मांसाहारी थाली भी 6 फीसदी महंगी हुई है। सब्जियों, खासकर प्याज, के साथ-साथ खाद्य तेल, चावल और एलपीजी की बढ़ती कीमतों ने घरेलू खर्चों में भारी वृद्धि कर दी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल सितंबर में एक शाकाहारी थाली तैयार करने में 28.1 रुपये लगते थे, जो इस साल बढ़कर 30.8 रुपये हो गए। इसी तरह, मांसाहारी थाली की कीमत 56 रुपये से बढ़कर 59.5 रुपये तक पहुंच गई है। अगस्त की तुलना में सितंबर में शाकाहारी थाली 4 फीसदी और मांसाहारी थाली 3 फीसदी और महंगी हुई है, जिससे आम परिवारों पर सीधा वित्तीय बोझ पड़ा है। रसोई के बजट पर सबसे गहरा असर प्याज की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में प्याज के दाम सालाना आधार पर 89 फीसदी बढ़कर 53 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए, जबकि पिछले साल यह 28 रुपये प्रति किलोग्राम थे। एक महीने के भीतर ही प्याज की कीमतों में 34 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। रबी फसल के उत्पादन में कमी, कम बारिश और खरीफ फसल की बुआई में देरी के कारण बाजार में प्याज की आवक प्रभावित हुई है, जिससे इसकी कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है। प्याज के अलावा, खाद्य तेल की कीमतें भी सालाना आधार पर 12 फीसदी और घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 10 फीसदी बढ़े हैं, जबकि चावल की कीमतों में 8 फीसदी की तेजी आई है। इन सभी कारकों ने मिलकर रसोई का कुल खर्च बढ़ा दिया है।

प्याज, चावल, एलपीजी और तेल के बढ़े दाम, घर के खाने पर बढ़ी महंगाई

शाकाहारी थाली 10 तो मांसाहारी 8 प्रतिशत तक महंगी

नई दिल्ली।

सितंबर के महीने में आम परिवारों की रसोई का बजट एक बार फिर डगमगा गया है। घर में बनने वाले रोजाना के खाने पर महंगाई का असर साफ दिखने लगा है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा 'रोटी राइस रेट' रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में घर में तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की लागत सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ गई है। वहीं मांसाहारी थाली भी 6 फीसदी महंगी हुई है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल सितंबर में जिस वेज थाली को तैयार करने में 28.1 रुपये का खर्च आता था, अब उसकी कीमत बढ़कर 30.8 रुपये हो गई है। इसी तरह नॉन-वेज थाली की लागत भी 56 रुपये से बढ़कर 59.5 रुपये पर पहुंच गई है। अगर महीने दर महीने के हिसाब से देखें, तो अगस्त के मुकाबले सितंबर में वेज थाली 4 फीसदी व नॉन-वेज थाली 3 फीसदी महंगी हुई है। प्याज की कीमतों में 89 प्रतिशत का भारी उछाल रसोई के इस बढ़ते खर्च के पीछे सबसे बड़ी वजह प्याज की कीमतों में आई जोरदार तेजी है। रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में प्याज के दाम सालाना आधार पर 89 फीसदी तक उछल गए। पिछले साल इसी महीने में जो प्याज 28 रुपये प्रति किलो मिल रहा था, इस साल उसकी कीमत 53 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई। रबी सीजन में प्याज के उत्पादन में 5 से 6 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसके चलते बाजार में पुराना स्टॉक काफी कम रह गया। इसके साथ ही इस साल जून में सामान्य से 40 फीसदी कम बारिश हुई। बारिश की कमी से खरीफ फसल की बुआई में देरी हुई और मंडियों में नई फसल की आवक पिछड़ गई। केवल एक महीने के भीतर ही प्याज की कीमतों में 34 फीसदी की भारी तेजी दर्ज की गई है। तेल, चावल, एलपीजी सिलेंडर भी हुए महंगे थाली का खर्च सिर्फ प्याज की वजह से ही नहीं बढ़ा, बल्कि रसोई की दूसरी जरूरी चीजों ने भी जेब पर भार डाला है।

जीएसटी व्यवस्था में बड़ा बदलाव, कारोबारियों को मिलेगी राहत

90 फीसदी रिफंड बिना अधिकारी हस्तक्षेप के, इनपुट टैक्स क्रेडिट का दायरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने कारोबारियों के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को कहीं अधिक सरल और अनुकूल बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। इन बड़े बदलावों से व्यवसायों के लिए नकदी प्रवाह में सुधार होगा, करदाताओं और अधिकारियों के बीच अनावश्यक संपर्क कम होगा, और जीएसटी प्रशासन प्रणाली-संचालित बनेगा। प्रमुख सुधारों में तेज रिफंड प्रक्रिया और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दायरे का विस्तार शामिल है। सबसे महत्वपूर्ण सुधार रिफंड प्रक्रिया में किए गए हैं। अब पात्र दावों की 90 फीसदी राशि अधिकारी के हस्तक्षेप के बिना जारी हो जाएगी, जिससे प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा। रिफंड दावे की स्वीकृति की पुष्टि का समय 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दिया गया है, और यदि 10 दिनों के भीतर कोई समस्या नहीं बताई जाती है, तो दावे को स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। स्वीकृति के तीन कार्यदिवस के भीतर रिफंड आदेश जारी हो जाएगा, जिससे कारोबारियों की नकदी उपलब्धता में काफी सुधार होगा।

इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दायरे को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया गया है। इनपुट सेवाओं पर जमा आईटीसी का रिफंड 1 नवंबर, 2026 से और निर्यातकों के लिए प्लांट एवं मशीनरी पर आईटीसी का रिफंड 1 अप्रैल, 2027 से उपलब्ध होगा।

इससे संबंधित एक अधिकारी ने इसे कारोबार के लिए बड़ा प्रोत्साहन बताया। कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और जीवन बीमा, फैक्ट्रियों के बाहर लगाए गए दूरसंचार टावर और पाइपलाइन जैसे कुछ कारोबारी खर्चों पर भी आईटीसी उपलब्ध कराने की सिफारिश की गई है। इसके अतिरिक्त, ईमानदार खरीदारों के आईटीसी से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जो तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देगी।

टीसीएस का दूसरी तिमाही में मुनाफा 15 फीसदी बढ़ा, आय 11 फीसदी उछली

- कंपनी ने 13,884 करोड़ का मुनाफा कमाया; एआई राजस्व तीन अरब डॉलर के पार

मुंबई ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में मजबूत नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 15 प्रतिशत बढ़कर 13,884 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जबकि परिचालन आय में भी 11.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस तिमाही में टीसीएस की परिचालन आय बढ़कर 73,188 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि वृद्धि व्यापक आधार वाली रही, जिसमें सभी अंतरराष्ट्रीय बाजार और उद्योग क्षेत्र शामिल थे। उन्होंने बताया कि कृत्रिम मेधा (एआई) से होने वाला वार्षिक राजस्व बढ़कर तीन अरब डॉलर हो गया है, जो पिछली तिमाही के 2.6 अरब डॉलर से अधिक है। कंपनी ने इस अवधि में कुल 9.6 अरब डॉलर के नए सौदों पर हस्ताक्षर किए, जो पिछली तिमाही से मामूली अधिक हैं।

टीसीएस ने 4,258 कर्मचारियों को जोड़ा, जिससे कुल कर्मचारियों की संख्या 5,98,056 पर पहुंच गई।

ऊर्जा, संसाधन एवं उपयोगिता कारोबार में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि भारत में क्षेत्रीय स्तर पर 6 प्रतिशत की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 12 रुपये लाभांश की सिफारिश की है, जिसके लिए रिकॉर्ड तारीख 14 अक्टूबर है।

गुलाबी डॉल्फिन



डॉल्फिन को इंसान की दोस्त माना जाता है। इसे बच्चों के साथ खेलना बेहद पसंद है। पृथ्वी पर इंसान के बाद डॉल्फिन ही सबसे ज़्यादा बुद्धिमान प्राणी मानी जाती है। दुनियाभर में इसकी 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका आकार चार फुट से 30 फुट और वज़न 40 किलोग्राम से 10 टन तक हो सकता है। डॉल्फिन एक ही समय पर तैर भी सकती हैं और सो भी सकती हैं। डॉल्फिन को पानी में जंप करना बहुत पसंद है। दक्षिण एशिया में डॉल्फिन की एक ऐसी प्रजाति पाई जाती है, जो जन्म के समय कुदरती तौर पर अंधी होती है।

इन डॉल्फिन का सोनर सिस्टम बहुत संवेदनशील होता है और ये अपने शरीर के एक ओर ही तैरती हैं। अमेज़न नदी में रहने वाली डॉल्फिन का रंग गुलाबी है। इसका गुलाबी रंग नदी के पानी और इसके भोजन के कारण है। ये रोज़ाना काफ़ी ज़्यादा भोजन खाती हैं। इन्हें अकेले खाना पसंद नहीं है। जब भी इन्हें मछलियों का झुंड दिखाई देता है, ये ऊंची आवाज़ में अपनी साथी डॉल्फिंस को बुला लेती हैं।

गुलाबी डॉल्फिन लगभग ग्रे डॉल्फिन की ही तरह होती है, पर इन कुछ भिन्नता भी है। इसकी लंबाई 2.5 से 3 मीटर और वज़न 90 किलोग्राम तक होता है। इसकी पीठ और माथे पर कूबड़ होता है और इसकी पूंछ और गर्दन भी ग्रे डॉल्फिन के मुक़ाबले थोड़ी-सी लंबी होती है। छोटी आंखों वाली गुलाबी डॉल्फिन अपना सिर 180 डिग्री पर घुमा सकती है। इनका शरीर लैसीबल होता है, इसलिए ये 20 मील प्रति घंटे की दर से पानी में तैर सकती हैं। यह 15 मिनट तक पानी के नीचे रह सकती है, फिर इसे सांस लेने के लिए इन्हें पानी के ऊपर आना पड़ता है।

गेटवे ऑफ जापान

जापान में पांच ऐसे एयरपोर्ट हैं, जो पूरी तरह समुद्र में बने हुए हैं। ये हैं- नागासाकी एयरपोर्ट, कंसाई इंटरनैशनल एयरपोर्ट, चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट, कोबे एयरपोर्ट और कितायूशू एयरपोर्ट। चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट जापान का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट है, जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल आईलैंड पर बना हुआ है। यह नागोया शहर से 35 किलोमीटर दक्षिण में आइस बे ऑफ चिता पेनिन्सुला में स्थित है।

17 फरवरी 2005 से यहां से हवाई सेवाएं शुरू की गईं। 24 घंटे सेवाएं देने वाला यह एयरपोर्ट देश के बीच स्थित होने के कारण जापान का गेटवे भी कहलाता है। इसे प्यार से 'टोयोटा एयरपोर्ट' भी कहते हैं। अगस्त 2000 में इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया।



अनुमान लगाया गया था कि इसके निर्माण की लागत 768 बिलियन जापानी येन आएगी, लेकिन सफल प्रबंधन के चलते इसमें लगभग 100 बिलियन जापानी येन कम खर्च हुए। इसका निर्माण पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखकर किया गया। इस एयरपोर्ट के लिए आर्टिफिशियल आईलैंड अंग्रेज़ी के अक्षर 'डी' के आकार में बनाया गया, ताकि खाड़ी के भीतर समुद्र की लहरें आज़ादी से बह सकें।

टेकऑफ एंड लैंडिंग- 580 हैक्टेयर में फैले सेंट्रेयर एयरपोर्ट में चार मंज़िलें हैं। रनवे 3,500 मीटर लंबा है, जबकि रनवे स्ट्रिप 300 मीटर चौड़ी है। यात्री विमान अपनी सुविधानुसार दिन या रात में किसी भी समय उड़ान भर सकते हैं या उतर सकते हैं, जबकि मालवाहक जहाज़ रात में टेकऑफ और लैंड करते हैं।

ढेर सारी सुविधाएं- एयरपोर्ट की इमारत इस तरह से बनाई गई है कि उस पर व्हीलचेयर आसानी से जा-आ सके। दूसरे तल पर लिनिक और तीसरी मंज़िल पर कॉन्फ्रैंस-हॉल है। यहां पोस्ट- ऑफिस, बैंक, करेंसी एक्सचेंज और कोबैन के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए भी बहुत-सी सुविधाएं हैं।



जहां होती है 6 महीने रात



कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का चुबकीय क्षेत्र उलट रहा है और किसी दिन कम्पास दक्षिण की बजाय उत्तरी की ओर संकेत कर सकती है।

उत्तरी ध्रुव

उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यह वह बिंदु है, जहां पृथ्वी की धूरी घूमती है। यह आर्कटिक महासागर में पड़ता है। यहां अत्याधिक ठंड पड़ती है, क्योंकि लगभग छः महीने यहां सूरज नहीं चमकता है। ध्रुव के आसपास का महासागर बहुत ठंडा है और सदैव बर्फ़ की मोटी चादर से ढंका रहता है। इस भौगोलिक उत्तरी ध्रुव के निकट ही चुबकीय उत्तरी ध्रुव है।

कम्पास की सूई इसी चुबकीय उत्तरी ध्रुव की ओर संकेत करती है। उत्तरी तारा या ध्रुव तारा उत्तरी ध्रुव के आकाश पर सदैव निकलता है। सदियों से नाविक इसी तारे को देखकर यह अनुमान लगाते रहे हैं कि वे उत्तरी में कितनी दूर हैं। उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव की तुलना में कम ठंडा है, क्योंकि यह महासागर के मध्य में समुद्र स्तर पर स्थित है। सर्दियों में (जनवरी) यहां का तापमान -43 डिग्री सैल्सियस से -26 डिग्री सैल्सिय के बीच रहता है। गर्मियों में (जून, जुलाई, और अगस्त) में औसत तापमान जमाव बिंदु के आसपास रहता है। उत्तरी ध्रुव में समुद्र पर जमी बर्फ़ की परत 2 से 3 मीटर तक मोटी होती है, हालांकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पछले कुछ सालों में यहां बर्फ़ की परतों की औसत मोटाई में कुछ कमी आई है। कई बार तैरते हुए हिमखंडों के नीचे आप साफ़ पानी देख सकते हैं। यहां ध्रुवीय भालू, आर्कटिक लोमड़ियां और सील काफ़ी संख्या में पाई जाती हैं। सर्दियों में भालू हाइबरनेट करते हैं यानी ये सर्दियों के दौरान निष्क्रिय रहते हैं। वे सारा वत गुफा में छिपे बैठे रहते हैं और शिकार नहीं करते। लेकिन जैसे ही यहां गर्मियों का मौसम शुरू होता है, वे शिकार के लिए निकल पड़ते हैं। उत्तरी ध्रुव पर हिम बंटिंग, उत्तरी फुल्मर और काली-टांगों वाली किटिवेक समेत कई पक्षी भी पाए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार वर्तमान में उत्तरी ध्रुव और आर्कटिक महासागरीय क्षेत्रों पर किसी भी देश का अधिकार नहीं है। इसके आसपास के पांच देश रूस, कनाडा, नॉर्वे, डैनमार्क (ग्रीनलैंड) और अमरीका (अलास्का) अपनी सीमाओं के 200 नॉटिकल-मील (370 किमी.) तक के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र तक सीमित हैं। इसके आगे के क्षेत्र का प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सीबेड प्राधिकरण के पास है।

दक्षिणी ध्रुव

उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव पूरी तरह एक-दूसरे से भिन्न हैं। उत्तरी ध्रुव पर आर्कटिक महासागर है, जो उत्तरी अमरीका, यूरोप और एशिया से घिरा है, जबकि दक्षिण ध्रुव का क्षेत्र अन्य सभी महाद्वीपों से अलग-थलग है, सिवाय दक्षिण अमरीका के, लेकिन इनके बीच भी कई 100 किलोमीटर लंबा सागर पड़ता है। दो उत्तरी ध्रुव और दो दक्षिणी ध्रुव होते हैं।

उत्तरी और दक्षिणी भूमध्यरेखीय ध्रुव या भौगोलिक ध्रुव स्थिर बिंदु हैं और धूरी बनाते हैं, जिस पर पृथ्वी घूमती है। आप इन्हें ग्लोब पर देख सकते हैं। यही वे ध्रुव हैं, जिन्हें हम उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव कहते हैं। उत्तरी व दक्षिणी चुबकीय ध्रुव वहां होते हैं, जहां पर कम्पास संकेत करता है। ये ध्रुव हमेशा घूमते रहते हैं।

इस तरह ये हर साल औसतन 6-25 मील तक शिफ्ट हो जाते हैं। केवल कम्पास को देखकर यह बताया जा सकता है कि हम इन ध्रुवों के निकट हैं, पर ध्रुवों के बिल्कुल निकट कम्पास भरोसेमंद नहीं है।

ध्रुवीय बिंदुओं पर छः महीने की सर्दियां होती हैं और कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। जब सूर्योदय होता है, तो छः महीनों की लंबी गर्मियां आरंभ होती हैं...

दक्षिणी ध्रुव पृथ्वी का सबसे दक्षिणी छोर है। यह अमरीका से लगभग दोगुने आकार का एक बहुत विशाल पर्वतीय महाद्वीप है। इसे अंटार्कटिका के नाम से भी जाना जाता है। यह बहुत ही ठंडा स्थान है। अंटार्कटिका के अधिकतर द्वीप पर बर्फ़ की एक मोटी चादर फैली रहती है। अपने केंद्र पर तो यह डेढ़ किमी से भी मोटी बर्फ़ से ढंका हुआ है। दक्षिण ध्रुव की जलवायु उत्तरी ध्रुव के मुक़ाबले कहीं अधिक प्रचंड है।

पैंग्विंस के सिवाय भूमि पर रहने वाला कोई अन्य जानवर यहां पाया नहीं जाता है। यहां पौधे भी बहुत दुर्लभ मिलते हैं। यहां उगने वाली बहुत कम चीज़ों में शैवाल, काई, घास और फूलों के कुछ पौधे शामिल हैं। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना बहुत कठिन है, जबकि उत्तरी ध्रुव पर आप आसानी से पहुंच सकते हैं, क्योंकि यह समुद्र और समतल समुद्री बर्फ़ से ढंका हुआ है। यहां आने वाले जहाज़ों को भी आमतौर पर बर्फ़ीले समुद्री रास्ते से होकर जाना पड़ता है।

यहां की कोई स्थानीय जनसंख्या नहीं है, केवल यहां पर रिसर्च करने के लिए आने वाले वैज्ञानिकों की लोनियां हैं। तट पहुंचने के बाद भूमार्ग से यात्रा करने वाले खोजियों को भी ध्रुव तक पहुंचने के लिए 1,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बहुत मुश्किल मौसम में करनी पड़ती है। इस इलाके में बहुत अधिक तूफ़ान आते हैं।

उन्हें तैरते हिमखंडों को पार करके बर्फ़ से ढंकी भूमि और सीधे खड़े पर्वतीय हिमनदों को तेज़ और जमा देने वाली बर्फ़ीली हवाओं के बीच पार करना होता है। गर्मियों के दौरान दिसंबर के अंत से मार्च के अंत तक कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। इसके बावजूद गर्मियों में भी यहां का तापमान जमाव बिंदू के नीचे रहता है। सर्दियों के दौरान यहां कई सहश्वताह तक सूर्योदय नहीं होता और यहां तापमान शून्य से 25-35 डिग्री सैंटीग्रेट तक नीचे रहता है।

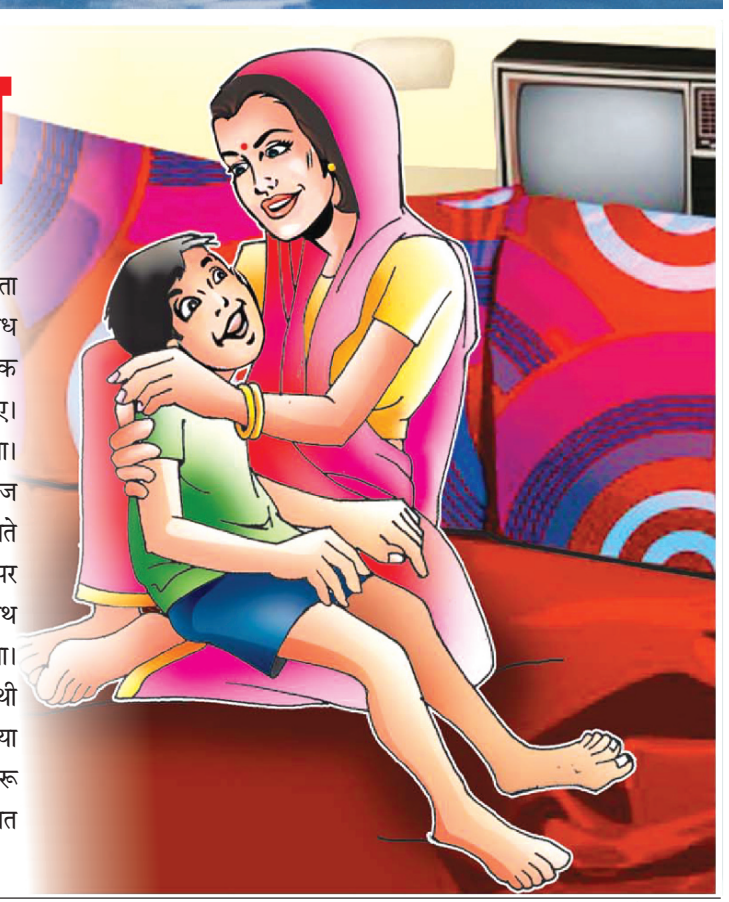


भावुक मन

बचपन में दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता द्वारा सुनाई गई कहानियां आने वाली ज़िंदगी पर भी प्रभाव डालती हैं। ये कहानियां ही हमें नैतिकता, जीवन के मूल्य, संस्कार और संस्कृति से वाकिफ कराती हैं। कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो बच्चे के भावुक मन में गहरे तक पैठ कर जाती हैं और उनके जीवन का हिस्सा बन जाती हैं।मुझे आज भी याद है कि बचपन में मेरी मम्मी मेरा मन बहलाने के लिए मुझे कहानियां सुनाया करती थीं।

उनमें से कई कहानियां ऐसी थीं, जो उन्होंने अपनी नानी-दादी से सुनी थीं, यानी पीढ़ि दर पीढ़ि वे कहानियां सुनी/सुनाई जा रही हैं। उनकी सुनाई बहुत सी कहानियां मुझे आज भी याद हैं। मम्मी द्वारा सुनाई गई एक कहानी ऐसी भी थी जो मेरे दिल को छू गई। मुझे ऐसा लगता जैसे मैं ख़ुद उस कहानी में शामिल हूं। यह कहानी गणेश जी के जन्म की है। माता पार्वती ने भगवान शिवजी की अनुपस्थिति में अपने शरीर की मैल से गणेश जी की प्रतिमा बनाई और उसमें प्राण डाल दिए। माता पार्वती ने उन्हें अपना पुत्र मान लिया।

माता पार्वती ने गणेश जी को द्वार पर खड़े होने का आदेश दिया और कहा, 'पुत्र मैं अंदर स्नान करने जा रही हूं। किसी को अंदर प्रवेश मत करने देना।' गणेश जी माता की आज्ञा सुनकर द्वार के पास खड़े हो गए। गणेश जी अभी द्वार पर खड़े हुए ही थे कि भगवान शिव बाहर से लौट आए। वह जब अंदर जाने लगे, तो गणेश जी ने कहा, 'अंदर मत जाओ, मेरी माता जी स्नान कर रही हैं।' भगवान शिव ने पूछा, 'तुम्हारी माता जी कौन है?' गणेश जी ने कहा, 'पार्वती जी ही मेरी माता हैं।'गणेश जी का जवाब सुनकर भगवान शिव को बहुत क्रोध आया और वह बलपूर्वक अंदर जाने लगे, लेकिन तभी बालक गणेश उन्हें रोकते हुए उनसे युद्ध करने के लिए तैयार हो गए। क्रोधित शिवजी ने त्रिशूल से उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। जब मम्मी यह कहानी सुनाती थीं, तो मेरा दिल अंदर तक पसीज जाता था और मेरी आखों से आंसू टप-टप करके बहने लगते थे। मैं अक्सर सोचा करता था कि मेरे साथ ऐसा क्यों होता है, पर अब समझ में आता है कि मैं शायद ख़ुद का गणेश जी के साथ संबंध स्थापित कर लेता था, जिसकी वजह से मैं रो पड़ता था। मेरे आंसू पोंछते हुए मेरी मम्मी समझातीं कि गणेश जी को हाथी के बच्चे का सिर लगा कर शिवजी ने दोबारा जीवित कर दिया और सभी देवताओं में शीर्ष स्थान दिया। कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले गणेश जी की पूजा होती है। मम्मी की यह बात सुनकर मुझे संतोष होता।



आर्कटिक ओपन

तन्वी को मिली हार

सिंधु क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं

वंटा (फिनलैंड)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को 21-15, 21-15 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई हैं। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने यह मुकाबला 49 मिनट में अपने नाम किया। अब क्वार्टर-फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त और थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रत्चानोक इंतानोन से होगा। इस क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से विमेंस बैडमिंटन सर्किट की एक पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी, हालांकि दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना साल 2022 के बाद से नहीं हुआ है। 'हेड-टू-हेड' रिकॉर्ड में इंतानोन 9-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मुकाबले जीते हैं। दोनों की पिछली भिड़ंत साल 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जिसमें थाई खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की। सिंधु को अपने शानदार 2026 अभियान से आत्मविश्वास मिलेगा, जिसके तहत उन्होंने 'जापान ओपन सुपर 750' का खिताब जीता है। उन्होंने जुलाई में फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर अपने हालिया करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इंतानोन को भी इस सीजन में सफलता मिली है; उन्होंने मई में फाइनल में चीन की चेन युफेई को मात देकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 का खिताब जीता। थाई खिलाड़ी ने तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। तन्वी पहले गेम में ज्यादातर समय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के बराबर बनी रहीं, उन्होंने 17-17 से बराबरी भी की, लेकिन इंतानोन ने गेम के आखिर में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए पहला गेम जीत लिया।



लैंडो नॉरिस का विश्वास कायम

मैकलारेन की मेहनत पर जताया भरोसा

मरीना बे (सिंगापुर)। लैंडो नॉरिस को भरोसा है कि सिंगापुर जीपी से पहले मैकलारेन ने अपनी तैयारियों में जरूरी सुधार किए हैं। उनका मानना है कि टीम ने परिस्थितियों का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और अब बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। समर ब्रेक से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद नॉरिस ने शानदार फॉर्म दिखाई थी; उन्होंने ब्रेक के दौरान हंगेरियन जीपी और डच जीपी जीती थी। वह इटली में चौथे और स्पेनिश जीपी में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अजरबैजान जीपी में संघर्ष करना पड़ा, जहां कई कारों की टक्कर के बाद उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। इसके बाद बहरीन जीपी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और छठे स्थान पर रहे। नॉरिस के टाइटल जीतने की उम्मीदें बहुत कम हैं, क्योंकि उनके पास 188 प्वाइंट्स हैं और वह चैंपियनशिप लीडर किमी एंटोनेली से 132 प्वाइंट्स पीछे हैं। मरीना बे स्ट्रीट सर्किट पर सिंगापुर जीपी से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मौजूदा चैंपियन ने उम्मीद जताई कि टीम ने समस्याओं को हल करने के लिए काम किया है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह पहले कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना चाहते हैं।



नॉरिस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'कुछ स्पष्ट चीजें थीं, जैसे स्ट्रेट-लाइन स्पीड और कार के साथ मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं। यह भी कि हम कार से और बेहतर परफॉर्मेंस कैसे निकाल सकते हैं, ताकि वापस उसी स्थिति में आ सकें, जो कि एक मुश्किल काम है। बाकू में भी हम बहुत तेज नहीं थे, इसलिए यह सिर्फ मलेशिया की बात नहीं थी। मुझे उम्मीद है, बस कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना है कि वह कैसी है।

संक्षिप्त समाचार

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका

बाहर हुए चैपमैन और फॉल्क्स

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड को अपने घर में भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज से पहले कीवी टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जांघ में खिंचाव है, जबकि फॉल्क्स कूल्हे की चोट से



परेशान हैं। इन दोनों का सीरीज से बाहर होना न्यूजीलैंड को मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में अनुभव और प्रदर्शन है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग खेलने के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। उनके भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक ठीक होने की उम्मीद है। वहीं, फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। फॉल्क्स की वापसी कब तक होगी, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चैपमैन और फॉल्क्स की जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है।

शुभंकर ने कपिल देव इनविटेशनल टूर

चैंपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

ग्रेटर नोएडा। शुभंकर शर्मा ने गुरुवार को कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके चार-शॉट की बढ़त हासिल कर ली। 2 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाली यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी है। चंडीगढ़ के 30 वर्षीय गोल्फर (68-65) ने दिन की शुरुआत पिछले दिन के लीडर शौर्य भट्टाचार्य से दो स्ट्रोक पीछे रहकर की थी। उन्होंने एक ईगल, सात बर्डी और दो बोगी के



साथ 11-अंडर 133 का स्कोर हासिल किया। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार जीत हासिल कर चुके शुभंकर ने अप्रैल में पीजीटीआई के बोल्डर्स क्लासिक में जीत हासिल की थी, जिससे उनका प्रोफेशनल खिताब जीतने का आठ साल का इंतजार खत्म हुआ था। चंडीगढ़ के ब्रशवरपाल सिंह (72-65) ने शुभंकर के बराबर दिन का सबसे कम स्कोर बनाया। उनके सात-अंडर 65 के स्कोर में आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी, जिससे वे पिछले दिन संयुक्त 11वें स्थान से ऊपर उठकर सात-अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत वनडे विश्व कप 2025 का खिताब है: अंजुम चोपड़ा

'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा'

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल ही में कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2025 जीतना होगा। चोपड़ा ने कहा कि कौर टीम को जिस टीम से मिली थीं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत, अनुभवी और आत्मविश्वासी टीम के तौर पर छोड़कर गई हैं। अंजुम चोपड़ा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'एक लीडर के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतना रहेगी। उस टूर्नामेंट में उनकी बैटिंग, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, और कैसे टीम सभी के योगदान से वहां तक पहुंची। यह सिर्फ हरमन की वजह से नहीं था। हर खिलाड़ी के योगदान से हरमन वह ताज उठा पाईं और भारत जीत सका। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने वनडे की कप्तानी संभाली है। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से मापी जाएगी कि उन्होंने कहां से कमान संभाली और कहां छोड़ी। वनडे फॉर्मेट में इंडियन टीम वर्ल्ड चैंपियन है। जब उन्होंने कमान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं





ज्यादा मजबूत, ज्यादा ऊर्जावान, स्किलफुल और अनुभवी है। अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह इंडियन टीम सही रास्ते पर है।' अंजुम ने कहा, 'बतौर क्रिकेटर लंबी यात्रा के बाद भी मुझे नहीं लगता कि हरमनप्रीत कौर एक इंसान के तौर पर बदली हैं, भले ही महिलाओं के खेल के लिए उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत कौर में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। एक कप्तान के तौर पर, अगर मैदान में कोई मामूली कोशिश करता है-जैसे गेंद को रोकने में नाकाम रहना, उसे जल्दी वापस न फेंकना या एक अतिरिक्त रन देना- तो वह उस व्यक्ति को मैदान पर ही मौका देती हैं, चाहे कैमरे उन्हें पकड़ें या नहीं। लेकिन जिस पल वही व्यक्ति अच्छा स्टॉप करता है, विकेट लेता है या कैच लेता है, वह सबसे पहले दौड़कर उसकी तारीफ करती हैं। मैंने इतने सालों में कप्तान हरमन के दोनों पहलू देखे हैं। एक व्यक्ति के तौर पर हरमनप्रीत नहीं बदली हैं और यही उनकी खूबसूरती है। 'ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दावेदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, 'यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देखना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो गुयाना में 2018 वर्ल्ड कप में भी, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था।



अंजुम ने कहा-

'मैंने 2025 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी लगातार कहा है कि इंडिया के पास बॉलिंग की कमी है। जीत पक्की करने के लिए उन्हें दो विकेट लेने के लिए शेफाली को लाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूं कि हमने वह वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हमारे पास अभी भी बॉलिंग डेप्थ की कमी थी। आज भी, हम क्रांति गौड़ जैसे एक फास्ट बॉलर के साथ खेलते हैं, और नंदिनी शर्मा अभी-अभी आई हैं।'

हरमनप्रीत के इस्तीफे वाले पोस्ट में त्याग शब्द पर अंजुम ने कहा, 'सबसे बड़ा त्याग जो आप करते हैं, वह है खेलने की अपनी शैली को किनारे रखना। कभी-कभी आप नंबर तीन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन टीम को आपसे नंबर चार या ओपनिंग करने की जरूरत होती है, इसलिए आप वह मुश्किल रोल निभाते हैं। आपको टीम के फायदे को अपने फायदे से पहले रखना होगा। हो सकता है आप बॉलिंग करना चाहें या न करना चाहें, या टीम को आपकी जरूरत बाउंड्री लाइन पर हो सकती है - ये छोटी-छोटी बातें हैं।

फ्रेंडली मुकाबले में रूस के हाथों

0-4 से भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हार



कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को फ्रेंडली मैच में रूस के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला गुरुवार को कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला गया। दुनिया में 69वें नंबर पर मौजूद भारत ने 27वें नंबर की रूसी टीम को मैच के पहले हाफ में काफी देर तक रोके रखा, लेकिन ब्रेक के बाद रूस के लगातार दबाव का असर दिखा। याना शेइना ने 40वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी किरा पेटुखोवा ने 60वें और 65वें मिनट में दो गोल दागे। याना स्विस्तुनोवा ने 81वें मिनट में गोल करके स्कोर पूरा किया। भारत के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने इस मैच का इस्तेमाल कई युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए किया; बेबीसाना देवी थिंगबैजम, मालती मुंडा, सिंडी कोल्नी, शुभांगी सिंह, धुर्गा पेरुमल और सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। गोलकीपर मोनालिशा देवी मोइरांगथेम ने अपना तीसरा इंटरनेशनल मैच भी खेला।

यह कोलकाता में भारत का पहला महिला इंटरनेशनल मैच था और वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े अंतर के बावजूद मेजबान टीम ने अनुशासित शुरुआत की। रूस का बॉल पर कब्जा और मैदान पर दबदबा ज्यादा था, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया और रूसी खिलाड़ियों के पासिंग के रास्ते बंद करने के लिए कड़ी मेहनत की। मोनालिसा ने भी रूसी खिलाड़ियों को गोल करने से रोकने के लिए कई अहम बचाव किए।

मैच के आधे घंटे के आसपास भारत बढ़त बनाने के करीब था, जब बॉक्स के अंदर गेंद मालविका पी. के पास आई, लेकिन रूसी गोलकीपर नतालिया सिलिना ने तेजी से अपनी लाइन से बाहर आकर उस मौके को खत्म कर दिया। हाफ के आखिर में लिंडा कॉम सर्टो को भी मौका मिला, लेकिन भारत मिले मौकों को गोल में नहीं बदल सका।

रणजी ट्रॉफी

जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली

सौराष्ट्र टीम में जडेजा शामिल

राजकोट । अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी



2026/27 के पहले मैच के लिए सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के हाथ में है। जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे सीरीज जीत में खेलकर आ रहे हैं, हालांकि उन्होंने दो मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए और उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। रणजी ट्रॉफी में खेलने से जडेजा को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दो मैचों के टेस्ट दौरे से पहले रेड-बॉल लय बनाने में मदद मिलेगी। रणजी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ एलीट ग्रुप बी में रखा गया है।

उनादकट की लीडरशिप में सौराष्ट्र अपने कैंपेन की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र, जिसने उनादकट की लीडरशिप में 2019/20 और 2022/23 में दो बार प्रीमियर घरेलू खिताब जीता था, ने पिछले सीजन की टीम के 14 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

लेफ्ट-आर्म पेसर उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं।

सौराष्ट्र टीम

जयदेव उनादकट (कप्तान), रवींद्र जडेजा, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेरक मांकड़, जय गोहिल, चेतन सकारिया, अंकुर पंवार, समर गज्जर, पार्थ भुट, विश्वराजसिंह जडेजा, हेतविक कोटक, नील पांड्या, अर्थ यादव, तरंग गोहेल।

रूस से हार के बाद बोले महिला फुटबॉल टीम के कोच क्रिस्पिन छेत्री

युवा टीम होने के बावजूद हमने कैरेक्टर दिखाया

कोलकाता । भारत महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने किशोर भारती क्रीड़ांगन में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में रूस से 0-4 से हारने के बाद भी अपनी युवा टीम का समर्थन किया है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में छेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस मैच की पॉजिटिव बात यह है कि एक युवा टीम होने के बावजूद, हमने कैरेक्टर दिखाया। हम दबाव बनाने से नहीं डरते, हम भागने से नहीं डरते। हम वही करने की कोशिश करते हैं जो हमारे कंट्रोल में होता है।' हेड कोच ने टीम के 25-दिन के कैंप के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए कमिटमेंट पर भी जोर दिया और रूस की फिजिकल मौजूदगी और सेट-पीस से निपटने की उनकी कोशिशों की ओर इशारा किया।



उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी बात यह है कि हमने कैरेक्टर दिखाया, हमने हार नहीं मानी। मेरे लिए यह सबसे अच्छी बात है।'

छेत्री ने माना कि जून से कॉम्पिटिटिव फुटबॉल की कमी रूसी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण साबित हुई। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए कीमती होगा क्योंकि वे इंटरनेशनल लेवल पर आगे बढ़ रहे हैं।

11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे फ्रेंडली मैच को देखते हुए, छेत्री ने बताया कि टीम लंबे समय तक अपनी इंटेंसिटी बनाए रखने की अपनी काबिलियत को बेहतर बनाने पर काम करेगी। साथ ही, पहले मैच के आखिरी स्टेज में खेलने वाले युवाओं को ज्यादा मौके भी देगी।



अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से बेहद खुश है संदीपा धर

हाल ही में रिलीज़ हुई ओटीटी सीरीज़ 'चुंबक' में अपने अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से अभिनेत्री संदीपा धर बेहद खुश हैं। 'चुंबक' में संदीपा धर के साथ सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज़ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। सीरीज़ के निर्देशक आतिश कपाड़िया के साथ अपनी पहली मुलाकात और उनके द्वारा दिए गए अनोखे नैरेशन के अनुभव को याद करते हुए संदीपा ने इसे बेहद खास बताया। मुंबई के बीकेसी में सीरीज़ के प्रमोशन के दौरान, संदीपा धर ने अपने सह-कलाकारों सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख के साथ इस अनुभव को साझा किया। संदीपा ने बताया कि आतिश कपाड़िया ने कहानी सुनाते समय सभी किरदारों को स्वयं निभाकर दिखाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत हैरान करने वाला था। जब उन्होंने मुझे कहानी सुनाई, तो उन्होंने सभी किरदार निभाए। एक किरदार से दूसरे किरदार में जाते समय उनकी आवाज़, बोलने का अंदाज़ और हावभाव पूरी तरह बदल जाते थे। अभिनेत्री ने आगे बताया कि आतिश ने इतनी बारीकी से प्रस्तुति दी कि उन्होंने बैकग्राउंड म्यूज़िक तक तैयार कर रखा था। संदीपा ने उस पल को याद करते हुए कहा, मैं बस उन्हें देख रही थी और सोच रही थी कि हे भगवान, ये इंसान कौन हैं? इससे पहले, संदीपा ने आतिश कपाड़िया के साथ काम नहीं किया था, लेकिन उनके नैरेशन ने ही उनके मन में आतिश के साथ काम करने और उनसे सीखने की गहरी इच्छा पैदा कर दी थी।

अभिनेत्री ने ज़ोर देकर कहा कि स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद उनकी उत्सुकता और भी बढ़ गई। उन्होंने कहा, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मैं बस हँसती रह गई। यह बहुत मजेदार थी। मुझे लगता है कि इसमें आतिश कपाड़िया की बुद्धिमत्ता, हास्य और उनकी पूरी रचनात्मक शैली की स्पष्ट झलक मिलती है। संदीपा ने यह भी व्यक्त किया कि उन्हें सीरीज़ में कोई भी भूमिका मिलती, वह उसे करने के लिए तैयार रहतीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह इस तरह के सेटअप में काम करे। अगर मुझे किरन का किरदार नहीं भी मिलता और कोई दूसरा रोल दिया जाता, तब भी मैं उसे करती। यह अनुभव शानदार था।

सलमान ने किया मुश्किल दौर को याद

अभिनेता सलमान खान ने अपने करियर के उस दौर को याद किया है, जब उनकी फिल्मों, निजी जिंदगी और कानूनी मामलों को लेकर लगातार नकारात्मक खबरें सामने आती थीं। 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में सलमान ने कंटेस्टेंट्स से बातचीत के दौरान अपनी जिंदगी के उस समय का उदाहरण दिया और बताया कि किस तरह टेलीविजन शो 'दस का दम' ने उनकी सार्वजनिक छवि को एक अलग दिशा देने में मदद की।



सलमान खान ने कहा कि उस समय उनके खिलाफ काफी नकारात्मकता थी। उनके कोर्ट केस, रिश्तों और फिल्मों से जुड़ी चर्चाएं लगातार मीडिया में होती थीं। अभिनेता के मुताबिक, उनकी फिल्मों और अभिनय से ज्यादा ध्यान उनकी निजी जिंदगी और विवादों पर केंद्रित हो गया था। उन्होंने बताया कि इसी दौर में उन्हें 'दस का दम' शो का प्रस्ताव मिला था। लगातार नकारात्मक मीडिया कवरेज के कारण सलमान टेलीविजन पर आने को लेकर हिचकिचा रहे थे। अभिनेता ने बताया कि उन्हें लगता था कि शो करने से पहले उन्हें अपने आसपास के माहौल पर विचार करना चाहिए।



श्रेया और आयुष्मान करेंगे मुपापा में स्क्रीन शेयर

छोटे परदे की अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। जल्द ही श्रेया और आयुष्मान फिल्म मुपापा में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बंदिश बैंडिट्स के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली श्रेया चौधरी के मुपापा में किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं। मुपापा का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म को यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। मुपापा यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स की पहली थिएट्रिकल साझेदारी है।



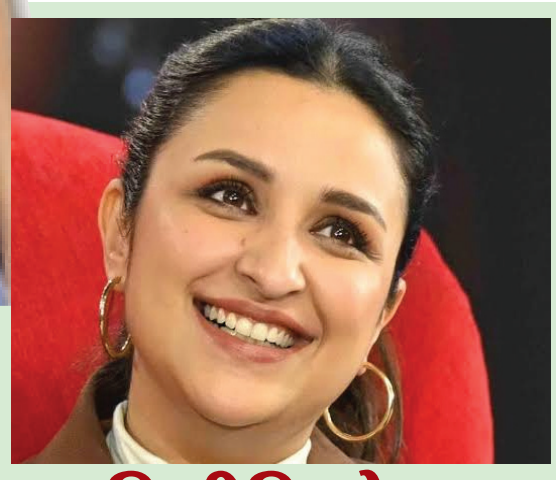
श्रेया चौधरी की बात करें, तो उन्होंने साल 2017 में फिल्म डियर माया से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने इरा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन उन्हें पहचान बंदिश बैंडिट्स से मिली। इस सीरीज में उन्होंने तमन्ना शर्मा का रोल निभाया था। तमन्ना एक पॉप स्टार है, जो क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक की दुनिया के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। श्रेया के इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा श्रेया शॉर्ट फिल्म द अदर वे में भी नजर आ चुकी हैं।

पालतू डॉग ऑरा को लेकर रश्मिका ने शेयर की मजेदार पोस्ट

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने चादर के नीचे गहरी नींद में सो रहे अपने पालतू कुत्ते की एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने यह मजेदार पोस्ट तब साझा किया जब वह खुद काम में व्यस्त थीं, जबकि ऑरा आराम से अपना रविवार बिता रहा था। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने अपनी ईर्ष्या व्यक्त करते हुए ऑरा को बेहद भाग्यशाली बताया। रश्मिका ने तस्वीर पर लिखा, 卐ऑरा का हाल कुछ ऐसा है- मम्मी बिल्कुल सोई नहीं हैं और उन्हें काम पर भी जाना हैज लेकिन इससे किसी को क्या फर्क पड़ता है? पूरा बिस्तर तो मुझे ही मिल रहा है और मैं बहुत खुश हूंज किस्मत वाला।卐 अभिनेत्री का शेड्यूल इन दिनों काफी व्यस्त है, उनकी कुछ बड़ी फिल्में आने वाली हैं। वह अगली बार एक्शन-ड्रामा फिल्म 'मैसा' में दिखाई देंगी। इस फिल्म का टीजर हाल ही में जारी किया गया था, जो एक दमदार मनोरंजन का वादा करता है। टीजर में पानी के अंदर के शानदार दृश्य दिखाए गए हैं, जिनमें रश्मिका का पानी की तलहटी में हंसिया पकड़े बैठे रहने का दृश्य बेहद प्रभावशाली है।

रश्मिका ने इस फिल्म में एक गोंड आदिवासी महिला का किरदार निभाया है, जो एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसके लिए गहन शारीरिक तैयारी और मुश्किल एक्शन दृश्यों की आवश्यकता थी। अनफॉर्मूला फिल्म्स द्वारा निर्मित 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले ने किया है। यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जिसमें व्यापक एक्शन और तकनीकी रूप से महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया है। निर्माताओं ने एक बार फिर पुष्टि की है कि 'मैसा' 27 नवंबर, 2026 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। इससे पहले, रश्मिका को एक कठिन डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान कूल्हे में गंभीर चोट लग गई थी। अभिनेत्री ने लगातार एक्शन और डांस की शूटिंग की, जिसके चलते उनके कूल्हे की एक नस पूरी तरह से अलग हो गई थी। डॉक्टर चोट की गंभीरता देखकर हैरान थे और उन्होंने अभिनेत्री को 6 सप्ताह तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी थी।





परिणीति चोपड़ा बनी पत्रकार

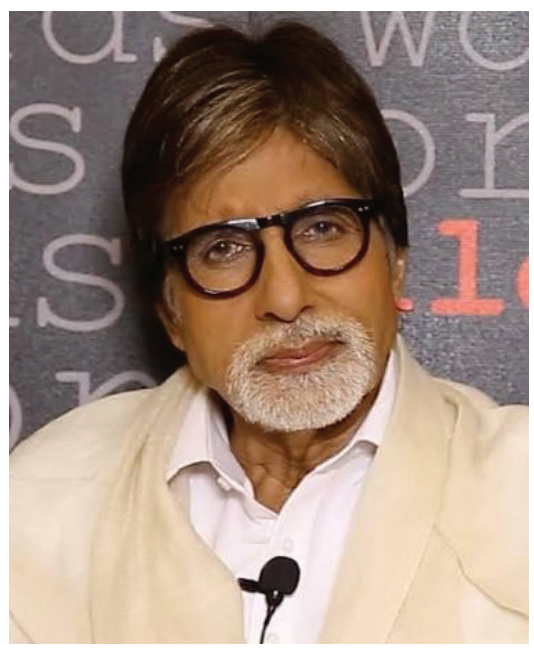
अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और अभिनेता अमोल पालेकर की आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में परिणीति एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की पड़ताल करते हुए छिपे हुए सच तक पहुंचने की कोशिश करती हैं। फिल्म में देवेन भोजानी उनके कैमरामैन की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। लगभग दो मिनट दो सेकंड लंबे ट्रेलर में कहानी की शुरुआत एक गंभीर घटना की जांच से होती है। रिपोर्टर और कैमरामैन अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की तह तक जाने की कोशिश करते हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ उन्हें ऐसे प्रभावशाली लोगों का सामना करना पड़ता है, जो इस कारोबार से जुड़े सच को सामने नहीं आने देना चाहते। ट्रेलर में कहानी के दौरान कई तनावपूर्ण घटनाएं दिखाई गई हैं। इसमें पीछा करने, टकराव और हिंसा से जुड़े दृश्य भी शामिल हैं। जैसे-जैसे पत्रकार सच्चाई के करीब पहुंचते हैं, उनके लिए खतरा बढ़ता जाता है। फिल्म का केंद्र पत्रकारिता, जांच और दबे हुए सच को सामने लाने की कोशिश के इर्द-गिर्द रखा गया है। परिणीति चोपड़ा ने अपने किरदार को लेकर कहा है कि यह उनके लिए एक अलग तरह की भूमिका है।

पैपराजी पर भड़की नीतू कपूर

बॉलीवुड की अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर ने हाल ही में अभिनेत्रियों की पीठ की तस्वीरें लेने के पैपराजी के जुनून पर तंज कसते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उनका यह बयान उस समय आया जब वे शहर में थीं और उन्हें घेरने वाले फोटोग्राफरों ने उनसे पीठ की तस्वीरें लेने का आग्रह किया। हाल ही में जब नीतू कपूर एक जगह से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर बढ़ रही थीं, तो वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे उनकी पीठ की तस्वीर लेने के लिए कहा। इस पर अभिनेत्री ने पलटकर कहा, आपको यह बहुत अच्छा लगता है ना, बैक? पैपराजी ने इस बात से इनकार किया, जिसके बाद नीतू अपनी कार में बैठकर चली गईं। नीतू कपूर इंडस्ट्री की पहली ऐसी व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने अभिनेत्रियों की इस तरह से तस्वीरें लेने के पैपराजी के गलत जुनून के बारे में बात की है। इससे पहले, अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी अभिनेत्रियों के ऐसे बैक शॉट्स लेने के लिए पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने इसे अपमानजनक तरीका बताया था और इसे बंद करने की मांग की थी। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने भी नेहा धूपिया की बात का पुरजोर समर्थन किया था।



अमिताभ ने देर रात तक जागने और मन में आने वाले विचारों पर की चर्चा



हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने देर रात तक जागने और मन में आने वाले विचारों के बारे में खुलकर बात की है। अपने ब्लॉग पर अमिताभ बच्चन ने लिखा, कहा जाता है कि रात की नींद इंसानी शरीर की मरम्मत का सबसे अच्छा तरीका है और मुझे इसका पालन करने के लिए समय निकालने में मुश्किल होती है। उन्होंने काम के लिए जल्दी उठने के मकसद से जल्दी सोने के अपने प्रयास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस एहसास को जोश और लंबे समय से तय लक्ष्यों को पाने की ताकत से भरा हुआ बताया। उन्होंने कहा, आज रात एक कोशिश हैज जल्दी सोने और काम के लिए जल्दी उठने कीज यह एक अलग एहसास हैज कई विचारों और आइडिया का दौरज सब जोश और उन लक्ष्यों को हासिल करने की भावना से भरे हुए हैं, जिन्हें कभी लक्ष्य माना जाता थाज यह सब मंज़िल तक समय पर पहुँचने की जबरदस्त ताकत देता हैज और मुझे अब बिस्तर की ओर भागना चाहिए। सिनेमा के दिग्गज कलाकार इस समय लोकप्रिय क्विज़ शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में बतौर होस्ट नज़र आ रहे हैं, जो ओरिजिनल ब्रिटिश शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण है।

इस शो का फॉर्मेट अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्करणों जैसा ही है, जिसमें कंटेस्टेंट से मल्टीपल-चॉइस सवाल पूछे जाते हैं और उन्हें चार संभावित विकल्पों में से सही जवाब चुनना होता है। साथ ही, उन्हें कुछ लाइफलाइन भी दी जाती हैं, जिनका इस्तेमाल वे तब कर सकते हैं जब उन्हें जवाब को लेकर दुविधा हो। बिग बी, जिन्हें आखिरी बार टीजे ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयन' में देखा गया था, वर्तमान में फिल्ममेकर नाग अश्विन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में व्यस्त हैं। इस विशालकाय परियोजना में उनके साथ कमल हासन और प्रभास जैसे सितारे भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कॉमेडी शो का पति के साथ लुत्फ उठाया प्रीति जिंटा ने, वीडियो किया शेयर

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा अपने पति जीन गुडइनफ के साथ एक कॉमेडी शो देखने पहुंचीं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर शो की कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पति जीन गुडइनफ और स्वयं मैक्स अमिनी के साथ नज़र आ रही हैं। यह शो मशहूर ईरानी-अमेरिकी स्टैंड-अप कॉमेडियन मैक्स अमिनी का था, जिसकी कुछ मजेदार झलकियां अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने मैक्स अमिनी के परफॉर्मेंस का एक वीडियो भी साझा किया। अपनी पोस्ट में, प्रीति जिंटा ने लिखा, सोमवार रात बहुत मज़ा आया। मैक्स अमिनी का मेरा पहला लाइव कॉमेडी शो था और उन्होंने बहुत ही मजेदार परफॉर्मेंस दी। आप बहुत टैलेंटेड हैं मेरे दोस्त और मैं आपके लिए हमेशा और ज़्यादा प्यार और तरक्की की दुआ करती हूं। अभिनेत्री ने मैक्स अमिनी का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, शो में मुझे बुलाने और मेरा नाम लेने के लिए, और सबसे बढ़कर, पूरी रात हमें हंसाने और इतनी बड़ी मुस्कान के साथ घर भेजने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। ढेर सारा प्यार। हाल ही में, अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने आठ साल के लंबे अंतराल के बाद पीरियड ड्रामा 'बंटवारा 1947' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी। सनी देओल अभिनीत यह एक्शन ड्रामा 14 अगस्त को रिलीज़ हुई थी और इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में सनी देओल की भारी आवाज़, उनके दमदार डायलॉग्स और शबाना आज़मी के अभिनय को दर्शकों ने सराहा, वहीं कुछ का मानना था कि फिल्म की कहानी में कुछ कमियां थीं।

इसके बाद, प्रीति जिंटा फिल्म 'वाइब' में दिखाई दीं, जिसमें उनके साथ कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव और पदार्पण करने वाली वंशिका धीर मुख्य भूमिकाओं में थे। कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी यह फिल्म दो जिगरी दोस्तों, हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) के इर्द-गिर्द घूमती है। हार्दिक हाल ही में एक पुनर्वास केंद्र से बाहर आया है और ड्रग्स के दलदल से निकलने की कोशिश कर रहा है। उसका दोस्त बग्स एक बड़ी कंपनी में काम करता है और उसकी मदद करता है।



4 राज्यों की 6 सीटों पर उपचुनाव के नतीजे: बंगाल में BJP की बड़ी जीत, तमिलनाडु में विजय की TVK का दबदबा

नंदीग्राम में हसीरानी रथ ने 1.22 लाख से ज्यादा वोटों से बनाया जीत का रिकॉर्ड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चार राज्यों की छह सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को सामने आए। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की, जबकि तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम सीटों पर अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने बाजी मारी। पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) समर्थित ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के उम्मीदवार अशोक आनंद विजयी रहे। असम की नगांव लोकसभा सीट के लिए उपलब्ध मतगणना अपडेट में भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा आगे चल रहे थे। नंदीग्राम में हसीरानी रथ की रिकॉर्ड जीत पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ ने 1,22,753 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 1,64,427 वोट मिले। यह 1967 में सीट के अस्तित्व में आने के बाद यहां जीत का सबसे बड़ा अंतर बताया गया हैरू इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड शुभेंदु अधिकारी के नाम था। उन्होंने 2016 में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ते हुए माकपा के अब्दुल कबीर शेख को 81,230 वोटों से हराया था। इस बार हसीरानी रथ की बड़ी जीत ने नंदीग्राम में भाजपा की स्थिति को मजबूत किया है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार सखाराव सरकार ने 75,816 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 1,29,914 वोट मिले, जबकि आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के उम्मीदवार गुलाम नबी आजाद को 54,098 वोट प्राप्त हुए। भाजपा को करीब 63.14 प्रतिशत वोट मिले। मुस्लिम बहुल मानी जाने वाली इस सीट पर पारंपरिक रूप से तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला रहा है। इस बार भाजपा की जीत को महत्वपूर्ण राजनीतिक परिणाम के रूप में देखा जा रहा है। तमिलनाडु की धारापुरम विधानसभा सीट पर झउम्मीदवार सत्यभामा ने 9,471 वोटों से जीत हासिल की। वहीं मदुरंतकम सीट पर भी झउम्मीदवार विजयी रहे। दोनों सीटों पर जीत से पार्टी को उपचुनाव में अहम सफलता मिली। पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर सत्तारूढ़ AINRC के उम्मीदवार अशोक आनंद ने कांग्रेस प्रत्याशी ई. विनायगम को 8,000 से अधिक वोटों से हराया। डीएमके उम्मीदवार के. सेतु तीसरे स्थान पर रहे। असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपलब्ध मतगणना अपडेट के अनुसार भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा 82,988 वोटों से आगे चल रहे थे। उन्हें 3.5 लाख से अधिक वोट मिले थे। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल दूसरे और कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा तीसरे स्थान पर थे। इन छह सीटों पर 6 अक्टूबर को



मतदान हुआ था। उपचुनाव के दौरान कुल 5,453 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। इनमें असम में 3,976, नंदीग्राम में 400, धारापुरम में 452, मदुरंतकम में 222, थट्टनचावडी में 225 और रेजीनगर में 178 नोटा वोट दर्ज किए गए।

सर्वपितृ अमावस्या पर उज्जैन में पितरों का तर्पण करेंगी नाजिया इलाही खान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही खान सर्वपितृ अमावस्या के अवसर पर उज्जैन में अपने दिवंगत पूर्वजों का तर्पण करेंगी। उन्होंने कहा कि वे अपने परिवार के दिवंगत बुजुर्गों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए पूरे विधि-विधान से श्राद्ध कर्म करेंगी। नाजिया शनिवार सुबह करीब 9 बजे महाकाल की नगरी पहुंचने वाली हैं। इससे पहले वे इंदौर पहुंच चुकी हैं। शुक्रवार को धार स्थित भोजशाला जाने के बाद उनके



उज्जैन रवाना होने का कार्यक्रम है। नाजिया इलाही खान खुद को अंतरराष्ट्रीय सनातनी प्रवक्ता भी बताती हैं। उनके अनुसार, पिछले कई वर्षों से उनके मन में अपने पितरों का तर्पण करने की इच्छा थी। इस बार सर्वपितृ अमावस्या पर अवसर मिलने के कारण उन्होंने उज्जैन में श्राद्ध कर्म करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वे पहली बार मध्य प्रदेश की धरती पर अपने परिवार के दिवंगत बुजुर्गों के लिए यह धार्मिक अनुष्ठान करेंगी। नाजिया ने अपने निर्णय को पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता से जोड़ते हुए कहा कि पितरों को याद करना उनके लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक महत्व रखता है। महाकाल की नगरी में विधि-विधान से तर्पण कर वे अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करना चाहती हैं। नाजिया इलाही खान ने संत प्रेमानंद महाराज को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रेमानंद महाराज को बदनाम करने की साजिश की जा रही है।

CJP प्रदर्शन से पहले सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार, मेट्रो बंद करने का आदेश रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले की जा रही सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कुछ गतिविधियों को रोकना जरूरी हो सकता है, लेकिन इसके लिए उतनी ही कार्रवाई की जानी चाहिए, जितनी आवश्यक हो। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल किया जाए। कार्रवाई करते समय इस बात का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ प्रदर्शन के मद्देनजर मेट्रो स्टेशन बंद करने के आदेश को खारिज कर दिया। दरअसल, प्रदर्शन को देखते हुए शनिवार रात 9 बजे से दिल्ली के 57 मेट्रो स्टेशन बंद किए जाने थे। अदालत ने इस फैसले पर रोक लगाते हुए स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर जरूरत से ज्यादा प्रतिबंध नहीं लगाए जाने चाहिए।



नाना पाटेकर के निधन के मामले में गोवा पुलिस ने दर्ज किया अप्राकृतिक मौत का केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

गोवा। अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से जुड़े मामले में गोवा पुलिस ने मेडिको-लीगल प्रक्रिया के तहत अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है। पुलिस अब मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिवार के सदस्यों के बयानों की जांच करेगी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया है।



इसकी जांच पीएसआई नितिन नाइक कर रहे हैं। पणजी में दर्ज मामले के अनुसार, गुरुवार सुबह नाना पाटेकर को गोवा के डोना पाउला स्थित ओशन पार्क से मणिपाल अस्पताल, बांबोलिम ले जाया गया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर भेजा गया। मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक, नाना पाटेकर को अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया था। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को सूचना देना और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करना जरूरी होता है। डॉक्टर ने शुरुआती तौर पर कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई। उनके अनुसार, नाना पाटेकर पहले से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था।

13 साल की उम्र में साइन की पहली फिल्म, सेट पर सुनना पड़ा 'हीरोइन बदल दो'; तमन्ना भाटिया ने ऐसे बनाई पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एक स्कूल गर्ल ने महज 13 साल की उम्र में पहली फिल्म साइन की थी। उस समय शायद तमन्ना भाटिया को भी अंदाजा नहीं था कि कैमरे के सामने खड़े होने का उनका फैसला उन्हें भारतीय सिनेमा की लंबे समय तक सक्रिय रहने वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर देगा। शुरुआत आसान नहीं रही। पहली हिंदी फिल्म नहीं चली, साउथ सिनेमा में नई भाषा और संस्कृति से तालमेल बैठाना पड़ा और करियर के शुरुआती दौर में एक सीन करने में असहजता जताने पर उन्हें फिल्म से हटाए जाने का सामना भी करना पड़ा। सेट पर उनके सामने कहा गया- 'हीरोइन बदल दो।' लेकिन तमन्ना ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी सहजता और सीमाओं से समझौता नहीं किया और उस घटना को अपने आत्मविश्वास पर हावी नहीं होने दिया। 'हैप्पी डेज' और 'कल्लूरी' जैसी फिल्मों ने उन्हें पहचान दिलाई। 'अयान' और '100 प्रतिशत लव' ने उनके करियर को मजबूती दी, जबकि 2015 में आई 'बाहुबलीः द बिगिनिंग' ने उन्हें देशभर के दर्शकों तक पहुंचा दिया। दो दशक से ज्यादा लंबे करियर में तमन्ना सफलता को किसी एक अवॉर्ड या ब्लॉकबस्टर के बजाय लगातार काम करने और नए किरदार निभाने के अवसरों से जोड़ती हैं। तमन्ना भाटिया का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में सिंधी मूल के पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष भाटिया हीरे के कारोबार से जुड़े हैं। उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। तमन्ना 13 साल की उम्र से पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं और मंच पर प्रस्तुतियां देती थीं। अभिनय में उनकी रुचि ने कम उम्र में ही उन्हें फिल्मों तक पहुंचा दिया। 2005 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म साइन करते समय उनकी उम्र करीब साढ़े 13 साल थी। फिल्म के प्रचार के दौरान वह 15 साल की थीं और दसवीं की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। इसके बाद काम पाने की राह आसान नहीं रही और उन्होंने करियर में आगे बढ़ने के लिए साउथ सिनेमा का रुख किया। मन्ना ने अपने शुरुआती दिनों में एक निर्देशक-निर्माता की टिप्पणी का भी जिक्र किया था। उनके मुताबिक, उनसे कहा गया कि वह अभिनय और डांस लड़कों की तरह करती हैं और उन्हें अपने अंदाज में लड़कियों जैसी लचक लानी चाहिए।



यूपी में मौसम का कहरः 8 शहरों में बारिश के साथ गिरे ओले, लखनऊ में बाढ़ से हालात बिगड़े

गोमती का जलस्तर लगातार 11वें दिन बढ़ा, 3 लाख से अधिक लोग प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। मेरठ, बरेली और संभल समेत कई शहरों में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। मुजफ्फरनगर में बारिश के बिना ही मटर के दाने के बराबर ओले गिरे। मौसम विभाग ने प्रदेश के आठ जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में गिरावट आई है, वहीं खेतों में खड़ी धान की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका से किसानों की चिंता बढ़ गई है। संभल में मौसम विभाग की चेतावनी के बाद तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई। इससे तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और मौसम में ठंडक बढ़ गई। संभल शहर में करीब आधे घंटे और गुन्नौर क्षेत्र में लगभग एक घंटे तक बारिश हुई। इस दौरान करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। वहीं, ओले गिरने से खेतों में बची धान की फसल को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर, प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राजधानी लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 11वें दिन बढ़ रहा है। नदी का पानी वीआईपी इलाकों की सड़कों तक पहुंच गया है। लेटे हनुमान और हनुमंत धाम सहित कई मंदिरों में भी पानी घुस गया है। एहतियात के तौर पर रिवर फ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। लखनऊ के फैजुल्लागंज क्षेत्र की गलियों में पानी भरने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कई स्थानों पर पानी गले तक पहुंचने की स्थिति बताई गई है। बाढ़ से 40 हजार से अधिक घर आधे से ज्यादा डूबने और तीन लाख से अधिक लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। गोंडा में घाघरा नदी उफान पर है। नदी का पानी आठ गांवों में घुस गया है और सात हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित बताए जा रहे हैं। वहीं, लखीमपुर खीरी में शारदा नदी के कटान से नुकसान जारी है। नदी में अब तक 13 घर और चार मंदिर बह चुके हैं।द्व प्रदेश में एक ओर बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित हुआ है, तो दूसरी ओर नदियों के बढ़ते जलस्तर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किसानों को फसल के नुकसान की चिंता है, जबकि बाढ़ग्रस्त इलाकों में लोगों के सामने घरों और आवागमन की सुरक्षा बड़ी चुनौती बनी हुई है।

संभल में 4 डिग्री गिरा तापमान, ओलावृष्टि से फसल पर संकट

संभल में तेज बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। शहर में आधे घंटे और गुन्नौर में करीब एक घंटे तक बारिश हुई। 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। खेतों में खड़ी धान की बची हुई फसल को नुकसान की आशंका से किसान चिंतित हैं

ट्रम्प से टकराव के बाद अब जुकरबर्ग की बढ़ी नजदीकी, एआई सुरक्षा समझौते में निभा रहे अहम भूमिका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

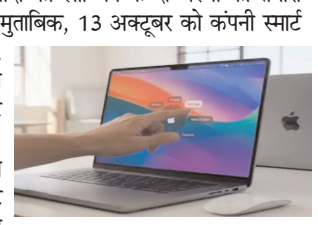
दिल्ली। मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग कभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ टकराव को लेकर चर्चा में थे, लेकिन अब दोनों के रिश्तों में काफी बदलाव आ चुका है। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद जुकरबर्ग ने उनके साथ संबंध बेहतर करने के कई कदम उठाए हैं। अब उनका प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े फैसलों में भी दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एआई सुरक्षा समझौते का शुरुआती मसौदा तैयार करने में जुकरबर्ग की अहम भूमिका रही है। दरअसल, जनवरी 2021 में अमेरिकी संसद पर हुए हमले के बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प के खातों पर रोक लगा दी थी। कंपनी को आशंका थी कि उनकी पोस्ट से हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। इस फैसले से ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने जुकरबर्ग पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें जेल भेजने तक की धमकी दी थी। दोनों के बीच संबंधों में सुधार की शुरुआत जुलाई 2024 में दिखाई दी। पेंसिल्वेनिया में चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प पर जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद जुकरबर्ग ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि गोली लगने के बाद ट्रम्प का उठकर हाथ लहराना उनके जीवन में देखी गई सबसे शानदार चीजों में से एक था। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद ट्रम्प ने भी जुकरबर्ग के प्रति नरम रुख दिखाया और कहा कि अब वे उन्हें पहले से ज्यादा पसंद करते हैं।



एपल के दो बड़े इवेंट की तैयारी, टचस्क्रीन मैकबुक से लेकर नए आईपैड मिनी तक होंगे लॉन्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एपल अक्टूबर में अपने नए उत्पादों की लॉन्चिंग के दो चरणों की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 13 अक्टूबर को कंपनी स्मार्ट होम उत्पाद पेश कर सकती है, जबकि अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में एक विशेष इवेंट आयोजित होने की संभावना है। इसमें एपल का पहला टचस्क्रीन मैकबुक प्रो, नए एम6 चिपसेट वाले मैकबुक और आईमैक तथा अपडेटेड आईपैड मिनी पेश किए जा सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अक्टूबर के अंत में संभावित 27 अक्टूबर को होने वाला इवेंट ऑनलाइन वीडियो प्रस्तुति और आमने-सामने प्रेस सत्रों के रूप में आयोजित किया जा सकता है। कंपनी का फोकस वीडियो निर्माण, फोटो एडिटिंग और संगीत निर्माण से जुड़े पेशेवरों पर रहने की उम्मीद है। एपल के संभावित नए मैकबुक प्रो को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इसके टचस्क्रीन फीचर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, नए मॉडल के कोडनेम के114 और के116 बताए जा रहे हैं। इनमें ओएलईडी डिस्प्ले दिया जा सकता है और मौजूदा मैकबुक मॉडल्स की तुलना में डिजाइन हल्का होने की संभावना है। एक अन्य संभावित बदलाव डायनेमिक आइलैंड इंटरफेस का है। यह सुविधा अभी आईफोन में मिलती है और इसके मैकबुक में आने की चर्चा है। इससे स्क्रीन के ऊपरी हिस्से में नोटिफिकेशन, कॉल, टाइमर और अन्य गतिविधियों की जानकारी इंटरएक्टिव तरीके से दिखाई जा सकती है। टचस्क्रीन मैकबुक के अलावा कंपनी अपने नियमित मैकबुक प्रो और आईमैक को भी नए प्रोसेसर के साथ अपडेट कर सकती है। रिपोर्ट्स में मैकबुक प्रो का कोडनेम जे804 और आईमैक का जे833 बताया गया है। इन मॉडलों में मौजूदा डिजाइन बरकरार रखते हुए एम6 चिपसेट दिए जाने की संभावना है।, नया आईपैड मिनी भी बड़े बदलावों के साथ आ सकता है। इसका संभावित कोडनेम जे510 बताया गया है। इसमें पहली बार ओएलईडी डिस्प्ले दिए जाने की चर्चा है। वीडियो कॉलिंग को बेहतर बनाने के लिए फ्रंट कैमरे को लैंडस्केप पोजिशन में स्थानांतरित किया जा सकता है।



हत्या के बाद परिवार को बताया हार्ट अटैक से हुई मौत, 10 दिन बाद कब्र खोदकर निकलवाया शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पति की हत्या के मामले में पत्नी इल्मा ने पुलिस पूछताछ के दौरान प्रेमी अमन और उसके दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। इल्मा के अनुसार, उसने पति तालिब के खाने में नशीली दवा मिलाई थी। इसके बाद प्रेमी और उसके दोस्त की मदद से कथित तौर पर दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के बाद परिजनों को बताया गया कि तालिब की मौत हार्ट अटैक से हुई है। परिवार ने शव दफना दिया था। मुजफ्फरनगर जिले के रसूलपुर-दभेड़ी गांव निवासी तालिब (30) की शादी करीब चार साल पहले मेरठ के ब्रह्मपुरी क्षेत्र की रहने वाली इल्मा (27) से हुई थी। दोनों की तीन साल की बेटी है। तालिब राजमिस्त्री का काम करता था और पत्नी के साथ मेरठ के जाकिर नगर में किराए के मकान में रहता था। इल्मा पास के एक ब्यूटी स्टूडियो में काम करती थी। इल्मा के मुताबिक, 28 सितंबर को तालिब काम से घर लौटा था। उस दिन दोनों के बीच काम को लेकर विवाद हुआ। इल्मा ने आरोप लगाया कि झगड़े के दौरान तालिब ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाया। इसके बाद उसने प्रेमी अमन को फोन कर घर बुलाया। इल्मा का कहना है कि उसने तालिब को खाने में नशीली दवा दी थी। कुछ देर बाद अमन अपने एक दोस्त के साथ घर पहुंचा। उसके बयान के अनुसार, तालिब के बेसुध होने पर दोस्त ने उसके हाथ पकड़े और इल्मा ने पैर पकड़े, जबकि अमन ने दुपट्टे से गला घोंट दिया।द्व इल्मा ने बताया कि उसकी अमन से करीब 13-14 महीने पहले मुलाकात हुई थी। अमन ने उसे अपना मोबाइल नंबर दिया था और ब्यूटी पार्लर में नौकरी दिलाने की बात कही थी। बाद में तालिब को दोनों की जान-पहचान के बारे में पता चल गया था। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर विवाद भी हुआ था। हत्या के बाद परिवार को तालिब की मौत हार्ट अटैक से होने की जानकारी दी गई और शव दफना दिया गया। 5 अक्टूबर को मृतक का मोबाइल मिलने के बाद परिजनों को पत्नी पर शक हुआ। पूछताछ के दौरान इल्मा ने कथित तौर पर हत्या की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने कब्र खुदवाकर शव बाहर निकलवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।द्व इल्मा ने पूछताछ में पछतावा जताते हुए कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा कि उससे यह सब कैसे हो गया। उसने कानून की ओर से मिलने वाली सजा स्वीकार करने की बात भी कही। मामले में पुलिस की जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से जुड़े निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



कांशीराम की पुण्यतिथि पर मायावती के पैर छूकर भावुक हुए आकाश आनंद, बुआ ने सिर पर हाथ रखकर दिया आशीर्वाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी प्रमुख मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के बीच बदले रिश्तों की झलक देखने को मिली। मायावती के माफ करने और पार्टी में दोबारा जिम्मेदारी सौंपने के बाद आकाश पहली बार उनके साथ सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। उन्होंने बुआ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद करीब 10 सेकेंड तक हाथ जोड़कर सिर झुकाए रखा। मायावती ने उनके सिर पर हाथ रखा और पीठ थपथपाकर आशीर्वाद दिया। मायावती ने सुबह 9 बजे बसपा के प्रदेश कार्यालय मेंकांशीराम की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने आकाश को भी श्रद्धांजलि देने का इशारा किया। आकाश ने तस्वीर पर फूल चढ़ाए और झुककर प्रणाम किया। सूत्रों के मुताबिक, मायावती ने गुरुवार रात आकाश को विशेष रूप से दिल्ली से लखनऊ बुलाया था। वहीं, उनके भाई आनंद कुमार और छोटे भतीजे ईशान आनंद दिल्ली में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। कार्यक्रम में एक लाख से अधिक बसपा कार्यकर्ताओं के अंबेडकर पार्क में जुटने का भी दावा किया गया। मायावती ने केंद्र सरकार से बसपा संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन के आंदोलन को समर्पित कर दिया था। उनके ऐतिहासिक योगदान और बहुजन समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक भारत रत्न दिया जाना चाहिए। मायावती ने कहा कि कांशीराम का मानना था कि बहुजन समाज सत्ता किसी की दया या मेहरबानी से नहीं, बल्कि संविधान से मिले मतदान के अधिकार की ताकत से हासिल कर सकता है। इस अधिकार की रक्षा करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के करोड़ों लोग ही उनका असली परिवार हैं और उनका हित, कल्याण तथा अस्मिता सर्वोपरि है। कांशीराम ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाया था और वह उनके विश्वास को कभी ठेस नहीं पहुंचने देंगी। मायावती ने कहा कि कांशीराम के नक्शेकदम पर चलते हुए बसपा और बहुजन आंदोलन को परिवारवाद से मुक्त रखना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बहुजन समाज के आत्मसम्मान और स्वाभिमान के लिए संघर्ष जारी रखने की बात कही। साथ ही उन्होंने गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा और पिछड़ेपन जैसी समस्याओं का जिक्र करते हुए सरकारों से ठोस कदम उठाने की मांग की। उनके मुताबिक, कुछ मुट्ठीभर लोगों के लिए अनुकूल माहौल बना देने से देश की सभी समस्याएं हल नहीं हो सकतीं। रोजगार के अवसर बढ़ाने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि सही नीति और नीयत के साथ कदम उठाने होंगे।



मायावती ने आकाश आनंद को दिया आशीर्वाद

कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में मायावती और आकाश आनंद एक साथ नजर आए। आकाश ने बुआ मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मायावती ने भी उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग दोहराई और कार्यकर्ताओं से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने का आह्वान किया

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.